@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 25 अगस्त 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 289 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

राज्य में शांति बहाल करने के लिए प्रयासरत है केंद्र: सीएम बीरेन सिंह

नई दिल्ली, 24 अगस्त। मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेन्द्र द्विवेदी के दौरे को लेकर कहा कि उनका ये दौरा ये दिखाता है कि केंद्र सरकार राज्य में शांति बहाल करने के लिए प्रयासरत है। बता दें कि चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेन्द्र द्विवेदी शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर मणिपुर पहुंचे और इस दौरान उन्होंने परिचालन संबंधी तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि सेना प्रमुख ने एक महत्वपूर्ण मौके पर मणिपुर का दौरा किया। सीएम बीरेन सिंह ने सीएम सचिवालय में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा, सेना प्रमुख तीन या चार कमांडरों के साथ आए थे, जिनमें पूर्वी कमान के कमांडर भी शामिल थे। हमने कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया और उनका मुख्य उद्देश्य राज्य में जल्द से जल्द शांति बहाल करना था। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों के मुद्दों और पड़ोसी देश में संकट पर भी चर्चा की। बता दें कि चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने अपने इस दौरे के दौरान सीएम एन. बीरेन सिंह से भी मुलाकात की थी। वहीं सेना प्रमुख के दौरे को लेकर सेना के एक बयान में कहा गया कि जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने मणिपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने क्षेत्र में शांति और सद्भाव बनाए रखने की दिशा में भारतीय सेना और असम राइफल्स के प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार मणिपुर में संकट को लेकर चिंतित है और शांति बहाल करने के लिए प्रयासरत है। सेना प्रमुख जनरल ने कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को मणिपुर सरकार के साथ उचित चर्चा के बाद कार्रवाई करने का निर्देश दिया। पिछले साल मई से मणिपुर में इंफाल घाटी स्थित मैतेई और निकटवर्ती पहाड़ियों पर स्थित कुकी के बीच जातीय हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। वहीं सीएम बीरेन सिंह ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और असम विधानसभा के सभी सदस्यों को राज्य के चार जिलों में मणिपुरी भाषा को एक सहयोगी आधिकारिक भाषा के रूप में अनुमति देने के लिए एक विधेयक पारित करने की उनकी पहल के लिए धन्यवाद भी दिया।

भारत की आबादी के हिसाब से बनाई जाए नीति: राहुल गांधी

सिम्मी कौर बब्बर

प्रयागराज, 24 अगस्त। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का शनिवार को प्रयागराज में हैं। वह करीब पांच बजे प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचे। यहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। इसके अलावा वह भगवतपुर, चकिया, महाराणा प्रताप चौराहा स्थित इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित संविधान सम्मान समारोह को संबोधित करेंगे। रास्ते में जगह-जगह कांग्रेसी कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए खड़े हैं। एयरपोर्ट से लेकर एएमए कन्वेंशन सेंटर तक उनका जगह-जगह स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें बुके भेंट किया। कांग्रेस जिंदाबाद और राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाए गए। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त किया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान की जो सच्चाई है जो हकीकत है। जिसकी जितनी आबादी है उसके हिसाब से पॉलिसी बनाई जानी चाहिए। यदि लोगों की आबादी के हिसाब से नीतियां नहीं बनाई जाती हैं तो जरूरतमंदों को इसका कोई लाभ नहीं मिलेगा और पॉलिसी बनाने का कोई मतलब नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि देश की 70 फीसदी आबादी के हिसाब से नीतियां नहीं बनाई जा रही हैं। केंद्र सरकार की नीतियां सिर्फ चुनिंदा पूजीपतियों और तीस फीसदी लोगों के लिए है। अधिकांश आबादी को केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। संविधान यह कहता है कि सभी नागरिक एक समान हैं और सभी को बराबर अधिकार मिलना चाहिए। राहुल गांधी के कार्यक्रम के मद्देनजर स्टेनली रोड महाराणा प्रताप चौराहा स्थित एएमए कन्वेंशन सेंटर को पूरी तरह से सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है। अंदर जाने वालों की कई स्तर पर चेकिंग की जा रही है। प्रतिभागियों के लिए अलग द्वार जबकि मुख्य अतिथि और चुनिंदा नेताओं के लिए अलग द्वार से प्रवेश की व्यवस्था की गई है। पूरा इलाका कांग्रेसी नेताओं से पट गया है। संविधान से संबंधित पंफलेट भी लोगों के बीच बांटे गए हैं। एएमए हाल पर सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त किया गया है। यहां पर अंदर जाने वालों के लिए विशेष पास जारी किया गया है। अंदर जाने को लेकर काफी धक्कामुक्की हुई। इसके चलते मेटल डिटेक्टर भी टूट गया। अफरातफरी का माहौल बना रहा।

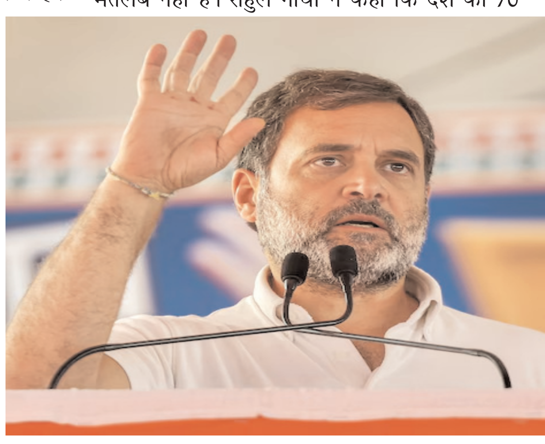

जम्मू-कश्मीर के सोपोर में एक आतंकी ढेर

सोपोर, 24 अगस्त। जम्मू-कश्मीर के सोपोर में सुरक्षाबलों ने आतंकियों से मुठभेड़ में एक दहशतगर्द को मार गिराया है। जानकारी के मुताबिक सोपोर को राफियाबाद में सोपोर पुलिस और 32 राष्ट्रीय राइफल की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन चलाया हुआ है। फिलहाल सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और सर्च ऑपरेशन चलाया है। सूत्रों के मुताबिक अभी कुछ आतंकी छिपे हो सकते हैं। वहीं अभी मारे गए आतंकी की पहचान नहीं हो सकती है। पुलिस इसकी शिनाख्त करने में जुटी हुई है। इससे पहले शुक्रवार को सुरक्षाबलों के हाथ बड़ी सफलता लगी थी। सेना ने पीओके निवासी और लश्कर-ए-तैयबा आतंकी समूह के एक मददगार गिरफ्तार किया था, उसकी पहचान जहीर हुसैन शाह के रूप में हुई है। सुरक्षा बल ने उसे पुंछ में पकड़ा था। वहीं प्रदेश में होने वाले चुनावों में कोई खलल न पड़े इसके लिए केंद्र सरकार ने भारी सुरक्षाबल की तैनाती की है। अब तक अर्धसैनिक बलों की लगभग 300 कंपनियों तैनात की जा चुकी हैं। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि कंपनियों को श्रीनगर, हंदवाड़ा, गांदरबल, बडगाम, कुपवाड़ा, बारामुला, बांदीपोरा, अनंतनाग, शोपियां, पुलवामा, अवंतीपोरा और कुलगाम में तैनात किया गया है। कश्मीर घाटी में विधानसभा चुनावों के सुचारू संचालन के लिए सुरक्षा प्रदान करने के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, सहस्त्र सीमा बल और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस सहित अर्धसैनिक बलों की 298 कंपनियां तैनात की गई हैं।

अखिलेश ने की केस दर्ज करने की मांग तो बसपा सुप्रीमो ने जताया आभार

कौमी संवाददाता

लखनऊ, 24 अगस्त। भाजपा विधायक के बसपा सुप्रीमो मायावती पर की गई टिप्पणी को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा विधायक पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि उत्तर प्रदेश के एक भाजपा विधायक द्वारा उप्र की एक भूतपूर्व महिला मुख्यमंत्री के प्रति कहे गये अभद्र शब्द दर्शाते हैं कि भाजपाइयों के मन में महिलाओं और खासतौर से वंचित-शोषित समाज से आनेवालों के प्रति कितनी कटुता भरी है। राजनीति में मतभेद अपनी जगह होते हैं लेकिन एक महिला के रूप में उनका मान-सम्मान खंडित करने का किसी को भी अधिकार नहीं है। भाजपाई कह रहे हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर हमने गलती की थी, ये भी लोकतांत्रिक देश में जनमत का अपमान है और बिना किसी आधार के ये आरोप लगाना कि वो सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री थीं, बेहद आपत्तिजनक है। भाजपा के विधायक के

ऊपर, सार्वजनिक रुप से दिये गये इस वक्तव्य के लिए मानहानि का मुक़दमा होना चाहिए। भाजपा ऐसे विधायकों को प्रश्रय देकर महिलाओं के मान-सम्मान को गहरी ठेस पहुंचा रही है। अगर ऐसे लोगों के खिलाफ भाजपा तुरंत अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं करती है तो मान लेना चाहिए, ये किसी एक विधायक का व्यक्तिगत विचार नहीं है बल्कि पूरी भाजपा का है। बता दें कि एक टीवी डिबेट के दौरान भाजपा विधायक राजेश चौधरी ने कहा था कि मायावती पहली बार भाजपा के समर्थन से ही मुख्यमंत्री बनी थीं। हमने उन्हें बनाया था। ये हमारी गलती थी। आगे उन्होंने कहा कि वो प्रदेश की अब तक की सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री रही हैं। इस पर अखिलेश यादव ने आपत्ति जताई है। इस पर मायावती ने एक्स पर टिप्पणी कर अखिलेश यादव के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा कि सपा मुखिया ने मथुरा के एक भाजपा विधायक को उनके गलत आरोपों का जवाब देकर बसपा प्रमुख के ईमानदार होने के बारे में सच्चाई को माना है, उसके लिए पार्टी आभारी है। पार्टी को भाजपा के इस विधायक के बारे में ऐसा लगता है कि उसकी अब भाजपा में कोई पूछ नहीं रही है। इसलिए वह बसपा प्रमुख के बारे में अनाप-शनाप बयानबाजी करके सुर्खियों में आना चाहता है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई करे। यदि वह दिमागी तौर पर बीमार है तो उसका इलाज भी जरूर कराए। वरना इसके पीछे बीजेपी का कोई षडयंत्र है, यह कहना भी गलत नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा अपने विधायक के विरुद्ध कोई भी सख्त कार्रवाई नहीं करती है तो फिर इसका जवाब पार्टी के लोग अगले विधानसभा चुनाव में उसकी जमानत जब्त करा कर तथा वर्तमान में होने वाले 10 उपचुनावों में भी इस पार्टी को जरूर देंगे।

पीडीपी घोषणापत्र में फ्री बिजली और 12 सिलेंडर, बढ़ेगी पुरानी पेंशन

जम्मू, 24 अगस्त। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए अगले महीने तीन चरणों में वोटिंग है। चुनाव की तैयारियां सभी राजनीतिक दल कर रहे हैं। चुनावी माहौल के बीच जम्मू और कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी यानी पीडीपी ने महबूबा मुफ्ती की मौजूदगी में अपना चुनावी घोषणापत्र जारी किया। महबूबा मुफ्ती ने वादा किया है कि गरीब लोगों को 12 महीने में 12 सिलेंडर दिए जाएंगे। 1. हर घर को 200 यूनिट बिजली मुफ्त का वादा। 2. बकाया बिजली बिलों का एकमुश्त निपटान होग। 3. हर घर को मुफ्त पानी और पानी के लिए मीटर व्यवस्था समाप्त करेंगे। 4. बीपीएल (पीएचएच), पीएचएच और एनपीएच की श्रेणियों के अंतर्गत आने वाले परिवारों को प्रति व्यक्ति 5 किलोग्राम राशन मिलेगा। 5. ईडब्ल्यूएस क्षेणी के लोगों को 12 महीने में 12 सिलेंडर मुफ्त मिलेंगे। 6. चीनी/केरोसीन को पीडीएस के अंतर्गत वापस लाया जाए। 7. संपत्ति खरीदने वाली महिला के लिए कोई स्टाम्प ड्यूटी नहीं। 8. सभी घरों के लिए संपत्ति कर समाप्त करेंगे। 9. ईडब्ल्यूएस के अंतर्गत आने वाले सभी लोगों को घर बनाने के लिए रियायती दरों पर लकड़ी उपलब्ध होगी। 10. वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन और विकलांगों के लिए पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत धनराशि को 1000 से बढ़ाकर 2000 तक किया जाएगा। 11. जम्मू-कश्मीर बैंक के ऋण ग्राहकों के लिए ओटीएस योजना की समीक्षा की जाएगी। इस दौरान पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि गठबंधन और सीट शेयरिंग बहुत दूर की बात है। अगर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस हमारा एजेंडा अपनाने के लिए तैयार हैं, तो हम कहेंगे कि उन्हें सभी सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए, हम उनके पीछे चलेंगे

बदलापुर कांड: धरने पर बैठे शरद पवार, सरकार को बताया असंवेदनशील

सौरभ शर्मा

मुंबई, 24 अगस्त। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार), कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) ने बदलापुर के स्कूल में बच्चियों के साथ हुए यौन उत्पीड़न के मामले में सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसे लेकर महा विकास अघाड़ी ने आज महाराष्ट्र बंद बुलाया था। हालांकि, बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगा दी थी। इसके बाद एमवीए दलों ने पुणे में धरना दिया। शरद पवार पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ काली पट्टी बांधकर धरने पर बैठ गए हैं। उनके साथ सुप्रिया सुले भी मौजूद हैं। इस दौरान शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में ऐसा कोई दिन नहीं है, जब महिलाओं के खिलाफ अत्याचार की खबर न आती हो। सरकार को इस घटना को गंभीरता से लेना चाहिए, सरकार कह रही है कि विपक्ष राजनीति कर रहा है, इसे राजनीति कहना दिखाता है कि सरकार कितनी असंवेदनशील है। मामले में सुप्रिया सुले ने कहा कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही हैं। लोगों में पुलिस का कोई डर नहीं है। मैं सरकार की निंदा करती हूं। कुछ लोगों ने कहा कि बदलापुर में जो लोग इकट्ठा हुए थे, वे बाहर से आए थे। मैं कहना चाहती हूं कि वे सभी भारतीय थे। मैंने इतनी असंवेदनशील सरकार कभी नहीं देखी। जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता हम विरोध करना बंद नहीं करेंगे। शरद पवार ने कहा कि बदलापुर के एक स्कूल में केजी में पढ़ने वाली दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न की घटना से देश में महाराष्ट्र की छवि खराब हुई है। पवार ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि वह यह भूल गई है कि महिलाओं की सुरक्षा उसकी जिम्मेदारी है। शरद पवार ने कहा कि छत्रपति शिवाजी की भूमि पर ऐसी घटना हुई है जो महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वाले अपराधियों के हाथ काट देते थे। मामले में महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति नहीं है। हम सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और महिलाओं के खिलाफ हो रही घटनाओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। लोगों के आंदोलन के बावजूद अगर राज्य में ऐसी घटनाएं होती रहती हैं, तो इससे पता चलता है कि राज्य में अपराध पर कोई नियंत्रण नहीं है। अपराधियों में कोई डर नहीं है। वहीं, उद्धव ठाकरे ने मुंबई में पार्टी कार्यताओं के साथ प्रदर्शन किया। बदलापुर घटना पर उद्धव ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उनके साथ खड़ी है। इस दौरान शिवसेना (क्व्झ) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि महिलाओं, बेटियों के खिलाफ जो अत्याचार हो रहे हैं, 10 दिन में 12 घटनाएं हो गई हैं।

बुलडोजर न्याय पूरी तरह अस्वीकार्य, यह बंद होना चाहिए: प्रियंका गांधी

तेजिन्दर कौर बब्बर

लखनऊ, 24 अगस्त। देश के कई राज्यों में बुलडोजर की कार्रवाई को कांग्रेस नेता और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अस्वीकार्य और इसे बंद करने की मांग की है। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया एक्स पर लिए एक पोस्ट में कहा है कि बुलडोजर न्याय पूरी तरह अस्वीकार्य, यह बंद होना चाहिए। प्रियंका गांधी ने अपने ट्वीट में आगे लिखा, अगर कोई किसी अपराध का आरोपी है तो उसका अपराध और उसकी सजा सिर्फ अदालत तय कर सकती है। लेकिन आरोप लगते ही आरोपी के परिवार को सजा देना, उनके सिर से छत छीन लेना, कानून का पालन न करना, अदालत की अवहेलना करना, आरोप लगते ही आरोपी का घर ढहा देना- यह न्याय नहीं है। यह बर्बरता और अन्याय की पराकाष्ठा है। इसके साथ प्रियंका गांधी ने इस तरह की कार्रवाई पर निशाना साधते हुए लिखा, कानून बनाने वाले, कानून के रखवाले और कानून तोड़ने वाले में फर्क होना चाहिए। सरकारें अपराधी की तरह व्यवहार नहीं कर सकतीं। कानून, संविधान, लोकतंत्र और मानवता का पालन सभ्य समाज में शासन की न्यूनतम शर्त है। जो राजधर्म नहीं निभा सकता, वह न तो समाज का कल्याण कर सकता है, न ही देश का। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा का ये बयान तब सामने आया है, जब मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित रूप से हिंसा में शामिल एक व्यक्ति के घर को कुछ दिन पहले गिरा दिया गया है।दरअसल संत रामगिरी महाराज की टिप्पणी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर हिंसा में शामिल शख्स का घर गुरुवार को ध्वस्त कर दिया गया। रामगिरी महाराज ने कुछ दिन पहले महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर इस्लाम के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। मुस्लिम समुदाय के सदस्यों ने बुधवार को एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया था, लेकिन यह हिंसा में बदल गया, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए और कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। इस मामले में एक अधिकारी ने बताया कि कोतवाली पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत शहजाद अली का घर ध्वस्त कर दिया गया। हमने बुधवार को हुई हिंसा के लिए 150 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इसमें 46 लोग नामजद हैं।

भाजपा को तेजस्वी की सीधी चुनौती, मेरा भ्रष्टाचार बता दे कोई

पटना, 24 अगस्त। भ्रष्टाचार पर बिहार में सियासत शुरू हो चुकी है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के बयान तेजस्वी यादव ने पलटवार किया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने 18 महीना उप मुख्यमंत्री रहे हमने किस चीज का भ्रष्टाचार किया वह लोग बताएं ना। 17 साल से बैठे हो आपलोगों को पता नहीं है कि हमने क्या भ्रष्टाचार किया है? पहले यह तो बता दें। जो अपराधी है, जो भ्रष्टाचारी है, उनको यह लोगों के संरक्षण देते हैं। बता दें कि दिलीप जायसवाल ने कहा है कि मंदिर में आकर तेजस्वी यादव कसम खाएं कि हमने भ्रष्टाचार नहीं किया है। इसके बाद पत्रकारों ने तेजस्वी यादव से यह सवाल किया तो उन्होंने भाजपा को सीधी चुनौती दी और पूछा कि आप बता दो मेरा कब और क्या भ्रष्टाचार किया। पटना में तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार में चुनिंदा मंत्री है उनका सुरक्षा बढ़ाया जा रहा है। मंत्री सरवन कुमार को सुरक्षा क्यों नहीं दिया गया? मंत्री रत्नेश सदा को सुरक्षा क्यों नहीं दिया गया? मंत्री जमा खान को सुरक्षा क्यों नहीं दिया गया? तेजस्वी यादव ने कहा कि जिस तरीके से मंत्रियों को सुरक्षा दी जा रही है इसे साबित हो गया है कि मंत्री भी बिहार में सुरक्षित नहीं है और इससे साबित हो गया है कि कानून व्यवस्था खराब है।जो भाजपा के सामने झुकेगा उसे जी प्लस सुरक्षा मिलेगा, उसे मंत्री बना दिया जाएगा उसे आयोग का अध्यक्ष बना दिया जाएगा। उसे मलाईदार जगह पर भेज दिया जाएगा। उसे गवर्नर बना दिया जाएगा। जो नहीं झुकेगा उसे पर कार्रवाई की जाएगी तेजस्वी यादव ने कहा कि जो आंकड़े सामने आए हैं, उसमें बेरोजगारी में नंबर वन है। महंगाई में नंबर वन है।

वायनाड भूस्खलन मानवीय उदासीनता और लालच पर प्रकृति के पलटवार का उदाहरण: केरल हाईकोर्ट

नरेश मल्होत्रा

वायनाड (केरल), 24 अगस्त। केरल के वायनाड जिले में पिछले महीने मेप्पाडी के पास विभिन्न पहाड़ी इलाकों में आए भूस्खलन ने भारी तबाही मचा दी थी। इस प्राकृतिक आपदा के कारण सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। अब इस घटना पर केरल हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। अदालत का कहना है कि 200 से अधिक लोगों की जान चली जाने की घटना मानवीय उदासीनता और लालच पर प्रकृति के पलटवार का उदाहरण है। हाईकोर्ट ने कहा कि बहुत समय पहले ही चेतावनी के संकेत मिल गए थे, लेकिन हमने विकास के एजेंडे को पूरा करने के लिए उसे नजरअंदाज करना सही समझा। ऐसा मानना था कि यह विकास हमारे राज्य को आर्थिक समृद्धि की ऊंची राह पर ले जाएगा। अदालत ने आगे कहा कि साल 2018 और 2019 में आईं प्राकृतिक आपदाएं, लगभग दो साल तक बनी रहने वाली कोविड महामारी और हाल ही में हुई भूस्खलन की घटना हमारी गलतियों को दिखाता है। न्यायमूर्ति एके जयशंकरन नांबियार और न्यायमूर्ति श्याम कुमार वीएम की पीठ ने वायनाड में 30 जुलाई को भूस्खलन के बाद अदालत द्वारा खुद शुरू की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, अगर हम अपने तरीके में सुधार नहीं लाए और सकारात्मक उपचारात्मक कार्रवाई नहीं की तो शायद बहुत देर हो जाएगी। पीठ ने 23 अगस्त के अपने आदेश में कहा कि न्यायालय ने स्वत- संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका शुरू की थी, ताकि राज्य सरकार को केरल राज्य में सतत विकास के लिए अपनी वर्तमान धारणाओं पर आत्मनिरीक्षण करने तथा इस संबंध में अपनी नीति पर पुनर्विचार करने के लिए राजी किया जा सके। अदालत ने कहा कि न्यायालय प्राकृतिक संसाधनों के दोहन, पर्यावरण, वन और वन्यजीवों के संरक्षण, प्राकृतिक आपदाओं के निवारण, प्रबंधन और न्यूनीकरण और सतत विकास लक्ष्यों के संबंध में राज्य की मौजूदा नीतियों का जायजा लेगा। इसके अलावा कोर्ट ने उन चरणों पर भी प्रकाश डाला, जिससे वह जनहित याचिका के लक्ष्यों को हासिल कर सकती है। हाईकोर्ट ने कहा कि यह तीन चरणों से आगे बढ़ेगा। सबसे पहले राज्य में पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने के तरीके के बारे में वैज्ञानिक डाटा एकत्र करने पर केंद्रित होगा। उसके बाद उन्हें जिलेवार पहचानने और अधिसूचित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। पीठ ने यह भी कहा कि हम वायनाड जिले में बचाव, पुनर्वास और पुनर्निर्माण प्रयासों की साप्ताहिक आधार पर निगरानी करेंगे। पीठ ने केंद्र और केरल सरकार को हलफनामा दाखिल कर यह स्पष्ट करने का भी निर्देश दिया है कि क्या राज्य में हुई प्राकृतिक आपदाओं के मद्देनजर वे आपदा प्रबंधन अधिनियम (डीएमए) 2005 के तहत विषय विशेषज्ञों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव रखते हैं। अदालत ने उनसे यह स्पष्ट करने को भी कहा कि क्या डीएमए के तहत जिन सलाहकार समितियों पर विचार किया गया है, वे राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर गठित की गई हैं और यदि हां, तो उक्त पैनलों की संरचना क्या है और साथ ही डीएमए के अनुसार राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर तैयार आपदा प्रबंधन योजनाओं का विवरण क्या है। साथ में उक्त योजनाओं के बारे में नई जानकारी देने को कहा है। इनके अलावा, केंद्र और केरल सरकार को संबंधित आपदा प्रबंधन योजनाओं में निर्धारित गतिविधियों और कार्यक्रमों को पूरा करने के लिए आवंटित धन का विवरण और केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में विवरण भी बताना होगा। प्रदेश में लागू भवन नियमावली में भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की सूची भी जमा करानी होगी। अदालत ने उन्हें इन विवरणों के साथ हलफनामा दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया है।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल समेत सात का पॉलीग्राफ टेस्ट

कोलकाता, 24 अगस्त। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष समेत कुल सात लोगों का पॉलीग्राफ टेस्ट शनिवार को कराया जा रहा है। संदीप घोष के अलावा दुष्कर्म के आरोपी संजय रॉय और मेडिकल कॉलेज के चार अन्य डॉक्टर्स का भी पॉलीग्राफ टेस्ट कराया जा रहा है। साथ ही अस्पताल के एक सिविल वॉलंटियर का भी पॉलीग्राफ टेस्ट कराया जा रहा है। महिला डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की भूमिका संदिग्ध है। सीबीआई द्वारा बीते हफ्ते भर से ज्यादा समय से लगातार संदीप घोष से पूछताछ की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पूछताछ के दौरान संदीप घोष के बयानों में विरोधाभास है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने भी अपनी सुनवाई के दौरान संदीप घोष की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठाए थे। यही वजह है कि संदीप घोष सीबीआई की जांच के रडार पर हैं। सीबीआई ने अदालत में अर्जी देकर संदीप घोष, आरोपी संजय रॉय और चार अन्य डॉक्टर्स और एक सिविल वॉलंटियर का पॉलीग्राफ टेस्ट कराने की मंजूरी मांगी थी, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया था। अदालत की मंजूरी के बाद शनिवार को सभी का पॉलीग्राफ टेस्ट कराया जा रहा है। गौरतलब है कि संदीप घोष के अलावा जिन चार अन्य डॉक्टर्स का पॉलीग्राफ टेस्ट कराया जा रहा है, उन्होंने ही मृतका के साथ घटना वाली रात डिनर किया था। आरोपी संजय रॉय का जेल में ही पॉलीग्राफ टेस्ट कराया जा रहा है। बाकी अन्य का पॉलीग्राफ टेस्ट सीबीआई कार्यालय में कराया जा रहा है। पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए विशेषज्ञों की एक टीम नई दिल्ली स्थित सेंट्रल फोरेंसिक साइंस लेबोरेट्री से कोलकाता पहुंची है।

आईएईए प्रमुख ग्रॉसी कुर्स्क परमाणु ऊर्जा संयंत्र का दौरा करेंगे

एजेंसी

मॉस्को। रूस की एक जेल में सुरक्षाकर्मियों को कैदियों ने बंधक बना लिया और 'इस्लामिक स्टेट' संगठन के प्रति अपनी निष्ठा का दावा किया। इस हिंसा में चार से अधिक लोग घायल हो गए। यह जानकारी रूसी समाचार की रिपोर्ट में सामने आई है।मॉस्को से 860 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित सुरोविकिनो की जेल में यह हिंसा हुई है, बंधक बनाए गए लोगों या पकड़े गए लोगों की संख्या के बारे में भी जानकारी नहीं दी गई है। वहीं, एक वीडियो में घटनास्थल और वारदात की जानकारी सामने आई है, इसमें कुछ लोग जेल के अंदर और परिसर में चाकू लिए हुए दिखाई दे रहे हैं तथा गार्ड की वर्दी पहने हुए कुछ लोग जमीन पर खून से लथपथ पड़े हुए हैं।

सरकारी समाचार एजेंसी तास ने बताया कि चार पीड़ितों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और उनमें से दो की हालत गंभीर है। टेलीग्राम संदेश चैनलों पर अपुष्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि एक या दो लोगों की मौत हुई है। प्राधिकारियों ने जेल की ओर जाने वाली सड़क को बंद कर दिया तथा हिंसा को रोकने के लिए अधिकारियों को भेजा है।

ईरान ने आइएस के 14 आतंकियों को किया गिरफ्तार

तेहरान। ईरान के खुफिया मंत्रालय ने कहा कि आतंकवाद विरोधी बलों ने देश के चार प्रांतों से आइएस के 14 आतंकियों को गिरफ्तार किया है। मंत्रालय ने कहा है कि आतंकवादी पिछले कुछ दिनों में अभियानों को अंजाम देने के प्रयास में अवैध रूप से ईरान में दाखिल हुए थे।

आतंकवादियों का नेतृत्व आइएस खुरासान समूह कर रहा था। आतंकवादियों को तेहरान, अल्बोर्ज, फार्स और खुजेस्तान प्रांतों में गिरफ्तार किया गया है। जिनमें से आधे को अकेले फार्स से पकड़े गए हैं। जांच और पूछताछ के संबंध में बाद में जानकारी दी जाएगी। आइएस-खुरासान समूह आइएस की एक क्षेत्रीय शाखा है, जो दक्षिण-मध्य एशिया, मुख्य रूप से अफगानिस्तान और पाकिस्तान में सक्रिय है।

रूस में जेल कर्मचारियों को बंधक बनाने वाले कैदियों को सुरक्षाकर्मियों ने किया ढेर

मास्को । रूस की एक जेल में कैदियों द्वारा जेल स्टाफ को बंधक बनाने की घटना में सुरक्षा कर्मियों ने चार कैदियों की मार गिराया है। हालांकि इस घटना में बंधक 12 लोगों में से चार जेल स्टाफ कर्मचारियों की भी मौत हो गई। रूसी संघीय दंड सेवा (एफएसआईएन) के एक बयान में यह जानकारी दी गई। समाचार एजेंसी के मुताबिक रूस की सबसे सुरक्षित जेलों में से एक आईके-19 में चार कैदियों ने आठ कर्मचारियों और चार अन्य कैदियों सहित कुल 12 लोगों को बंधक बना लिया था। समाचार एजेंसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अपराधियों ने चार कर्मचारियों चाकू से कई बार वार किया, इन हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई। इस हमले में चार अन्य लोगों को भी गंभीर चोटें आईं, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इसके बाद अस्पताल में भी एक व्यक्ति की मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या चार हो गई। इसके बाद जेल कर्मचारियों और रूसी नेशन सिक्योरिटी गार्ड्स ने एक विशेष अभियान चलाकर चारों अपराधियों को मार गिराया। रूसी जांच समिति ने इस पूरी घटना में आपराधिक मामले के तहत जांच शुरू कर दी है।

जर्मनी के सोलिंगन शहर में फेस्टिवल के दौरान चाकूबाजी, तीन की मौत

बर्लिन । जर्मनी के सोलिंगन शहर में चाकूबाजी की घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, चाकूबाजी की घटना रात को हुई, जब सोलिंगन शहर की स्थापना की 650वीं वर्षगांठ मनाई जा रही थी। समाचार एजेंसी ने जर्मन मीडिया के हवाले से बताया कि रात को सोलिंगन में एक उत्सव चल रहा था। रात करीब 10 बजे एक व्यक्ति ने समारोह में शामिल लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। मीडिया के अनुसार, चाकूबाजी की घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बताया जा रहा है कि इस समारोह में करीब 80,000 लोग मौजूद थे। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। इसके बाद जर्मनी पुलिस ने अलर्ट जारी किया। पुलिस ने समारोह को तुरंत रद्द कर दिया गया और लोगों से घर जाने की अपील की। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस घटना के बाद से अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। फिलहाल घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। साथ ही पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इस घटना को क्यों अंजाम दिया गया।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने हौथी के तीन ड्रोनों को मार गिराया

सना । अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि लाल सागर में उसके नौसैनिक बलों ने यमन में हौथी समूह द्वारा लॉन्च किए गए यम से भरे तीन ड्रोन को गिरा दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया, "पिछले 24 घंटों में, अमेरिकी सेंट्रल कमांड बलों ने लाल सागर के ऊपर दो ईरानी समर्थित हौथी के मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) और यमन के हौथी-नियंत्रित क्षेत्र में एक यूएवी को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ये यूएवी अमेरिका और गठबंधन बलों और क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों के लिए एक स्पष्ट तौर पर खतरा थे।

बांग्लादेश के 11 जिलों में बाढ़ से हालात बदतर, 44 लाख लोग फंसे

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के 11 जिलों में बाढ़ से हालात बदतर हो गए हैं। कुमिला और चट्टोग्राम में तो गुमती और हल्दा नदियों के तटबंधों के कुछ हिस्से बह गए। कमिला और चट्टोग्राम सहित 11 जिलों में 44 लाख लोग फंसे हुए हैं। इस जल आपदा में इन जिलों में 15 लोगों की मौत हो गई।आपदा प्रबंधन मंत्रालय के सहायक सचिव हसन अली ने कहा है कि कमिला में चार, चटोग्राम में चार, फेनी में एक, नोआखाली में एक, ब्राह्मणबारिया में एक, लक्ष्मीपुर में एक और कॉक्स बाजार में तीन लोगों की मौत हो गई। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र द डेली स्टार ने यह जानकारी दी है। इस अखबार के अनुसार, बांग्लादेश में बाढ़ पूर्वानुमान केंद्र के एक बुलेटिन में कहा गया है कि जैसे ही कमिला, ब्राह्मणबारिया, फेनी और भारत के त्रिपुरा में बारिश रुकी, नदियों का जलस्तर कुछ कम हो गया। केंद्र के कार्यकारी अभियंता सरदार उदय रायहान का कहना है कि लेकिन सात नदियां अभी भी खतरे के निशान से

ऊपर बह रही हैं। फेनी में संकट सबसे गंभीर है। हजारों लोगों को मोबाइल फोन काम नहीं कर रहे। फेनी में 94 प्रतिशत से अधिक मोबाइल टावर खराब हो गए हैं। दूरसंचार नियामक ने कहा है कि 12 जिलों में 1,807 टावर खराब हो गए। आपदा प्रबंधन मंत्रालय के सचिव कमरुल हसन ने संवाददाताओं से कहा कि विभिन्न जिलों के 77 उप जिले लगभग जलमग्न हो गए हैं। कुमिल्ला के बुरिचांग में गुमती नदी पर तटबंध ढह जाने से लगभग पांच लाख लोग फंस गए।

म्यांमा में दो स्वतंत्र पत्रकारों की सेना की छापेमारी में हत्या

एजेंसी

बैंकॉक। म्यांमा में दो स्वतंत्र पत्रकारों की सेना की छापेमारी के दौरान हत्या कर दी गई। इसकी जानकारी मारे गए पत्रकारों के साथियों और मीडिया से सामने आयी है। एक पत्रकार की हत्या दक्षिणी राज्य मोन में स्थित घर पर सुरक्षा बलों के छापा मारने के बाद बंधक बनाए जाने के दौरान हुई।

मारे गए पत्रकारों की पहचान डेमोक्रेटिक वॉइस ऑफ बर्मा (डीवीबी) के लिए स्वतंत्र रूप से काम करने वाले विन हतुत (26) और हतेत म्यात तू (28) के रूप में हुई है। फरवरी 2021 में आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार का तख्तापलट करके सत्ता पर काबिज होने वाली सेना के सुरक्षा बलों के हाथों पत्रकारों की हत्या का यह सबसे ताजा मामला है। पत्रकारों की हत्याओं व गिरफ्तारियों की जानकारी रखने वाले मीडियाकर्मियों के अनुसार कम से कम पांच अन्य मीडियाकर्मियों की हत्या कर दी गई है और कई अन्य को हिरासत में लेकर प्रताड़ित किया गया है। डीवीबी की

सिटीजन जर्नलिस्ट नेटवर्क कार्यक्रम के प्रमुख खिन युपर ने बताया कि मोन राज्य के क्याखतो क्षेत्र के लेट्पया गांव में हतेत म्यात तू के घर पर बुधवार सुबह नौ बजे सुरक्षा बलों ने छापा मारा था। उस समय क्योंकि रिवोल्यूशन फोर्स से जुड़े उनके दोस्त उनसे मिलने आ रहे थे। क्योंकि रिवोल्यूशन फोर्स सैन्य शासन का विरोध करने के लिए गठित कई स्थानीय सशस्त्र प्रतिरोध बलों में से एक है। उन्होंने कहा कि जुलाई से घर में रह रहे विन हतुत और प्रतिरोध समूह के एक सदस्य की छापे के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई, और एक अन्य गुरिल्ला और हतेत म्यात तू को सैनिकों द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद मार दिया गया।

नेपाल बस हादसे में 41 की मौत

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में पोखरा से भारतीय पर्यटकों को लेकर काठमांडू लौट रही गोरखपुर की बस के मर्स्यांगदी नदी में गिर जाने से हुए हादसे में 41 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इस बस में लगभग 43 भारतीय सवार थे।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यालय ने जानकारी दी है कि इस हादसे में मारे गए 24 लोगों के शव शनिवार को महाराष्ट्र वापस लाए जाएंगे।

महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन ने कहा है कि नेपाल में बस के नदी में गिरने से 41 लोगों की मौत हो गई है। नेपाल की सेना ने कुछ लोगों को

अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने कहा है कि हमारे पास सटीक आंकड़ा नहीं है। हम लगातार संपर्क में हैं। ताया गया है कि यात्रियों से भरी बस पोखरा से काठमांडू लौट रही थी। बस तनहुन जिले के आइना पहारा में राजमार्ग से नदी पर पलट गई। 16 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 11 ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अन्य घायलों को हवाई मार्ग से काठमांडू लाकर त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस हादसे में हताहत अनेक लोग महाराष्ट्र के जलगांव जिले के भुसल गांव के बताए गए हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे के कार्यालय ने बताया है कि 24 शवों को भारतीय वायुसेना के विमान से शनिवार को महाराष्ट्र लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हस्तक्षेप के कारण भारतीय वायु सेना के विमान की व्यवस्था हो सकी।

यूक्रेन-रूस युद्ध के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है भारत : जेलेंस्की

एजेंसी

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बाद कहा है कि भारत यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध समाप्त कराने के वैश्विक कूटनीतिक प्रयासों में एक 'महत्वपूर्ण' भूमिका निभा सकता है।

जेलेंस्की ने कहा कि वह भारत की यात्रा करने को लेकर उत्सुक हैं। यूक्रेन की यात्रा पर आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां द्विपक्षीय वार्ता के दौरान जेलेंस्की को भारत यात्रा का निमंत्रण दिया, जिसके बाद उन्होंने यह टिप्पणी की। द्विपक्षीय वार्ता के बाद भारतीय मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए जेलेंस्की ने कहा, 'मोदी की यात्रा ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि भारत को यूक्रेन का साथ देने की जरूरत है, न कि अमेरिका और रूस के बीच संतुलन साधने की।मोदी की यूक्रेन की लगभग नौ घंटे की यात्रा, 1991 में यूक्रेन की स्वतंत्रता के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी। यह यात्रा, जुलाई में मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ शिखर वार्ता के छह सप्ताह बाद हुई है।

जेलेंस्की ने कहा, 'जब आप रणनीतिक साझेदारी, कुछ बातचीत शुरू करते हैं, तो आपको समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। इसलिए

मुझे लगता है कि फिर से मुलाकात करना अच्छा रहेगा, और अगर हमारी बैठक भारत में होगी, तो मुझे खुशी होगी। उन्होंने कहा, 'मुझे काफी उम्मीद है कि आपका देश हमारे पक्ष में रहे। जेलेंस्की ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी, पुतिन के मुकाबले शांति के ज्यादा समर्थक हैं। समस्या यह है कि पुतिन (शांति) नहीं चाहते।

प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर कीव से प्रस्थान किया

एजेंसी

कीव। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यूक्रेन की लगभग सात-आठ घंटे की ऐतिहासिक यात्रा के बाद राजधानी कीव से रात गन्तव्य के लिए प्रस्थान कर गए। कीव से नई दिल्ली की हवाई दूरी लगभग 4540 किलोमीटर है और उड़ान का समय 6 घंटे 55 मिनट है। यह दौरा इस मायने में खास रहा कि यूक्रेन की आजादी के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली कीव यात्रा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इस बात को माना है कि भारत अपना रुख बदल दे तो रूस से जंग खत्म हो सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कीव से रवानगी से पहले रूस और यूक्रेन को बातचीत की मेज पर आने का प्रस्ताव दिया। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा रूस की यात्रा के ठीक छह हफ्ते बाद हुई है। मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से भी बातचीत के जरिये युद्ध में शांति लाने की अपील की थी। अब माना जा रहा है कि उनकी अपील पर दोनों देश बातचीत की दहलीज तक पहुंच सकते हैं।

भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने कल कीव में स्कूल ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में हिन्दी भाषा सीख रहे यूक्रेनी विद्यार्थियों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने छात्रों की मेधाविता और दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने में उनके योगदान की सराहना की। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन सरकार को चार 'भीष्म (सहयोग, हित और मैत्री के लिए भारत स्वास्थ्य पहल) क्यूब्स' की सौगात दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मानवीय सहायता के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया। 'भीष्म क्यूब्स' से घायलों के शीघ्र उपचार में काफी मदद मिलेगी और इसके साथ ही अनमोल जीवन बचाने में काफी योगदान मिलेगा।

हस्ताक्षर किए गए दस्तावेजों की सूची

1-कृषि और खाद्य उद्योग के क्षेत्र में सहयोग पर भारत गणराज्य सरकार और यूक्रेन सरकार के बीच समझौता।

इसका उद्देश्य-सूचना के आदान-प्रदान, संयुक्त वैज्ञानिक अनुसंधान, अनुभव के आदान-प्रदान, कृषि अनुसंधान में सहयोग, संयुक्त कार्य समूहों के निर्माण आदि क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देकर कृषि और खाद्य उद्योग के क्षेत्र में पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग का विस्तार करना है।

2-चिकित्सा उत्पाद विनियमन के क्षेत्र में सहयोग पर केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और यूक्रेन की औषधि एवं औषधि नियंत्रण राज्य सेवा के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू)।

इसका उद्देश्य-इसमें मुख्य रूप से सूचना के आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण और आपसी यात्राओं के माध्यम से विनियमन, सुरक्षा और गुणवत्ता पहलुओं में सुधार सहित चिकित्सा उत्पादों पर सहयोग की परिकल्पना की गई है।

3-उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए भारतीय मानवीय अनुदान सहायता के संबंध में भारत गणराज्य सरकार और यूक्रेन के मंत्रिमंडल के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू)।

इसका उद्देश्य-यह समझौता ज्ञापन भारत द्वारा यूक्रेन में सामुदायिक विकास परियोजनाओं के लिए अनुदान सहायता प्रदान करने के लिए रूपरेखा तैयार करता है। एचआईसीडीपी के तहत परियोजनाएं यूक्रेन के लोगों के लाभ के लिए यूक्रेन सरकार के साथ साझेदारी में शुरू की जाएंगी।

4-भारत गणराज्य सरकार के संस्कृति मंत्रालय और यूक्रेन के संस्कृति और सूचना नीति मंत्रालय के बीच वर्ष 2024-2028 के लिए सांस्कृतिक सहयोग कार्यक्रम।

इसका उद्देश्य- भारत और यूक्रेन के बीच सांस्कृतिक सहयोग को मजबूत करना है, जिसमें रंगमंच, संगीत, ललित कला, साहित्य, पुस्तकालय और संग्रहालय कार्य के क्षेत्र में सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देना, साथ ही मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन करना शामिल है।

सिंगापुर में एमपॉक्स प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले लोगों पर कड़ी निगरानी

एजेंसी

सिंगापुर। स्वास्थ्य मंत्रालय (एमओएच) की ओर से आए एक बयान के अनुसार सिंगापुर में एमपॉक्स प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के लिए हवाई अड्डों और समुद्री चेक प्वाइंट पर टेंपरेचर जांच और विजुअल स्कैनिंग की व्यवस्था की गई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्रालय ने यात्रियों से हवाई अड्डे चेकप्वाइंट पर स्वास्थ्य संबंधी सलाह का पालन करने और संक्रमण से बचने के लिए आवश्यक व्यक्तिगत सावधानी बरतने को कहा है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, सिंगापुर पहुंचने से पहले सभी यात्रियों को एमपॉक्स से संबंधित लक्षण और यात्रा इतिहास की जानकारी देनी होगी। बुखार, दाने या एमपॉक्स से मिलते-जुलते लक्षण वाले लोगों को चिकित्सा जांच के लिए भेजा जाएगा। सिंगापुर ने गुरुवार तक इस साल एमपॉक्स के 13 मामलों की पुष्टि की है। एक बयान में स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से कहा गया, स्वास्थ्य मंत्रालय, परिवहन मंत्रालय और इमिग्रेशन और चेकपॉइंट्स अथॉरिटी हमारी सीमाओं पर एमपॉक्स के खिलाफ हमारी निगरानी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एहतियाती उपाय लागू करेंगे। वर्तमान में, सिंगापुर से एमपॉक्स प्रकोप वाले देश के बीच कोई भी सीधी उड़ान नहीं है।

भारत में इजराइल के नए राजदूत ने दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने की कही बात

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में इजराइल के नए राजदूत रूवेन अजार ने कहा कि वह भारत और इजराइल के बीच संबंध को और गहरा करने के लिए काम करेंगे। एक्स पर एक वीडियो पोस्ट में अजार ने कहा, 'मैं भारत में इजराइल का नया राजदूत बनकर बहुत खुश हूं। मैं अपने सहयोगियों के साथ मिलकर दोनों देशों के बीच 'अद्वितीय' संबंधों को बढ़ावा देने के लिए काम करूंगा। दोनों देश प्राचीन हैं और दोनों देश समृद्ध संस्कृति और उज्ज्वल भविष्य रखते हैं। मैं कार्यभार संभालने से खुश हूं।'

इजराइली सरकार ने पिछले साल दिसंबर में भारत में नए राजदूत के रूप में रूवेन अजार की नियुक्ति को मंजूरी दी थी। इजराइली राजनयिक ने विदेश मंत्रालय (एमईए) में प्रोटोकॉल के प्रमुख को अपना परिचय पत्र प्रस्तुत किया और कहा कि वह 'दो महान देशों' के बीच मजबूत संबंधों और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए तत्पर हैं। अजार ने पहले विदेश मंत्रालय में इजराइल-अमेरिका-चीन आंतरिक टास्क फोर्स के प्रमुख

और इजराइल के प्रधानमंत्री के विदेश नीति सलाहकार के रूप में कार्य किया है। भारत ने इजराइली दूतावास ने नए राजदूत के आगमन के बाद कहा, हम आपको अद्भुत भारत में इस नई और रोमांचक यात्रा के लिए शुभकामनाएं देते हैं। हमें यकीन है कि आप भारत-इजराइल साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। भारत और इजराइल रणनीतिक साझेदार हैं तथा उनके बीच मधुर द्विपक्षीय राजनीतिक संबंध हैं। पिछले वर्ष, दोनों देशों ने संयुक्त रूप से द्विपक्षीय संबंधों के पूर्ण राजनयिक संबंधों तक पहुंचने की 30वीं वर्षगांठ मनाई थी।

पाकिस्तान में इस वर्ष पोलियो का 16वां मामला आया सामने

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक बच्चे के लकवाग्रस्त होने के बाद पोलियो वायरस का एक और मामला सामने आया है। इससे 2024 में देश में पोलियो वायरस से पीड़ितों की संख्या बढ़कर 16 हो गई। एक अधिकारी ने मीडिया को यह जानकारी दी।

इस्लामाबाद स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) में पोलियो उन्मूलन के लिए क्षेत्रीय संदर्भ प्रयोगशाला के एक अधिकारी ने बताया कि प्रांत के हैदराबाद जिले की 29 महीने की एक बच्ची में जंगली पोलियो वायरस टाइप-1 (डब्ल्यूपीवी1) की पुष्टि हुई है।

अधिकारी के अनुसार, इस वर्ष अब तक पाकिस्तान में 62 जिलों में पोलियो वायरस के लक्षण पाए गए हैं, जबकि पिछले वर्ष 28 जिलों में ये लक्षण पाए गए थे।

एनआईएच अधिकारी ने कहा, यह हैदराबाद में पोलियो का पहला मामला है, सिंध में तीसरा और इस वर्ष पाकिस्तान में 16वां मामला है।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष दक्षिण-

पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में 12 मामले, सिंध में तीन और पूर्वी पंजाब प्रांत में एक मामला सामने आया है।

पोलियो उन्मूलन के लिए प्रधानमंत्री की फोकल पर्सन आयशा रजा फारूक ने कहा, ताजा मामला एक स्पष्ट संकेत है कि जब तक हम अपने देश से इस वायरस को खत्म नहीं कर देते, तब तक कहीं भी कोई भी बच्चा इसके प्रभाव से सुरक्षित नहीं है।

उन्होंने कहा कि चार महीनों से हैदराबाद के सीवेज नमूनों में डब्ल्यूपीवी1 की रिपोर्ट मिल रही है, इससे देश में पोलियो के फैलने का खतरा बना हुआ है।

उन्होंने कहा, हम वायरस के प्रसार को रोकने के लिए आपातकालीन स्तर पर काम कर रहे हैं। देश में 9 सितंबर से बड़े पैमाने पर पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा।

इस बीच, पोलियो उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय आपातकालीन संचालन केंद्र के समन्वयक मुहम्मद अनवर-उल-हक ने कहा कि वायरस की उत्पत्ति की पहचान करने और बच्चों के टीकाकरण के लिए गहन जांच की जा रही है।उन्होंने कहा, पोलियो वायरस कराची और हैदराबाद के निकटवर्ती जिलों में कई महीनों से फैल रहा है। हम बच्चों की प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए 9 सितंबर से सभी प्रभावित जिलों में टीकाकरण अभियान शुरू करेंगे।

गौरतलब है कि विकसित देशों में पोलियो खत्म हो चुका है लेकिन भारत, नाइजीरिया, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में यह अभी भी बना हुआ है। कई पाकिस्तानी, विशेष रूप से रूढ़िवादी व आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले, पोलियो टीकाकरण को एक पश्चिमी अभियान मानते हैं। इसका उद्देश्य देश की आबादी को स्टरलाइज करना है।2012 में तालिबान ने कुछ आदिवासी जिलों में पोलियो के खिलाफ टीकाकरण पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया।

इस साल टीकाकरण अभियान में सुरक्षा ड्यूटी के दौरान लगभग एक दर्जन पुलिसकर्मी मारे गए हैं।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

थाई विमान दुर्घटना में 5 चीनी यात्रियों सहित सभी 9 लोगों के मारे जाने की आशंका

एजेंसी

बैंकॉक । थाईलैंड के चाचोएंगसाओ में दुर्घटनास्थल पर बचाव दल को कोई भी जीवित व्यक्ति नहीं मिला है। एक छोटे विमान में सवार सभी नौ लोगों के मारे जाने की आशंका है।

पीड़ितों में पांच चीनी यात्री, झांग जिनजिंग (12), झांग जिंग (43), तांग यू (42), विन जिनफेंग (45) और विन हैंग (13) हैं। थाई चालक दल के सदस्यों की पहचान फ्लाइट अटेंडेंट नेपाक जिरासिरी (35) और सिरियुपा अरुणाडिट (26) के रूप में की गई है। पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट अनुचा डेचापिराचोन (61) और सह-पायलट पोर्नसाक तीताब (30) थे। स्थानीय मीडिया ने इसकी सूचना दी।

बैंकॉक पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, थाई फ्लाइंग सर्विस सेसना कारवां सी208 (एचएस-एसकेआर) गुरुवार को सुवर्णभूमि हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में नौ लोग सवार थे, जिसका दोपहर करीब 3 बजे सुवर्णभूमि नियंत्रण टावर से संपर्क

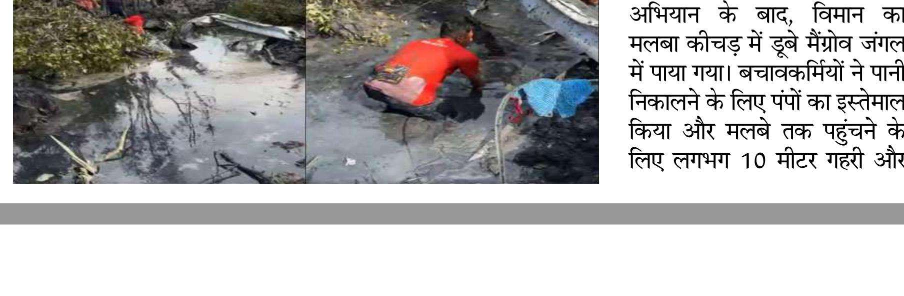

टूट गया। स्थानीय समय के अनुसार यह दुर्घटना चाचोएंगसाओ के बंग पाकोंग जिले में दोपहर 3:18 बजे हुई। 11 घंटे के तलाशी अभियान के बाद, विमान का मलबा कीचड़ में डूबे मैंग्रोव जंगल में पाया गया। बचावकर्मियों ने पानी निकालने के लिए पंपों का इस्तेमाल किया और मलबे तक पहुंचने के लिए लगभग 10 मीटर गहरी और आठ मीटर चौड़ी मिट्टी खोदी। तलाशी के दौरान कई मानव शरीर के अंग भी बरामद किए गये।

चाचोएंगसाओ के गवर्नर चोनलाटी यांगट्रोंग ने विमान हादसे में सवार सभी नौ लोग के मारे जाने की पुष्टि की है। गवर्नर चोनलाटी यांगट्रोंग ने कहा, विमान में सवार सभी लोगों को मृत पाया गया है। अधिकारी विमान दुर्घटना के कारण की जांच कर रहे हैं। इससे पहले गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा था कि अधिकारियों को कई मानव अवशेष मिले हैं। कीचड़ भरे इलाके के चलते बचाव दल का काम कठिन हो गया है। गवर्नर ने यह भी कहा कि चार्टर विमान सीधे नीचे गिरा, इसलिए अधिकारियों को जमीन में 10 मीटर तक खुदाई करनी पड़ी।

कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस के गठबंधन पर स्मृति ने उठाये सवाल

नई दिल्ली। भाजपा की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) के गठबंधन पर निशाना साधते हुए पूछा है कि क्या सत्ता के लालच में कांग्रेस आरक्षण के विरोध, भ्रष्टाचार, आतंकवाद और अलगाववाद के नेशनल कांफ्रेंस के एजेंडे का समर्थन करती है? भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए स्मृति ईरानी ने आरोप लगाया कि कहा कि कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस ने सत्ता के लालच में गठबंधन किया है। उन्होंने कहा, 'नेशनल कांफ्रेंस ने यह घोषणा की है कि वह जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 दोबारा वापस लाकर जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ देश भर में अशांति का माहौल लाने का दुस्साहस करेगी। क्या कांग्रेस पार्टी, नेशनल कांफ्रेंस के इशारे पर अलगाववाद को बढ़ावा देने का समर्थन करती है? उन्होंने कहा कि अनुच्छेद-370 हटने के बाद भारत ने और भारतीयों ने अपने राष्ट्रीय संकल्प को पूरा किया कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक 'एक निशान, एक विधान और एक प्रधान' रहेगा। क्या नेशनल कांफ्रेंस के चलते कांग्रेस पार्टी 'अलग झंडे' के वादे का समर्थन करती है? पूर्व केंद्रीय मंत्री ने पूछा कि कांग्रेस बताए कि क्या वह देश को तोड़ने के नेशनल कांफ्रेंस के एजेंडे के साथ खड़ी है? उन्होंने कहा कि इस गठबंधन के जरिए कांग्रेस पार्टी का आरक्षण विरोधी चेहरा सामने आया है। क्या कांग्रेस दलितों, गुज्जर, बकरवाल और पहाड़ियों के आरक्षण को समाप्त कर फिर से उनके साथ अन्याय करने के नेशनल कांफ्रेंस के वादे के साथ है ?

बिरला ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर देशवासियों को दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रथम 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के उपलक्ष्य पर देशवासियों को बधाई दी है। श्री बिरला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमारी विज्ञान शक्ति का अभिवादन। 'उन्होंने कहा कि ठीक साल भर पहले आज ही के दिन भारत के चंद्रयान-3 मिशन ने 23 अगस्त 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र की सतह पर विक्रम लैंडर की सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग पूरी की थी, इसके बाद प्रज्ञान रोवर की सफल तैनाती की गई। जिससे भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में उतरने में पहला देश होने का गौरव हासिल हुआ था। हमारे वैज्ञानिकों के अथक समर्पण और राष्ट्र की सामूहिक शक्ति से आज भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में नये आयाम गढ़ रहा है। श्री बिरला ने कहा, गगनयान मिशन सहित आगामी सभी अंतरिक्ष अभियानों में अपार सफलता प्राप्त करते हुये भारत की अंतरिक्ष गाथा और अधिक उज्ज्वल एवं गौरवशाली हो, मेरी यही शुभकामनायें।

राहुल गांधी ने पालतू कुत्ते के साथ शेयर की अपनी मां सोनिया गांधी की तस्वीर

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी मां सोनिया गांधी की एक तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में सोनिया गांधी अपने पालतू कुत्ते के साथ दिखाई दे रही हैं। तस्वीरों में सोनिया गांधी अपने पालतू कुत्ते के साथ हैं और वह मुस्कुरा रही हैं। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। यूजर्स इसे खूब पसंद कर रहे हैं। लोग सोनिया गांधी और उनके पालतू कुत्ते की तस्वीर की सराहना कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने पिछले साल अपनी मां सोनिया गांधी को ये कुत्ता गिफ्ट किया था। उनके इस कुत्ते का नाम नूरी है। राहुल गांधी ने साल 2023 के अगस्त महीने में गोवा से जैक टेरियर पप्पी नूरी को गोद लिया। उस वक्त नूरी महज तीन महीने की थी। सोनिया गांधी ने इस गिफ्ट के लिए राहुल गांधी को धन्यवाद करते हुए कहा था, बहुत प्यारी है। राहुल गांधी ने जब इस पप्पी का नाम नूरी रखा था, तब उन पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का भी आरोप लगा था। ओवैसी की पार्टी से जुड़े एक नेता मोहम्मद फरहान ने कहा था कि राहुल गांधी ने पप्पी का नूरी नाम रखकर उनकी धार्मिक भावना को आहत किया।

राम द्रोह के बाद अब श्रीकृष्ण द्रोह पर भी उतर आई है कांग्रेस - विहिप

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर मध्य प्रदेश सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए कांग्रेस पर 'श्रीकृष्ण द्रोह' का आरोप लगाया है। विनोद बंसल ने कहा कि जिहादी तुष्टिकरण की आड़ में कांग्रेस अब राम द्रोह से श्रीकृष्ण द्रोह की तरफ चल पड़ी है। मध्य प्रदेश के उज्जैन में ही श्रीकृष्ण ने शिक्षा ली थी, वहीं कृष्ण-सुदामा का मिलन हुआ था। इसलिए कृष्ण जन्माष्टमी पर मध्य प्रदेश सरकार ने मंदिरों की साफ सफाई, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और श्रीकृष्ण के मित्रता के संदेश को जन-जन तक ले जाने की जो घोषणा की है, वह स्वागत योग्य है। लेकिन इसका स्वागत करने की बजाय ÷कांग्रेस नेता इसकी तुलना मदरसों से कर रहे हैं। कांग्रेस आरोप लगा रही है कि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं से शिक्षण संस्थान बर्बाद हो जाएंगे, यह पूरी तरह से गलत है। विहिप नेता ने आगे कहा कि वैसे तो जिहादी तुष्टिकरण में आकंठ डूबी पार्टी से इससे अधिक उम्मीद भी भला कोई क्या करेगा। लेकिन अब उन कथित जनेऊधारी ब्राह्मण और उनके कुनबे को यह स्पष्ट तो करना ही चाहिए कि क्या वाकई भगवान श्री कृष्ण की शिक्षाएं बर्बादी का मार्ग हैं?

क्या नेशनल कांफ्रेंस के देशविरोधी एजेंडे के साथ है कांग्रेस : शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस के गठबंधन को नापाक, बेमेल और सत्ता स्वार्थ आधारित गठबंधनबताते हुए कहा कि सत्ता के लालच में बार-बार देश की एकता और सुरक्षा के साथ खेलने वाली पार्टियों ने एक बार फिर देश विरोधी वादे करके अपना चरित्र उजागर कर दिया है लेकिन जनता उनके मंसूबों को कामयाब नहीं होने देगी।

श्री शाह ने यहां कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जम्मू-कश्मीर चुनाव में अब्दुल्ला परिवार की 'नेशनल कांफ्रेंस' के साथ गठबंधन करके फिर से अपने मंसूबों को देश के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथ गठबंधन में नेशनल कांफ्रेंस ने अपने घोषणापत्र में कई ऐसे वादे किये हैं जो न केवल देशविरोधी है बल्कि देश की एकता

और अखंडता पर भी सीधा हमला है। भारतवर्ष की महान जनता कांग्रेस और नेशनल कान्फेंस के नापाक मंसूबों एवं देशविरोधी साजिशों को अच्छे तरीके से समझती और वह ऐसे मंसूबों को कभी कामयाब नहीं होने देगी। केंद्रीय मंत्री ने नेशनल कांफ्रेंस के घोषणा पत्र के वादों पर कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी से 10 ज्वलंत सवाल पूछे। उन्होंने कांग्रेस से पहला प्रश्न सीधे-सीधे यह किया कि क्या कांग्रेस 'नेशनल कांफ्रेंस' के जम्मू-कश्मीर में फिर से 'अलग झंडे' के वादे का समर्थन करती है? नेशनल कान्फेंस के घोषणापत्र के पेज नंबर 27 में इस बात का जिक्र किया गया है कि जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस की सरकार बनने पर फिर से अलग झंडे को लाया जाएगा। कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करते हुए उन्होंने दूसरा प्रश्न ये पूछा कि क्या राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी संविधान के अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस लाकर जम्मू-कश्मीर को फिर से अशांति और आतंकवाद के युग में धकेलने के नेशनल कांफ्रेंस के निर्णय का समर्थन करती है? उन्होंने कहा कि नेशनल कान्फेंस के घोषणापत्र के पृष्ठ संख्या 10 और 27 में इसकी मंशा जाहिर करती है। नेशनल कांफ्रेंस ने अपने घोषणापत्र में संसद के विचार को पलटते हुए धारा 370 और 35ए को फिर से लाने का वादा किया है और कांग्रेस ने नेशनल कांफ्रेंस की ऐसी घोषणा के बावजूद उससे गठबंधन किया है। श्री शाह ने कांग्रेस से तीसरा प्रश्न किया कि क्या कांग्रेस कश्मीर के युवाओं के बदले पाकिस्तान के साथ वार्ता करके फिर से अलगाववाद को बढ़ावा देने का समर्थन करती है? नेशनल कान्फेंस के घोषणापत्र के पृष्ठ संख्या 10 पर ही ये वादा भी किया गया है। ये सर्वविदित है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और अलगाववाद ने जम्मू-कश्मीर को अशांत बनाए रखा लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस फिर से जम्मू-कश्मीर में आतंक और अलगाव के उसी दौर का समर्थन कर रही है।

खड़गे-राहुल से मिले कर्नाटक कांग्रेस के नेता

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्नाटक कांग्रेस के नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से यहां मुलाकात की और राज्य में चल रही राजनीतिक स्थिति पर विचार विमर्श किया। बैठक में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया, उपमुख्यमंत्री तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार और प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला शामिल थे। इसके अलावा कांग्रेस महासचिव संगठन के. सी. वेणुगोपाल भी इस दौरान मौजूद थे।

गौरतलब है कि श्री सिद्दारमैया के खिलाफ जमीन से जुड़े एक मामले में राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुकदमा चलाने की अनुमति दी है और भारतीय जनता पार्टी तब से मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने की मांग कर रही है, लेकिन मुख्यमंत्री का कहना है कि कांग्रेस पार्टी तथा मंत्रिमंडल उनके साथ खड़ा है और वह इस्तीफा नहीं देंगे। ऐसा समझा जाता है कि बैठक में प्रदेश कांग्रेस के नेताओं की इस मुद्दे पर भी पार्टी नेतृत्व से चर्चा हुई है।

राजनाथ और लायड ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर व्यापक चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वाशिंगटन में अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के साथ बैठक में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग, औद्योगिक सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा और अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर व्यापक चर्चा की।

अमेरिका की चार दिन की यात्रा पर गए श्री सिंह ने भारत-अमेरिका रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप में पहचाने गए क्षेत्रों में भारत में विभिन्न सह-विकास और सह-उत्पादन के अवसरों पर प्रकाश डाला, जिसे पिछले साल अपनाया गया था। दोनों मंत्रियों ने भारत और अमेरिका के बीच सुरक्षा आपूर्ति व्यवस्था (एसओएसए) के समापन पर खुशी व्यक्त की। वाशिंगटन में कल हस्ताक्षरित एसओएसए दोनों देशों के रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को एक साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है, और आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को बढ़ाता है। उन्होंने संपर्क अधिकारियों की तैनाती के संबंध में भारत और अमेरिका के बीच समझौते के ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का भी स्वागत किया। तदनुसार, भारत अमेरिका के फ्लोरिडा में मुख्यालय विशेष संचालन कमान में पहला संपर्क अधिकारी तैनात करेगा। दोनों मंत्रियों ने क्वाड पहल, इंडो-पैसिफिक मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस के संचालन में हुई प्रगति की सराहना की और हिंद महासागर क्षेत्र में भागीदारों के लिए मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस

बढ़ाने के लिए भारत के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने संयुक्त समुद्री बलों (सीएमएफ) में भारतीय भागीदारी का स्वागत किया और कहा कि भारत 2025 में सीएमएफ के संयुक्त कार्य बल मुख्यालय में भारतीय नौसेना कर्मियों को तैनात करेगा। दोनों नेताओं ने ने दोनों देशों के बीच रक्षा नवाचार सेतु की स्थापना के लिए भारत-अमेरिका रक्षा त्वरण पारिस्थितिकी तंत्र (इंडस एक्स) के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने स्टार्ट-अप, उद्योग, शिक्षा जगत और सरकारों के बीच मजबूत नेटवर्क स्थापित करने, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने में तेजी लाने और दोनों पक्षों की युद्ध-लड़ने की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इंडस-एक्स की सराहना की। सितंबर 2024 में आगामी सिलिकॉन वैली शिखर सम्मेलन में कई प्रमुख पहलों की घोषणाएं होंगी। पेंटागन में बैठक से पहले श्री सिंह ने आर्लिंगटन राष्ट्रीय समारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। रक्षा मंत्री और अमेरिकी रक्षा मंत्री अगले भारत-अमेरिका टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय संवाद में फिर से मिलने के लिए उत्सुक हैं।

निगम में भाजपा और आप की राजनीति का खामियाजा भुगत रहे दिल्लीवासी : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा कि दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओछी राजनीति के कारण राजधानी में सफ़ाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई और मामूली बारिश से लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है।

कांग्रेस के दिल्ली नगर निगम प्रभारी फ़रहाद सूरी और पार्टी के पार्षदों ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में दिल्ली में चरमराई सफ़ाई व्यवस्था के लिए आप और भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। श्री सूरी ने आप और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों दलों की आपसी खींचतान के कारण हर इलाक़े में कूड़े का अंबार लगा हुआ है और उससे उठने वाले दुर्गंध के कारण स्थानीय लोगों का जीना मुहाल हो गया है। आप दिल्ली की सफ़ाई व्यवस्था को लेकर सिर्फ़ आरोप प्रत्यारोप करने में लगी है उन्हें लोगों की कोई चिंता नहीं है। श्री सूरी ने कहा कि नालों की सफ़ाई नहीं होने के कारण मामूली बारिश से दिल्ली में हर तरफ़ पानी भर जाता है जिससे लोगों को निकालना दूभर हो जाता है।उन्होंने कहा कि नालों की सफ़ाई नहीं होना भी राजेंद्र नगर की दुर्भाग्यपूर्ण घटना की एक प्रमुख वजह बनी।

कांग्रेस नेता ने कहा कि निगम की सत्ता में काबिज आप निगम का मुख्य काम साफ सफाई कराने में भी विफल हो गई है। निगम की आप सरकार ने दिल्ली को बदहाल कर दिया है। दिल्ली की साफ सफाई

करने का जिम्मा जिनके कंधों पर है उनके मुख्यालय में ही कई टन कूड़ा महीनों से पड़ा हुआ सड रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यालय के ए-ब्लॉक की बेसमेंट की बी2 पार्किंग में कई टन कूड़ा पडा हुआ है। जिसके घर में ही कई टन कूड़ा सड़ रहा हो उनसे दिल्ली की सफाई की उम्मीद आखिर कैसे की जा सकती है।

श्री सूरी ने बताया कि नगर निगम के उच्चतम न्यायालय के समक्ष एस.सी. मेहता बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया एवं अन्य मामले में एक शपथ पत्र दायर कर कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग 11000 मीट्रिक टन कूड़ा का सृजन होता है। वर्तमान कूड़ा प्रसंस्करण संयत्र की क्षमता केवल लगभग 8000 मिटिक टन प्रतिदिन है जिसमें से 7200 एमटीएस की प्रतिदिन संसाधित किया जा रहा है। शेष लगभग 4 हजार मीटिक टन कूडे को गाजीपुर और भलस्वा डम्प स्थलों पर प्रतिदिन बिना प्रसंस्करण के डम्प किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्थायी समिति के अभाव में पाँच करोड़ रुपयें से अधिक की परियोजनाओं को स्वीकृति नहीं दी जा सकती जिसके परिणामस्वरूप पिछले 18 महीने से सभी परियोजनाएं ठप्प हो गई है। साफ-सफाई और कूडे के निपटान के लिए प्रस्तावित योजनाएं भी स्थायी समिति के गठन के कारण लंबित पडी हुई है। कूड़ा उठाने वाली एजेंसियों का ठेका खत्म हो गया है। एजेंसियां एक्सटेंशन पर काम कर रही है, जिसकी वजह से साफ सफाई का बुरा हाल है।

सिद्दारमैया के साथ है पार्टी एकजुट होकर खड़ी : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत कठपुतली बनकर मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के नेतृत्व वाली चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने का काम कर रहे हैं और पार्टी इसके खिलाफ एकजुट होकर लड़ेगी।

कांग्रेस के कर्नाटक के प्रभारी महासचिव रणदीपसिंह सुरजेवाला, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिव कुमार ने यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस पार्टी मुख्यमंत्री के साथ एकजुट होकर खड़ी है और भाजपा की साजिश के खिलाफ मिलकर लड़ेगी।

पार्टी नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ साजिश चल रही है और कर्नाटक की चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस इसके खिलाफ मजबूती से तथा एकजुट होकर लड़ेगी और इस लड़ाई को जनता की अदालत के साथ ही कानूनी स्तर भी लड़ेगी। उन्होंने इसे केंद्र सरकार द्वारा कर्नाटक की जनता के खिलाफ हमला बताया और कहा कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत केंद्र की कठपुतली बनकर काम कर रहे हैं और चुनी हुई सरकार के खिलाफ साजिश की जा रही है। इसमें केंद्र सरकार के साथ ही जनता दल-एस भी शामिल है और कांग्रेस इसका मजबूती से जवाब देगी। इससे पहले इन नेताओं ने पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल के साथ राज्य की राजनीतिक स्थिति पर विचार विमर्श किया।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के खिलाफ जमीन से जुड़े मामले में राज्यपाल ने मुकदमा चलाने की अनुमति दी है जिसके कारण भाजपा मुख्यमंत्री से इस्तीफा की मांग कर रही है लेकिन कांग्रेस का कहना है कि पार्टी मुख्यमंत्री के साथ खड़ी है इसलिए मुख्यमंत्री इस्तीफा नहीं देंगे।

सेना का यू ए वी तकनीकी खराबी के कारण पाकिस्तानी सीमा में पहुंचा

नई दिल्ली। सेना का एक मानवरहित यान (यू ए वी) तकनीकी खराबी के कारण नियंत्रण से बाहर होकर पाकिस्तानी सीमा में पहुंच गया। सूत्रों के अनुसार जब भारतीय सेना को पता चला कि यह यू ए वी पाकिस्तानी सैनिकों के पास है तो सेना ने पाकिस्तानी सेना को हॉटलाइन से संदेश भेजकर यू ए वी वापस लौटाने को कहा है। सूत्रों ने कहा है कि यह यू ए वी भारतीय सीमा में प्रशिक्षण उडान पर था कि सुबह नौ बजकर 25 मिनट पर तकनीकी खराबी के कारण यह नियंत्रण से बाहर हो गया और भारत के भीम्बर गली सेक्टर के सामने पाकिस्तान के निकियाल सेक्टर में चला गया। रिपोर्टों के जरिये जब सेना को पता चला कि यह पाकिस्तानी सीमा में पाकिस्तानी सैनिकों के पास है तो उसने हॉटलाइन से संदेश भेजकर यू ए वी को लौटाने को कहा है।

जेएनयू प्रशासन के भ्रष्टाचार के विरुद्ध 31 दिनों से धरने पर बैठा एबीवीपी

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) बीते 31 दिनों से जेएनयू इकाई छात्रों की मूलभूत समस्याओं से संबंधित अपनी 11 सूत्री मांगो को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठा है। एबीवीपी पिछले कई महीनों से जेएनयू प्रशासन से छात्रों की मूलभूत समस्याओं (पानी, जर्जर छात्रावासों और मरम्मत में देरी, पुस्तकालय की जर्जरता एवं अव्यवस्थाओं, साफ-सफाई की कमी, और अकादमिक एवं प्रशासनिक कामों में छात्रों के अत्यधिक लंबी एवं जटिल प्रक्रियाओं) के सम्बन्ध में मांग कर रहा था। लंबे समय तक छात्रों की इस समस्याओं और एबीवीपी की मांगों को नजरअंदाज करने और मांग करने वाले छात्रों पर प्रशासनिक कार्यवाही जुर्माना एवं धमकी आदि देना प्रारंभ किया। एबीवीपी ने छात्र हितों के लिए 31 दिन पूर्व जेएनयू टी प्वाइंट पर समर भूमि के नाम से धरना प्रारंभ किया जहां छात्र दिन रात, धूप बरसात में भी प्रशासन के विरुद्ध धरने पर बैठे हैं। इसके अलावा अभाविप जेएनयू इकाई अध्यक्ष राजेश्वरकांत दुबे ने विगत 27 दिनों से छात्रहितों से संबंधित मांगे पूरी न होने तक नंगे पैर रहने का कठिन संकल्प लिया है।

इस विषय पर एबीवीपी जेएनयू इकाई की मंत्री शिखा स्वराज ने कहा, हॉस्टलों की छतें जर्जर हो रही है, हाल ही में मरमत में लापरवाही के चलते नई बने या मरमत वाली छतें एवं बाथरूम टूट रहे हैं। कई दिनों तक हॉस्टलों में छात्रों के लिए पीने का पानी नहीं रहता, केंद्रीय पुस्तकालय में सुविधाएं जर्जर हालत में है, पुस्तकालय में बाथरूम गंदे एवं टूटे हुए हैं, स्वास्थ्य केंद्र में भी समस्याओं की कमी नहीं है। हम अपनी मांगों को लेकर डिगने वाले नहीं है, जब तक प्रशासन और कुलपति हमारी एवं छात्रों की मूल भूत समस्याओं से संबंधित मांगों को नहीं मानती तब तक प्रशासन के विरुद्ध हमारा संघर्ष चलता रहेगा . वहीं एबीवीपी जेएनयू अध्यक्ष राजेश्वरकांत दूबे ने कहा, हमारी कुलपति और निकम्मा विश्वविद्यालय प्रशासन आंखें मूंद कर सो रहा है, उन्हें छात्र की परेशानियों के प्रति कोई संवेदना नहीं है। इसपर भी प्रशासन द्वारा मीडिया में छात्रों को मुफ्तखोर जैसे गैरजिम्मेदार नाम दिए गए हैं, जोकि जेएनयू जैसे संस्थान के लिए बहुत ही शर्म का विषय है। और अपनी मांगों को रखने पर हमारे कार्यकर्ताओं को उनके विरुद्ध प्रशासनिक कार्यवाही करने की धमकी देकर एवं धरना स्थल स्मरभूमि पर इस भयंकर गर्मी में बिजली काट कर डराने और धरने को अनुचित रूप से बंद कराने का प्रयास किया जाता है। लेकिन प्रशासन को विद्यार्थी परिषद यह बताना चाहता है कि जब तक छात्रों के लिए हमारी यह मांगे पूरी नहीं होती है, प्रशासन के विरुद्ध हमारा यह धरना जारी रहेगा।

कोचिंग सेंटर के 4 सह-मालिकों की जमानत याचिका नामंजूर

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली की एक अदालत ने पुराने राजिंदर नगर में पिछले महीने भारी बारिश के दौरान बेसमेंट में एक पुस्तकालय में पानी भरने के कारण सिविल सेवा के तीन अभ्यर्थी डूबने के मामले में एक कोचिंग सेंटर के चार संयुक्त मालिकों की जमानत याचिका खारिज कर दी। विशेष सीबीआई न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने अभियोजन और बचाव पक्ष के वकील को सुनने के बाद कोचिंग सेंटर के संयुक्त मालिकों -परविंदर सिंह, तजिंदर सिंह, हरविंदर सिंह और सरबजीत सिंह की याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि इस घटना के लिए नागरिक अधिकारी भी आंशिक रूप से जिम्मेदार हैं।

विशेष न्यायाधीश ने कहा, मुझे यह दर्ज करना महत्वपूर्ण लगता है कि आवेदक घटना के लिए विशेष रूप से जिम्मेदार नहीं हैं। एमसीडी अधिकारियों की भूमिका जिन्होंने बिना कोई कार्रवाई किए बेसमेंट के अवैध उपयोग के मामले को लंबित रखा। विशेष रूप से किशोर सिंह कुशवाह की शिकायत हाल की घटनाओं पर ध्यान नहीं दिया। जो उनकी मिलीभगत के बारे में बहुत कुछ कहती है। इस अदालत को पूरी उम्मीद है कि सीबीआई इस मामले की गहराई से जांच करेगी और सभी

दोषियों को सजा दिलाएगी। बचाव पक्ष की जमानत की मांग करने वाली याचिका को खारिज करते हुए अदालत ने कहा, यह सच है कि आवेदकों ने खुद पुलिस प्राधिकरण के सामने आत्मसमर्पण कर दिया, लेकिन यह तथ्य उन्हें जमानत देने के लिए पर्याप्त नहीं होगा जब सीबीआई की जांच अपने प्रारंभिक और महत्वपूर्ण चरण में हो और जब महत्वपूर्ण सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं और गवाहों से पूछताछ की जा रही है।

विकास मंत्री गोपाल राय ने की समीक्षा बैठक, गांवों में विकास कार्य समय से पूरा करने के कड़े निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। गांवों में चल रहे विकास कार्यों और लंबित प्रस्तावों को और गति देने के उद्देश्य से दिल्ली सचिवालय में समीक्षा बैठक हुई। दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में विकास विभाग, आईएंडएफसी और दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान गोपाल राय ने अधिकारियों को ग्राम विकास बोर्ड द्वारा सभी स्वीकृत स्कीमों की विस्तृत रिपोर्ट आगामी 10 सितंबर को होने वाली बैठक में पेश करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली के गांवों में विकास संबंधित कार्यो के लिए सरकार ने 900 करोड़ रुपए का बजट रखा है। गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली के गांवों में समुचित विकास सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड का गठन किया। इस बोर्ड का मुख्य उद्देश्य दिल्ली के गांवों में सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराना है। गांवों से संबंधित विकास कार्य में और तेजी लाने के लिए दिल्ली सचिवालय में विकास विभाग, आईएंडएफसी और दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। इस अधिकारियों के साथ बैठक होगी। दिल्ली के गांवों में विकास सुनिश्चित करने के लिए पिछली बोर्ड मीटिंग में दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड ने जिन योजनाओं को मंजूरी दी थी। उसके

दौरान चल रही परियोजनाओं और लंबित परियोजनाओं की समीक्षा की गई। आईएंडएफसी और दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि ग्राम विकास से संबंधित कार्य को तय सीमा के अंदर पूरा करें। ग्राम विकास परियोजना से संबंधित सभी स्वीकृत स्कीमों के शीघ्र कार्यान्वयन के लिए 10 सितंबर को दिल्ली सचिवालय में संबंधित विधायकों और ग्राम विकास बोर्ड के संदर्भ में यह समीक्षा बैठक की गई। गोपाल राय ने कहा कि केजरीवाल सरकार गांवों में सड़कों, पार्कों, नालियों और बहुउद्देशीय सामुदायिक केंद्रों की स्थिति में सुधार करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। विकास विभाग से जुड़े इन विकास कार्यों को सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग, एमसीडी सहित अन्य सरकारी विभागों के माध्यम से किया जा रहा है।

राकेश टिकैत पर राष्ट्रद्रोह का मुकदमा चलना चाहिये: तोमर

नई दिल्ली। दिल्ली के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा प्रदेश प्रभारी जयप्रकाश तोमर ने भारतीय किसान यूनियन संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि उनकी संपत्ति की जांच होनी चाहिये और उनके खिलाफ राष्ट्रद्रोह का मुकदमा चलना चाहिये। श्री तोमर ने कहा, वह (राकेश टिकैत) देश की एकता, संप्रभुता और अखंडता को लगातार खंडित करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसा लगता है वह खालिस्तानी आतंकवादियों, आईएसआई और विदेशी ताकतों का एजेंट और उनसे फंडिंग लेकर के लगातार देश की संवैधानिक संस्थाओं जैसे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), उच्चतम न्यायालय, केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और लोकतांत्रिक सरकार के ऊपर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भाजपा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की

सरकार लोकतांत्रिक प्रणाली से चुनी गई है तो श्री टिकैत का उसको तानाशाही सरकार कहना उनके मानसिक दिवालियापन और मानसिक रोगी होने को दर्शाता है। श्री तोमर ने कहा कि श्री टिकैत ने बंगलादेश वाली स्थिति पर कहा था, ऐसी स्थिति हम भारत में भी कर देंगे। इसके अलावा, उन्होंने अपने बयान में यह भी कहा है कि अगर 26 जनवरी को लाल किले की बजाय संसद की ओर चले गए होते तो बंगलादेश वाला काम उसी दिन हो गया होता। उन्होंने कहा कि श्री टिकैत के इन बयानों से पता चलता है कि वह 26 जनवरी को हुई घटना के मुख्य आरोपी हैं। उनके बयानों से पूरी किसान बिरादरी का अपमान है। श्री तोमर ने कहा, राजा नाहर सिंह, शाहमल तोमर अनेक समाज के लोगों ने इस देश के लिए अपनी शहादत दी है उन सब का अपमान है अगर श्री टिकैत के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का मुकदमा या संपत्ति की जांच नहीं हुई तो मैं इसके खिलाफ आंदोलन करूंगा।

जींद में मतदाताओं की सुविधा के लिए चार बूथों की हुई वृद्धि

एजेंसी

जींद। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने जानकारी देते हुए बताया कि मतदाताओं की सुविधा अनुरूप जिले में बूथों की संख्या बढ़ाई गई है। अब जिला में बूथों की संख्या 1036 हो गई है। पहले बूथों की संख्या 1032 थी। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग की हिदायतानुसार जिस बूथ पर 1500 से अधिक मतदाता है तो उसके लिए अतिरिक्त बूथ बनाया जा सकता है। उसी को ध्यान में रखते हुए जिला में चार बूथ और बनाए गए है। एक बूथ जींद शहर में, दो बूथ सफीदों शहर में तथा एक बूथ नरवाना शहर में बनाया गया है। उन्होंने बताया कि अब जुलाना में 200, सफीदों में 196, जींद में 192 , उचाना में 223 व नरवाना में 225 बूथ हैं। उन्होंने बताया कि जिला के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में सखी, दिव्यांग एवं युवा बूथ भी बनाए जाएंगे। स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को जागरूक करवाना सुनिश्चित करें ताकि हमारे देश का लोकतंत्र और अधिक मजबूत हो। उन्होंने सेक्टर ऑफिसरों को निर्देश देते हुए कहा कि वे सभी बूथों का औचक निरीक्षण करें और बूथों पर दी जाने वाली बिजली-पानी, शौचालय व रैम्प की सुविधाओं को समय रहते पूर्ण करें। उन्होंने रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में चुनाव से संबंधित सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण करना सुनिश्चित करें। आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लघंन करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही अमल में लाएं।

उम्मीदवार फाइनल करने पर गुरुग्राम में हुआ भाजपा का दो दिवसीय मंथन, 90 की 90 विधानसभाओं के प्रत्याशियों के नामों पर हुई चर्चा

एजेंसी

चंडीगढ़। विधानसभा चुनाव 2024 के उम्म्मीदवार फाइनल करने के लिए भाजपा ने दो दिनों तक गुरुग्राम में मंथन किया। दो दिवसीय मैराथन बैठकों में 90 की 90 विधानसभाओं के प्रत्याशियों के नामों पर गहनता से चर्चा हुई। गुरुग्राम में तैयार की गई प्रत्याशियों के नामों की सूची को अब केंद्रीय चुनाव समिति के पास भेजा जाएगा इसके बाद उम्मीदवारों के नामों की लिस्ट जारी होगी।

भाजपा कार्यालय गुरुकमल में सुबह 8 बजे से सायं देर रात 8 बजे तक मैराथन बैठकें चलती रही। बैठक में एक-एक विधानसभाओं को लेकर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया गया। भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने पहले दिन गुरुवार को पांच जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद, नूंह, रेवाड़ी और पलवल विधानसभाओं की सीटों पर मंथन किया था। बैठक के दूसरे दिन 17 जिलों की विधानसभा सीटों के प्रत्याशियों के नामों पर गहन मंथन हुआ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली की अध्यक्षता में शुरू हुई इन बैठकों में केंद्रीय मंत्री एवं हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, चुनाव सह प्रभारी बिप्लब कुमार देब, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, केंद्रीय चुनाव समिति की सदस्य सुधा यादव, चुनाव प्रबंधन समिति संयोजक कुलदीप बिश्नोई, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, सह प्रभारी

सुरेन्द्र नागर, राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता, पूर्व मंत्री अनिल विज, सांसद धर्मवीर सिंह, कैप्टन अभिमन्यु, सुनीता दुग्गल आदि मौजूद रहे।

बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि प्रदेश चुनाव की समिति की दो दिनों तक बैठके हुई हैं। चुनाव लड़ने के इच्छुक काफी प्रत्याशियों ने अप्लाई किया हुआ है, प्रत्येक नाम पर बैठक में चर्चा हुई है। सैनी ने कहा कि तय किए गए नामों को केंद्रीय नेतृत्व के पास भेज दिया जाएगा। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनाव में बड़े मार्जिन के साथ जीतकर तीसरी बार सरकार बना रही है। विधानभा चुनाव प्रभारी एवं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी भाजपा की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार और राज्य की डबल इंजन सरकार की नीतियों और उपलब्धियों से हरियाणा की जनता प्रसन्न है और तीसरी बार स्पष्ट बहुमत से सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव का बिगुल बज चुका है, हमारे कार्यकर्ता पार्टी के 10 वर्षों की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच जाएंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि जिताऊ और टिकाऊ कैंडीडेट को विधानसभा चुनाव में प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में सभी नेताओं और पदाधिकारियों ने अपने-अपने विचार रखे हैं। प्रमुख कार्यकर्ताओं से सलाह कर चुनाव की रणनीति तय की गई है। 90 की 90 की 90 सीटों पर चर्चा के बाद सूची तैयार की गई। तैयार की गई सूची को केंद्रीय चुनाव समिति के पास भेज दिया जाएगा। बड़ौली ने कहा कि भाजपा विधानसभा चुनाव को स्पष्ट बहुमत के साथ जीत रही है।

भूपेंद्र हुड्डा से मिलीं पहलवान विनेश फोगाट, चुनाव लड़ने की चर्चाएं तेज

चंडीगढ़। तय मानकों से अधिक भार होने के कारण पेरिस ओलंपिक से बाहर हुई महिला पहलवान विनेश फोगाट ने नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा से मुलाकात कर नई राजनीतिक चर्चाओं को जन्म दे दिया है। पेरिस ओलंपिक से बाहर होने के बाद ही से विनेश फोगाट के चुनाव लड़ने की चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि विनेश फोगाट ने अभी तक इस बारे में कोई अधिकारिक बयान नहीं दिया है।

पेरिस ओलंपिक से विनेश के बाहर होने के बाद नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भाजपा से मांग की थी कि उन्हें राज्यसभा में भेजा जाए। इस पर विनेश के ताऊ महावीर फोगाट तथा उनकी बेटी व भाजपा नेता बबीता फोगाट ने पलटवार किया था। विनेश की चचेरी बहन बबीता फोगाट पहले ही भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ चुकी हैं। चुनाव हारने के बाद मनोहर सरकार में उन्हें महिला विकास निगम की चेयरपर्सन भी बना दिया है। विनेश फोगाट जिस दिन पेरिस से लौटीं तो हवाई अड्डे पर कांग्रेस के सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने उनका स्वागत किया था। दीपेंद्र हुड्डा और विनेश खुली जीप में दिल्ली से दादरी तक गए थे । विनेश के साथ दीपेंद्र के दिखाई देने पर यह अटकलें तेज हो गई थी कि विनेश कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ सकती है। कुछ दिनों तक यह मामला शांत रहने के बाद फिर से उठ गया, जब विनेश फोगाट पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा से मिलने के लिए उनके दिल्ली आवास पर पहुंची। इस अवसर पर दीपेंद्र हुड्डा भी मौजूद रहे। विनेश ने करीब एक घंटे तक हुड्डा के साथ बातचीत की।

मतदाता सूची में अपने नाम की पुष्टि कर लें मतदाताः मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल

एजेंसी

चण्डीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने कहा कि लोकतंत्र में हर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। इसके लिए प्रत्येक मतदाता यह सुनिश्चित कर लें कि उसका नाम मतदाता सूची में अवश्य शामिल हो।

उन्होंने कहा कि जिस मतदाता का नाम मतदाता सूची में है, केवल वही अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकता है। किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची में है, लेकिन उसके पास मतदाता पहचान पत्र नहीं है तो वह निर्वाचन आयोग द्वारा 12 वैकल्पिक पहचान पत्र दिखाकर अपना वोट डाल सकता है। लेकिन कोई भी मतदाता केवल तभी वोट डाल सकता है जब उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज हो।

उन्होंने बताया कि मतदाता, आयोग द्वारा 12 वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों का उपयोग करके भी वोट डाल सकते हैं। इन दस्तावेजों में पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, केंद्रीय, राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रमों या सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों

को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक या डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, पैन कार्ड, श्रम मंत्रालय द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज और आधार कार्ड शामिल हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि हरियाणा राज्य निर्वाचन कार्यालय की वेबसाइट सीईओ. ईसीआई हरियाणा.जीओवी.इन पर मतदाता सूचियां अपलोड है, उसे डाउनलोड करके भी कोई व्यक्ति अपना नाम मतदाता सूची में नाम चेक कर सकता है। इसके अलावा, वोटर हेल्पलाइन नंबर- 1950 पर कॉल करके भी अपनी वोट चेक कर सकते हैं।

किसी की 5 साल में नौकरी पक्की, डाटा एंट्री ऑप्रेटर 10 साल बाद भी निकाले जा रहे

एजेंसी

गुरुग्राम। पिछले 10 साल से डीसी रेट पर नौकरी कर रहे डाटा एंट्री ऑपरेटर्स आधार का रोजगार संकट में हैं। जिला में कुल 35 कर्मचारियों में से 23 को तो नौकरी से निकाला जा चुका है। बाकी बचे कर्मचारियों को भी निकाले जाने का डर सता रहा है। पीड़ित कर्मचारी अब जिला मुख्यालय पर धरना देने की तैयारी कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि एक तरफ तो सरकार ने 5 साल पुराने कर्मचारियों को रिटायरमेंट तक नौकरी सुरक्षित करने का काम किया है, दूसरी तरफ 10 साल से लगे कर्मचारियों को बाहर निकाला जा रहा है। डाटा एंट्री ऑपरेटर आधार रितेश कुमार, प्रताप, पवन कुमार, दीपक सैनी, लखन चंद, राहुल, हर्षित, नीरज, सोनिया, दिनेश कुमार, पुरुषोत्तम शर्मा आदि ने बताया कि उन्हें 10 साल पहले डीसी रेट पर नौकरी दी गई थी। आधार कार्ड बनाने, अपडेट करने का उनका काम है। किसी के काम में कभी कोई शिकायत नहीं मिली। जिला के सभी 35 कर्मचारियों ने आधार का काम पूरी सक्रियता से किया। थोड़े-थोड़े

समय अंतराल में कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जाता रहा। कुल 35 में से 23 कर्मचारियों को निकाले जाने के बाद अब 12 कर्मचारी जिला में बचे हैं। उन्हें भी रोज निकाले जाने का डर सता रहा है। कर्मचारियों ने बताया कि एक नई एजेंसी को इस काम के लिए हायर किया गया है, जबकि उनका काम सही चल रहा है। कमी है तो सरकार, प्रशासन के स्तर पर है। जिला में इस समय मात्र 5 मशीनें ही हैं, जिन पर सारा वर्कलोड है। फिर भी कर्मचारी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक साल पहले उन्हें हरियाणा कौशल रोजगार निगम में शामिल किया गया था। अब बिना किसी वजह के हटाने का काम किया जा रहा है। कर्मचारियों ने अल्टीमेटम दिया है कि अगर एक सप्ताह में निकाले गए कर्मचारियों को काम पर वापस नहीं लिया गया तो वे डीसी कार्यालय के समक्ष धरना शुरू करेंगे। इसके लिए उन्होंने अतिरिक्त उपायुक्त को पत्र सौंप दिया है।

एसटीएफ ने 10 हजार के इनामी बदमाश को पकड़ा

पलवल। पलवल में हत्या और हत्या के प्रयास के मामलों में फरार चल रहे दस हजार के इनामी बदमाश को एसटीएफ की टीम ने एक देसी पिस्तौल, एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पर राजस्थान पुलिस ने दस हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। आरोपी के खिलाफ चांदहट थाने में हत्या के प्रयास और मारपीट कर जाति सूचक गालियां देने के दो मुकदमे भी दर्ज है। एसटीएफ के डीएसपी यशवंत यादव ने बताया कि उनकी पलवल टीम ने लुलवाड़ी गांव निवासी मोहित को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ भिवाड़ी (राजस्थान) में अवैध हथियार और हत्या सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है। इसके अलावा जिले के चांदहट थाना में हत्या के प्रयास व मारपीट कर जाति सूचक गालियां देने के आरोप में मुकदमा दर्ज है। आरोपी पुलिस की गिरफ्त से फरार चल रहा था। एसटीएफ को सूचना मिली कि इनामी बदमाश मोहित बामनीखेड़ा से सेलोट गांव जाने वाले रास्ते पर अवैध हथियार लेकर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़ा हुआ है। टीम ने तुरंत मौके पर दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की तलाशी ली तो उसके कब्जे से एक देसी पिस्तौल, एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। आरोपी की पहचान लुलवाड़ी गांव निवासी मोहित के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है।

आरपीएस की छात्रा माही जैन को मुख्यमंत्री ने किया पुरस्कृत

एजेंसी

सोनीपत। रौनक पब्लिक स्कूल की 12वीं वाणिज्य की छात्रा माही जैन को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ में सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने माही जैन का उत्साहवर्धन के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। स्कूल पहुंचने पर विद्यालय की प्राचार्या रजनी शर्मा ने भी माही जैन व अंग्रेजी अध्यापिका शुचिस्मिता का स्वागत किया। प्राचार्या रजनी शर्मा ने बताया कि 12वीं कक्षा की छात्रा माही जैन ने जनवरी, 2024 में आयोजित हुए राष्ट्रीय यूथ फेस्टिवल में कहानी लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। द्वितीयस्थान प्राप्त करने पर माही जैन को प्रशस्ति पत्र के साथ-साथ एक लाख रुपये का इनाम और एक ट्राफी प्रदान की गई थी। बारहवीं की छात्रा माही जैन को विद्यालय की अंग्रेजी अध्यापिका शुचिस्मिता के कुशल मार्ग दर्शन मे इस उपलब्धि को प्राप्त किया। रजनी शर्मा ने कहा कि माही जैन ने विद्यालय, अपने क्षेत्र व अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है।

जींद में मिला डेंगू का मामला, अबतक डेंगू के दो केस आए सामने

एजेंसी

जींद। जींद शहर में डेंगू का एक और मामला सामने आया है। अब तक जींद में डेंगू के दो मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य कर्मियों ने गांधी नगर, कृष्णा कालोनी तथा कुम्हारान मोहल्ला में जागरूकता अभियान चलाया। जागरूकता अभियान में 11 बुखार से पीड़ित लोगों के रक्त के नमूने लेकर जांच के लिए भिजवाए। स्वास्थ्य निरिक्षक राममेहर वर्मा की अगुवाई में स्वास्थ्य कर्मियों ने बारिश के मौसम मे होने वाली बीमारियों से बचाव की जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया। इसके अलावा स्वास्थ्य कर्मियों ने दूषित पानी से होने वाली डायरिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए पानी साफ करने वाली क्लोरीन की गोलियां तथा ओआरएस व जिंक की गोलियां भी वितरित कीं। इसके अलावा पीने के पानी के सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवाए। स्वास्थ्य कर्मियों ने घर-घर जाकर लोगों को बताया कि प्रत्येक व्यक्ति थोडी सी सावधानी करके बीमारियों से बच सकता

है।उन्होंने कहा कि गड्ढों, खाली पड़े टायरों, गमलों में गंदा पानी खड़ा न होने दे। पानी के बर्तनों को ढक कर रखें, सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। सप्ताह में एक बार कूलर, फूलदान, पशु व पक्षियों के पानी के बर्तनो तथा होदी को सुखा कर भरें तो डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, डायरिया, हैजा व पीलिया बीमारी से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि जागरूकता व अपने घर व आसपास सफाई रखने से ही बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है। जागरूकता अभियान में स्वास्थ्यकर्मी पवन कुमार, दिनेश, देवेंद्र, जगदीप, ओमप्रकाश, रानी, मनफूल, अमरजीत, नीलम, राधा रानी, शीला, मंजू, रानी, मुकेश कुमारी, सीता, पूनम, सुमन, दर्शना, अश्मीना, उर्मिला, सविता, आरती, अंजू सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

नई अनाज मंडी के प्रधान सोहन ढुल ने थामा सुरजेवाला का हाथ

कैथल। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव व सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि आज हरियाणा का किसान, मजदूर, व्यापारी व गरीब का भाजपा सरकार में दम घूंट रहा है और वो उत्पीड़ित हैं। सुबह किसान भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा सरकार मंडियों को 2 उद्योगपतियों को बेचकर आढ़ती, व्यापारी, किसान व मजदूर साथियों पर कुठराघात करना चाहती है। गुरुवार को कैथल में 4-4 मंथली सरकारी दफ़्तरों से भाजपा के नेताओं के पास जाती है। 10 साल से भाजपा सरकार ने कैथल को विकास के मामले में हजारों साल पीछे धकेल दिया है। कैथल की नई अनाज मंडी के प्रधान सोहन ढुल, होशियार ढुल पाई, सुभाष सौंगल, कुशनपाल ढुल, नरेश गोयल, राजिंन्द्र, शमशेर बेनीवाल, रवि सैनी, प्रमोद गोयल, संदीप मित्तल, कृष्ण शर्मा कांग्रेस पार्टी ज्वाईन की ।

मोबाइल और रुपये छीनने की घटना में चार आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। थाना बहालगढ़ की पुलिस टीम ने मोबाइल और रुपये छीनने की घटना में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान प्रदीप, गुरमीत, नरेंद्र सभी निवासी लाखन माजरा, रोहतक और विशाल निवासी बागपत, उत्तर प्रदेश के रूप में हुईहै। शिकायतकर्ता आशीष ने बताया कि 28 जून 2024 की रात 10 बजे के करीब, उसे कुछ लोगों ने रोका और उसके साथ मारपीट कर 15 हजार रुपये और मोबाइल फोन छीन लिया। आरोपियों ने दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर भागने की कोशिश की।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बनने वाले मतगणना केंद्रों व स्ट्रांग रूम का लिया जायजा

एजेंसी

गुरुग्राम। विधानसभा चुनाव के लिए सेक्टर-14 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में बनने वाले मतगणना केंद्रों व स्ट्रांग रूम का जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी निशांत कुमार यादव ने दौरा किया। अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दौरे के दौरान डीसी ने कहा कि मतगणना केंद्रों पर डयूटी पर लगने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों तथा चुनावी एजेंटों के लिए अलग रास्ते बनाए जाएंगे। वहीं स्ट्रांग रूम से मतगणना केंद्र तक ईवीएम मशीनों को लाने के लिए अलग से एंट्री बनाई जाए। डीसी निशांत कुमार यादव ने इलेक्शन विभाग के अधिकारियों से भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार मतगणना केंद्रों में सभी न्यूनतम सुविधाओं की जानकारी हासिल की तथा निर्देश दिए कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जाए।

डीसी ने निरीक्षण के दौरान स्ट्रांग रूम, एजेंट की एंट्री, गुरुग्राम जिला के अंतर्गत आने वाले सभी चार विधानसभा का मतगणना कक्ष कहां बनेगा इसकी भी समीक्षा की तथा जगह का चयन कर इलेक्शन विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने के साथ विचार विमर्श कर उन्हें संबंधित विधानसभा के लिए बनाए जाने वाले मतगणना केंद्रो व स्ट्रांग रूम को लेकर की जा रही तैयारियों का नियमित निरीक्षण करते रहने का

पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्ट्रांग रूम में ईवीएम को रखने के लिए उचित मार्किंग की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव की तुलना में विधानसभा चुनाव में पोलिंग बूथ की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में बढ़े हुए बूथ के हिसाब से अतिरिक्त रैक की व्यवस्था भी समयानुसार कर ली जाए। डीसी ने इस दौरान उपस्थित सभी एसडीएम निर्देश दिया। उन्होंने परिसर की बेहतर साफ-सफाई तथा मूलभूत सुविधाओं, पेयजल की व्यवस्था, शौचालय, समुचित लाइट आदि की व्यवस्था करने को लेकर भी दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर सोहना के एसडीएम होशियार सिंह, पटौदी के एसडीएम दिनेश, गुरुग्राम की तहसीलदार शिखा सहित जिला निर्वाचन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीडब्ल्यूजी के लिए एंपैनल एजेंसियों की कार्यप्रणाली की जांच हुई शुरू

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा बल्क वेस्ट जनरेटरों को कचरा प्रबंधन के लिए तकनीकी सहायता उपलब्ध करवाने के लिए एंपैनल की गई एजेंसियों की कार्यप्रणाली की जांच शुरू कर दी गई है। इसी कड़ी में नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह सेक्टर-69 स्थित जेनपेक्ट बिल्डिंग का औचक निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। वहां पर कचरा प्रबंधन का कार्य नगर निगम गुरुग्राम द्वारा एंपैनल एजेंसी द्वारा किया जा रहा है। डा. सिंह ने यहां अचानक पहुंचकर कंपोस्ट प्लांट, गार्बेज रूम तथा ई-वेस्ट रूम की जांच की। जांच के दौरान कार्य काफी हद तक सही पाया गया, लेकिन अतिरिक्त आयुक्त ने इसे और अधिक बेहतर करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त आयुक्त ने कहा कि ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 के तहत निगम क्षेत्र में स्थित सभी बल्क वेस्ट जनरेटरों को अपने कचरे का प्रबंधन स्वयं के स्तर पर अपने परिसर के अंदर ही करना अनिवार्य है। नगर निगम द्वारा बीडब्ल्यूजी कचरा प्रबंधन के लिए तकनीकी सहायता उपलब्ध करवाने के लिए 14 एजेंसियों को एंपैनल किया हुआ है। ये एजेंसियां बल्क वेस्ट जनरेटर्स के यहां कचरा प्रबंधन की व्यवस्था करवा रही हैं। एजेंसियों की कार्यप्रणाली की जांच शुरू कर दी गई है तथा अधिकारी औचक निरीक्षण करके निरीक्षण करेंगे।

मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने की चुनाव तैयारियों की समीक्षा

एजेंसी

झज्जर। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रोहतक मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने लघु सचिवालय सभागार में जिला प्रशासन और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। इससे पूर्व लघु सचिवालय पहुंचने पर एडीसी सलोनी शर्मा ने मंडल आयुक्त का गुलदस्ते के साथ स्वागत किया। मंडल आयुक्त ने मीटिंग में चारों विधानसभा (झज्जर, बहादुरगढ़, बादली, बेरी) के रिटर्निंग ऑफिस (एसडीएम) से विस्तार से चुनाव तैयारियों के बारे में चर्चा की और चुनाव के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंडल आयुक्त के समक्ष चुनाव तैयारियों की जानकारी देते हुए एडीसी ने बताया कि चुनाव आयोग के निर्देशानुसार सभी नोडल ऑफिसर की नियुक्ति कर दी गई है। एमसीसी उल्लंघन की प्रतिदिन की रिपोर्ट चुनाव आयोग को भेजी जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी बूथों की फिजिकल वेरिफिकेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। इस उपरांत मंडल आयुक्त ने मीटिंग में मौजूद राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीतिक दलों की निष्पक्ष, स्वतंत्र व पारदर्शी ढंग से चुनाव संपन्न करवाने में अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि ड्राफ्ट मतदाता सूची तैयार हो चुकी है व अंतिम मतदाता सूची

का प्रकाशन 27 अगस्त, 2024 को किया जाएगा। अगर मतदाता सूची में किसी प्रकार की आपत्ति है तो तुरंत दर्ज करवाएँ। इसके अलावा 1 जुलाई को 2024 को जो 18 वर्ष पूरी करने वाले युवा 2 सितंबर तक अपना वोट बनवाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी प्रक्रियाएं चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार हों। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता की सभी पक्ष पूरी ईमानदारी के साथ पालना करें। जिले के रिटर्निंग ऑफिसरों ने आश्वस्त किया कि चुनाव की सभी तैयारियां चुनाव आयोग के द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार की जा रही हैं।

मंडल आयुक्त ने अधिकारियों को कहा कि प्रशासन की जिम्मेदारी है कि चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से संपन्न हो।

बिलासपुर चौक पर अगले 48 घंटे में होगा जाम की समस्या का निवारण

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बिलासपुर चौक पर जाम की समस्या का अगले 48 घंटे के भीतर निवारण किया जाएगा। आमजन को राहत देने के दृष्टिगत मानेसर के एसडीएम दर्शन यादव ने डीसी निशांत कुमार यादव के दिशा-निर्देशनुसार बिलासपुर चौक पर स्थानीय ग्रामीणों संग ट्रैफिक व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान एनएचएआई के पीडी रेवाड़ी पीआईओ योगेश तिलक भी वहां मौजूद रहे। एसडीएम दर्शन यादव ने इस दौरान मानेसर के डीसीपी दीपक व एसीपी ट्रैफिक सुखबीर सिंह से ट्रैफिक व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा कर एनएचएआई के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसडीएम दर्शन यादव व डीसीपी मानेसर दीपक ने इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों से भी ट्रैफिक व्यवस्था में परिवर्तन, बिलासपुर चौक पर यू टर्न सहित अन्य विषयों पर चर्चा कर उनसे आवश्यक सुझाव भी मांगे। ग्रामीणों ने बताया कि लो लेवल एरिया होने के चलते बिलासपुर चौक पर बरसात में जलभराव से सडक़ में बने गड्ढों व चौक पर फ्लाई ओवर के निर्माण के कारण सडक़ की दो लेन ब्लॉक हो गयी है। जिससे ट्रैफिक व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। जिसके चलते चौक पर निरन्तर जाम की समस्या बनी रहती है। एसडीएम ने संबंधित विषय पर ग्रामीणों के सुझाव पर एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए की चौक पर फ्लाई ओवर निर्माण स्थल को छोडक़र बाकी सभी लेन को ट्रैफिक के लिए खोल दिया जाए।इसके साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोनों तरफ एनएचएआई की जितनी जमीन है उस पर दो से तीन एक्स्ट्रा लेन का निर्माण किया जाए ताकि व्यस्त समय मे भी ट्रैफिक का सुगम आवागमन हो सके। एनएचएआई के अधिकारियों में उन्हें आश्वस्त किया कि शाम से ही यहां जाम के निवारण मद्देनजर काम शुरू हो जाएगा, जिसे आगामी 48 घंटो में पूरा किया जाएगा। ग्रामीणों ने इस दौरान बिलासपुर चौक पर पटौदी के लिए यू टर्न खोलने की भी मांग रखी। जिस पर एसडीएम दर्शन यादव ने उन्हें आश्वासन दिया कि एक बार चौक पर सडक़ के चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण का काम पूरा हो जाने बाद ट्रैफिक व्यवस्था का जायजा लिया जाएगा।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.54 अरब डॉलर बढ़कर 674.66 पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 16 अगस्त को समाप्त हफ्ते में 4.54 अरब डॉलर से 674.66 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 4.8 अरब डॉलर घटकर 670.11 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 16 अगस्त को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.54 अरब डॉलर उछलकर 674.66 अरब डॉलर रहा है। इस दौरान विदेश मुद्रा भंडार का अहम घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 3.60 अरब डॉलर बढ़कर 591.56 अरब डॉलर हो गईं। आंकड़ों के मुताबिक 16 अगस्त, 2024 को समाप्त हफ्ते में स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य 86.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 60.10 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसके अलावा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) छह करोड़ डॉलर बढ़कर 18.34 अरब डॉलर हो गया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा भारत का आरक्षित भंडार 1.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.65 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। 2 अगस्त, 2024 को समाप्त हफ्ते में देश का विदेश मुद्रा भंडार 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

वरमोरा ग्रेनिटो ने अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्रों में 400 करोड़ का किया निवेश

अहमदाबाद। भारत की अग्रणी टाइल्स और बाथवेयर ब्रांडों में से एक वरमोरा ग्रेनिटो प्राइवेट लिमिटेड ने दो अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्रों में 400 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। वरमोरा ग्रुप के अध्यक्ष भावेश वरमोरा ने यहां बताया कि वरमोरा ग्रेनिटो प्राइवेट लिमिटेड ने रिकॉर्ड समय में गुजरात के मोरबी में अपना विशाल विस्तार पूरा कर लिया है। कंपनी ने सालाना 17 एमएसएम की संयुक्त क्षमता वाले दो अत्याधुनिक उच्च तकनीक संयंत्रों में 400 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। इस विस्तार के साथ कंपनी ने एशिया में पहली बार क्रांतिकारी इंटीग्रेटेड स्टोन टेक्नोलॉजी (आईएसटी) भी लॉन्च की है।

डाक विभाग और इसरो ने भारत की एड्रेसिंग प्रणाली में बदलाव के लिए की नयी साझेदारी

नयी दिल्ली। भारत में एक मानकीकृत, जियो-कोडेड एड्रेसिंग प्रणाली स्थापित करने की चल रही महत्वपूर्ण पहल में डाक विभाग ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी) के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया है।

अधिकारिक जानकारी के अनुसार 23 अगस्त 2024 को पहले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस से पहले घोषित यह ऐतिहासिक सहयोग, उपग्रह डेटा और रिमोट सेंसिंग प्रौद्योगिकियों में एनआरएससी की विशेषज्ञता को डीओपी के व्यापक बुनियादी ढांचे और सेवाओं के साथ एकीकृत करके, राष्ट्रीय शहरी कार्य संस्थान के साथ साझेदारी करके भारत में एड्रेसिंग को मानकीकृत करने की डीओपी की पहल का एक प्रमुख घटक है।

इस समझौता ज्ञापन पर डाक विभाग की सदस्य (संचालन) मंजू कुमार और इसरो के एनआरएससी के निदेशक डॉ. प्रकाश चौहान की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी के माध्यम से डाक विभाग भारत में एक मानकीकृत, जियो-कोडेड एड्रेसिंग प्रणाली विकसित करने और उसे परिष्कृत करने के लिए एनआरएससी, इसरो के साथ मिलकर काम करेगा, ताकि सार्वजनिक और निजी सेवाओं की नागरिक-केंद्रित डिलीवरी के लिए सरलीकृत एड्रेसिंग का समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

ईकॉम एक्सप्रेस ने अपने ब्राण्ड की नई पहचान का किया अनावरण

नयी दिल्ली। ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदाता ईकॉम एक्सप्रेस लिमिटेड (ईकॉम एक्सप्रेस) ने अपने ब्राण्ड की नई पहचान का अनावरण किया है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह बदलाव उपभोक्ता-उन्मुख सेवाओं के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, जिसके तहत कंपनी विशिष्ट वर्ग के उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को पूरा करने, कस्टमर-फेसिंग मेट्रिक्स और मुख्य परिणामी क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करती है। देश भर में फैले व्यापक एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में आधुनिक टेक्नोलॉजी को शामिल कर कंपनी उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देते हुए तीव्र गति के साथ अपनी सेवाएं प्रदान करती है।इस रीब्रांडिंग के तहत वाइब्रेन्ट और दूरदर्शी सोच वाला लोगो नए विजुअल अवतार में पेश किया गया है, जो ईकॉम एक्सप्रेस की उत्कृष्टता का प्रतीक है। इस नए लोगो में, स्क्वेयर में बंद आगे की ओर बढ़ता तीर का निशान, उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसमें शामिल किया गया अंग्रेज़ी का अक्षर 'ई' अभिव्यक्ति, इनोवेशन और प्रगति का प्रतीक है, वहीं बोल्ड मैजंटा कलर बहादुरी, भावनाओं की अभिव्यक्ति एवं क्षमता का प्रतीक है। कुल मिलाकर ईकॉम एक्सप्रेस नए ब्राण्ड लोगो और वाइब्रेन्ट कलर-मैजंटा के साथ अपनी नई पहचान लेकर आई है। यह रीब्रांडिंग उपभोक्ताओं, साझेदारों एवं टीम के प्रति कंपनी के समर्पण की पुष्टि करती है। ईकॉम एक्सप्रेस हर स्थान पर, हर किसी के लिए लॉजिस्टिक्स को सुगम और सरल बनाने के लिए प्रयासरत है।

जीएसटी एनालिटिक्स हैकथॉन का आयोजन कर रहा है जीएसटीएन

एजेंसी

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) पूर्वानुमान आधारित विश्लेषण के जरिए कर अनुपालन में नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के लिए 'जीएसटी एनालिटिक्स हैकथॉन' का आयोजन कर रहा है। ये हैकथॉन पंजीकरण की शुरुआत से लेकर विकसित प्रोटोटाइप जमा करने की अंतिम तारीख यानी 45 दिनों तक चलेगा। इसके लिए कुल पुरस्कार राशि 50 लाख रुपये है।

वित्त मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) जीएसटी एनालिटिक्स हैकथॉन का आयोजन कर रहा है, जो कि पूर्वानुमानित विश्लेषण के माध्यम से कर अनुपालन में नवाचार को बढ़ावा देने की पहल है। इसमें भारतीय छात्रों, शोधकर्ताओं, स्टार्टअप और कंपनियों के पेशेवरों को जीएसटी विश्लेषण ढांचे का पूर्वानुमान मॉडल विकसित करने के लिए आमंत्रित किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक

यह हैकथॉन पंजीकरण की शुरुआत से लेकर विकसित प्रोटोटाइप जमा करने की अंतिम तिथि तक 45 दिनों में चलेगा। इसके लिए कुल पुरस्कार राशि 50 लाख रुपये है, जिसमें प्रथम पुरस्कार 25 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 12 लाख रुपये, तृतीय पुरस्कार सात लाख रुपये और एक लाख रुपये का सांत्वना पुरस्कार शामिल है। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली सभी महिलाओं की टीम को 5 लाख रुपये का विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। इससे संबंधित जानकारी पंजीकरण और भागीदारी संभावित प्रतिभागी इस लिंक https://event.data.gov.in/event/gst-analytics-hackathon/ पर जाकर अपना पंजीकरण कर सकते हैं। इससे संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें डेटा सेट और प्रतियोगिता दिशा-निर्देश शामिल हैं।

सस्ता हुआ सोना, चांदी में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में गिरावट आई है। वहीं चांदी की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने के भाव में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 73 हजार रुपये के स्तर से नीचे आ कर 72,960 रुपये से लेकर 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 67 हजार रुपये के स्तर से लुढ़क कर 66,940 रुपये से लेकर 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं आने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज भी 86,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,860 रुपये प्रति 10

ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह चेन्नई में भी 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 72,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल ने अरीबा फूड्स में 55 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

एजेंसी

नई दिल्ली/बीकानेर। बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने उज्जैन स्थित अरीबा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में 55 फीसदी हिस्?सेदारी खरीदी है। इस अधिग्रण के बाद अरीबा उसकी सहायक कंपनी बन गई है। इससे बीकाजी की फ्रोजन फूड क्षमताओं और निर्यात क्षमता में वृद्धि होगी।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल ने अरीबा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में 55 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है, जिसकी कुल कीमत 60.49 करोड़ रुपये है। बीकाजी को इससे अपने 'फ्रोजन' फूड उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने और बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने में मदद मिलेगी। अरीबा 'स्नैक्स' एवं 'फ्रोजन' खाद्य पदार्थ में विशेषज्ञता रखने वाली प्रमुख कंपनी है। बीकाजी के प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल ने एक

बयान में कहा कि ये रणनीतिक कदम न केवल निर्यात वृद्धि के लिए हमारी क्षमता को मजबूत करता है, बल्कि त्वरित सेवा रेस्तरां (क्यूएसआर) खंड में हमारे प्रवेश का भी समर्थन करता है। अग्रवाल ने कहा कि अरीबा की अत्याधुनिक उत्पादन क्षमताओं को एकीकृत करके, हमारा लक्ष्य अपने 'फ्रोजन स्नैक्स' और नमकीन के उत्पादन को बढ़ाना है। वहीं, अरीबा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रवर्तक गौरव बहेती ने कहा कि हमारी उन्नत उत्पादन सुविधाओं तथा निर्यात विशेषज्ञता के साथ हम बीकाजी की उत्पादन जरूरतों को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। दरअसल अरीबा फूड्स समोसे, नान, पराठे और मिठाइयों सहित स्नैक्स और फ्रोजन फूड्स में विशेषज्ञता रखने वाली कंपनी है।

उल्लेखनीय है कि बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड का वित्त वर्ष 2023-24 में राजस्व 2,294.71 करोड़ रुपये रहा था। ये भारत में अग्रणी तेजी से बढ़ते उपभोक्ता ब्रांडों में से एक है। इसकी शुरुआत 1993 में शिव रतन अग्रवाल ने की थी। वे स्नैक्स और मिठाइयां बेचते हैं, बीकानेरी भुजिया, सोन पापड़ी, पैकेज्ड रसगुल्ला और गुलाब जामुन के सबसे बड़े निर्माताओं में से एक हैं।

डीजीसीए ने एयर इंडिया पर लगाया 90 लाख रुपये का जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया पर 90 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। विमानन नियामक ने एयरलाइन पर ये जुर्माना नॉन क्वालिफाइड क्रू के साथ उड़ान संचालित करने के लिए लगाया है। विमानन नियामक की ओर से जारी एक

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार एयर इंडिया पर नॉन क्वालिफाइड क्रू के साथ उड़ान संचालित करने के लिए 90 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा डीजीसीए ने इस चूक के लिए एयर इंडिया के परिचालन निदेशक तथा प्रशिक्षण निदेशक पर क्रमशः 6 लाख रुपये और 3 लाख रुपये का भी जुर्माना लगाया है। डीजीसीए ने जारी विज्ञप्ति में एयरलाइन से संबंधित पायलट को आगाह किया है कि भविष्य में ऐसी घटना न हो। दरअसल, एयर इंडिया लिमिटेड ने एक नॉन-ट्रेनर लाइन कैप्टन द्वारा संचालित उड़ान का संचालन किया, जिसे एक नॉन-लाइन-रिलीज़ प्रथम अधिकारी के साथ जोड़ा गया था। इसको नियामक ने एक गंभीर शेड्यूलिंग घटना के रूप में देखा है, जिसके गंभीर सुरक्षा परिणाम हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि 10 जुलाई, 2024 को एयर इंडिया एयरलाइन द्वारा प्रस्तुत स्वैच्छिक रिपोर्ट के माध्यम से घटना के संज्ञान में आने के बाद नियामक ने एयरलाइन के परिचालन की जांच की, जिसमें दस्तावेजों की जांच और शेड्यूलिंग सुविधा की मौके पर जांच शामिल थी। डीजीसीए ने जांच के उपरांत ये कार्रवाई की है।

पेट्रोल–डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 73 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक,दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.12 डॉलर यानी 0.16 फीसदी की गिरावट के साथ 77.10 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई)

क्रूड भी 0.11 डॉलर यानी 0.15 फीसदी लुढ़ककर 72.90 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

फास्टैग में बैलेंस का झंझट खत्म, अब टोल प्लाजा पर नहीं रुकेगी गाड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों में बदलाव करके फास्टैग में बैलेंस कम होने के झंझट को पूरी तरह से खत्म कर दिया है। आरबीआई के इस नए नियम की वजह से अब बैलेंस कम होने के कारण टोल प्लाजा पर गाड़ियों के रुकने की आशंका खत्म हो जाएगी और गाड़ियां फर्राटे से टोल प्लाजा को पार कर जाएंगी। आरबीआई की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक केंद्रीय बैंक ने फास्टैग और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) को ई-मैंडेट फ्रेमवर्क में शामिल कर लिया है। ऐसा हो जाने से इन दोनों पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स में निर्धारित लिमिट से पैसा कम होते ही ग्राहक के बैंक अकाउंट से जरूरत के मुताबिक पैसा खुद इन पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स में आ जाएगा?। इसका एक फायदा ये भी होगा कि अब ग्राहकों को बार-बार अपने फास्टैग को रिचार्ज नहीं करना पड़ेगा। इस तरह से फास्टैग रिचार्ज करने का झंझट पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। आपको बता दें कि ई-मैंडेट फ्रेमवर्क को 2019 में तैयार किया गया था। इस फ्रेमवर्क को तैयार करने का मूल उद्देश्य ग्राहकों को उनके खाते से होने वाली पैसे की निकासी की जानकारी देकर उनके हितों की रक्षा करना था। आरबीआई के मुताबिक फास्टैग और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड के तहत पेमेंट की कोई पहले से निर्धारित या तय समय सीमा नहीं होती है। ऐसे में इन दोनों को ई-मैंडेट फ्रेमवर्क में शामिल कर लेने से बिना किसी निश्चित तय समय सीमा के पैसे खाते से निकल कर खुद ही इन पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स में क्रेडिट हो जाएंगे। इसके लिए ग्राहकों को प्री-डेबिट नोटिफिकेशन देने की भी जरूरत नहीं होगी। इसके पहले ग्राहकों को अपने खाते से पैसे डेबिट करने के लिए कम से कम 24 घंटा पहले प्री-डेबिट नोटिफिकेशन भेजना पड़ता था। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने 5 से 7 जून को हुई मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक में ही फास्टैग और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड को ई-मैंडेट फ्रेमवर्क में शामिल करने की घोषणा की थी। इसके तहत रिकरिंग पेमेंट्स को भी शामिल करने की बात कही गई थी। इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से कहा गया है कि देश में नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड और फास्टैग जैसे पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स का चलन लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में इन पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स के उपयोग को और सुविधाजनक बनाने की कोशिश लगातार चल रही है। पहले फास्टैग या नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड के वॉलेट में पैसे जमा करना पड़ता था लेकिन वॉलेट में पैसे कम हो जाने पर ग्राहकों को पेमेंट करने में परेशानी होती थी। इसीलिए अब नई व्यवस्था लागू की गई है, जिससे फास्टैग और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड ई-मैंडेट फ्रेमवर्क के जरिए जरूरत पड़ने पर खुद ही ग्राहकों के खाते के जरिए रिचार्ज हो जाएंगे।

सीतारमण ने कर अधिकारियों से कहा– संदेह को शिकायतों में बदलने से रोकें

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अधिकारियों से आग्रह किया कि वे करों के संबंध में जनता और व्यापारिक समुदाय द्वारा उठाई गई शंकाओं और चिंताओं का सक्रियता से समाधान करें, इससे पहले कि वे शिकायतों में बदल जाएं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजस्थान के उदयपुर में नए जीएसटी भवन के उद्घाटन के अवसर पर अपने संबोधन में कर-संबंधी मुद्दों से निपटने में निवारक दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकारी अधिकारियों को समस्याओं को उस स्तर पर हल करने को प्राथमिकता देनी चाहिए, जब वे केवल संदेह के स्तर पर हों, बजाय इसके कि उन्हें पूरी तरह से शिकायतों में तब्दील होने दिया जाए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के समय से सरकार के मोरेटोरियम और आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) की मदद से छोटे उद्योग संकट से बाहर आ सके हैं। आप अब और आगे बढ़ें और जीएसटी को लेकर आपके मन में कोई संकोच रहना नहीं चाहिए। हमारी ओर से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है कि सभी जीएसटी सेंट्रल जोन और आयुक्तालयों के पास उचित भवन, कार्य स्थल तथा सुविधाएं हों, क्योंकि ये वे स्थान हैं, जहां

अधिकारी करदाताओं से बातचीत करते हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से करदाता की शंकाओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आयुक्तालयों को सूचना साझा करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, क्योंकि इससे शिकायत निवारण में स्वतः कमी आएगी।

उन्होंने राजस्थान के उदयपुर में नए जीएसटी भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर लोकसभा सांसद मन्ना लाल रावत, सांसद चुन्नीलाल गरासिया, विधायक फूल सिंह मीना और सीबीआईसी के अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल भी मौजूद रहे। इससे पहले राजस्थान के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे के दूसरे दिन उदयपुर पहुंचीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सुबह नाथद्वारा में प्रभु श्रीनाथजी के ग्वाल झांकी के दर्शन किए, जिसके बाद मंदिर परंपरा के अनुसार रजाई उपरना ओढ़ा कर उनका स्वागत किया गया।

सीमित दायरे में कारोबार के बाद सपाट स्तर पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली बढ़त

एजेंसी

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार आज सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स और निफ्टी कुछ देर के लिए लाल निशान में भी गिर गए। हालांकि पहले घंटे का कारोबार होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये दोनों सूचकांक पूरे दिन हरे निशान में बने रहे। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.04 प्रतिशत और निफ्टी 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल, सर्विसेज और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। आईटी, ऑयल एंड गैस, रियल्टी, मेटल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। स्मॉलकैप इंडेक्स ने

0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार के मामूली बढ़त के साथ बंद होने के बावजूद मिडकैप शेयरों में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 460.10 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानि गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.52 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 42 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,048 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,065 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 1,869 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 114 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,370 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,117 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,253 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 112.46 अंक की मजबूती के साथ 81,165.65 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। जहां बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 169.93 अंक टूट कर 80,883.26 अंक तक पहुंच गया, वहीं खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इसने 178.30 अंक की छलांग लगा कर 81,231.49 अंक तक पहुंचने में भी सफलता पाई। शुरुआती 1 घंटे तक लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद खरीदारों ने बाजार पर अपना जोर बना लिया, जिसकी वजह से ये सूचकांक दिन के शेष समय मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता रहा। दिन भर की खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 33.02 अंक की तेजी के साथ 81,086.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 33.90 अंक की बढ़त के साथ 24,845.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। पहले घंटे के कारोबार में निफ्टी की चाल में भी लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 24,858.40 अंक तक पहुंचा, नहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक लाल निशान में 24,771.65 अंक तक लुढ़क भी गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 11.65 अंक की तेजी के साथ 24,823.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में दिनभर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बजाज ऑटो 4.97 प्रतिशत, कोल इंडिया 1.89 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 1.56 प्रतिशत, सन फार्मास्युटिकल्स 1.43 प्रतिशत और भारती एयरटेल 1.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। ओएनजीसी 1.68 प्रतिशत, विप्रो 1.27 प्रतिशत, डिवीज लेबोरेट्रीज 1.13 प्रतिशत, एलटी माइंडट्री 1.10 प्रतिशत और एशियाई पेंट्स 1 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

एसएमई लिस्टिंग को लेकर एनएसई सख्त, नए नियम 1 सितंबर से लागू होंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपने एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के नियमों को और कड़ा कर दिया है। नए नियम के मुताबिक अब एसएमई सेगमेंट में उन्हीं कंपनियों को लिस्टिंग की इजाजत दी जाएगी, जिनके पास एप्लीकेशन करने के पहले के तीन वित्त वर्षों में कम से कम दो वित्त वर्ष के दौरान पॉजिटिव फ्री कैश फ्लो टू इक्विटी (एफसीएफई) होगी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का ये नियम 1 सितंबर से लागू हो जाएगा।

एफसीएफई किसी कंपनी द्वारा उत्पन्न की गई वो नकदी होती है, जो कंपनी के सभी कर्जों और पुनर्निवेश (रिइन्वेस्टमेंट) से जुड़े दायित्वों को पूरा करने के बाद कंपनी के शेयर धारकों के बीच भुगतान किए जाने के लिए उपलब्ध होता है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की ओर से जारी किए गए सर्कुलर में कहा गया है कि एफसीएफई का ये अतिरिक्त क्राइटेरिया 1 सितंबर और उसके बाद दाखिल किए जाने वाले सभी ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रोस्पेक्टस (डीआरएचपी) यानी आईपीओ लाने के लिए सेबी की अनुमति प्राप्त करने वाले प्रारंभिक दस्तावेजों पर लागू होगा। सामान्य शब्दों में कहा जाए तो एसएमई प्लेटफॉर्म के तहत ले जाने वाले आईपीओ के सभी आवेदन इस नए नियम के तहत परखे जाएंगे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर आईपीओ लाने के लिए पहले से बनाए गए अन्य नियमों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। एनएसई की ओर से जारी सर्कुलर में यह भी कहा गया है कि यह नया नियम अगले आदेश तक जारी रहेगा।

जिस बासी भात को कूड़े में देते हैं फेंक वह गट हेल्थ के लिए दीवानगी की हद तक करता है काम, पूरे शरीर के लिए बन जाता है संजीवनी

आमतौर पर हम बासी भात को कूड़े में फेंक देते हैं लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी इस बासी भात में गटे हेल्थ के लिए अमृत छिपा हुआ है. सर गंगाराम अस्पताल की चीफ डायटीशियन मुक्ता वशिष्ठ इस बासी भात के फायदों के बारे में बता रही हैं.

कभी-कभी हमलोग ऐसी गतलियां करते हैं जिसका अंदाजा बहुत महीने या बहुत साल बित जाने के बाद लगता है. जिस बासी भात को अक्सर हम कूड़ेदान में फेंक देते हैं अगर विज्ञान के नजरिए से देखें तो वह गट हेल्थ के लिए संजीवनी है. इस बासी भात के इतने फायदे हैं कि इसे जानकर आप हैरान हो जाएंगे. इसका सेवन करना भी आसान है क्योंकि हमारा देश मुख्य तौर पर चावल प्रधान देश ही है और देश के हर कोने में चावल का सेवन किया जाता है. जापान में अधिकांश लोग ऐसा ही करते हैं. वे रात में चावल बनाकर रख लेते हैं और सुबह हल्का गर्म कर इसे खाली पेट खा लेते हैं. यह उनकी आदत है. अगर हम भी ऐसा करें तो यह हमारी गट हेल्थ के लिए वरदान साबित हो सकता है. सर गंगाराम अस्पताल की चीफ डायटीशियन डॉ. मुक्ता वशिष्ठ ने इस बासी भात के फायदों के बारे में विस्तार से बात की.

स्टार्च रेजिस्टेंस है गट हेल्थ के लिए वरदान

डॉ. मुक्ता वशिष्ठ ने बताया कि बासी भात में एक नहीं बल्कि कई तरह के गुण बढ़ जाते हैं. सबसे पहले तो यह बेहतरीन प्रोबायोटिक हो जाता है. यह प्रोबायोटिक पेट यानी गट में जाकर हेल्दी बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं जिससे ये हेल्दी बैक्टीरिया हमारी गट हेल्थ को मजबूत बनाते हैं. आपको पता होना चाहिए कि जब हमारा पाचन सही रहेगा तो शरीर का सारा सिस्टम सही रहता है. अगर गट हेल्थ सही रहेगी तो इससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही रहेगा और इससे हमारा हार्ट सही रहेगा. बासी चावल में रेजिस्टेंस स्टार्च बढ़ जाता है. रेजिस्टेंस स्टार्च फाइबर का एक प्रकार है जो कुदरती रूप से कई चीजों में पाया जाता है. इसकी खास बात यह है कि यह आसानी से पेट में पचता नहीं है. इसलिए जब तक यह आंत या गट में रहता है तब तक इसे बैक्टीरिया या पेट का माइक्रोब्स खाता रहता है जिस दौरान इसका फर्मेंटेशन होता है और इस प्रक्रिया में कई तरह के कंपाउड बनते रहते हैं. ये सब पेट की लाइनिंग को सुकून पहुंचाता है और इससे इंफ्लामेशन भी नहीं होता है. एक तरह से यह पेट को इतना सुकून पहुंचाता है कि पूरे शरीर पर इसका प्रभाव पड़ता है.

कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर को कम करता

रेजिस्टेंस स्टार्च का सबसे बड़ा फायदा यह है कि जिस चीज में रेजिस्टेंस स्टार्च होता है उस चीज का ग्लाइसेमिक इंडेक्स को कम कर देता है. इससे ब्लड शुगर की मात्रा कम हो जाती है. यहां तक कि इससे खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी कम हो जाती है. बोस्टन कैंसर इंस्टीट्यूट का डायटीशियन एनेटी एम गोल्डबर्ग कहती हैं कि कुछ स्टडी में रेजिस्टेंस स्टार्च से कुछ कैंसर के जोखिम को कम करने का भी दावा किया गया है. यानी यह कैंसर के जोखिम को भी कम कर सकता है. दूसरी ओर शुगर और कोलेस्ट्रॉल के मरीजों के लिए बासी भात बहुत फायदेमंद है.

बासी भात को कैसे करें सेवन

डॉ. मुक्ता वशिष्ठ कहती हैं कि जापान में इसे रात में बना लिया जाता है और फिर उसे छोड़ दिया जाता है और सुबह हल्का गर्म कर इसे खा लिया जाता है. यहां भी ऐसा ही किया जा सकता है. आप चाहे तो सुबह में बासी भात को माइक्रोवेव में गर्म कर लें और फिर इसे ठंडा कर खा लें या आप फ्रीज में रखे चावल को थोड़ी देर तक बाहर रख लें और इसे फिर से कुकर में थोड़ा पानी देकर चढ़ा दें, जैसे आपने चावल को पहली बार बनाते समय किया था. इसके बाद एक-दो सीटी मारने के बाद इसे निकाल लें और इसे ठंडा कर सेवन करें. डॉ. मुक्ता वशिष्ठ कहती हैं कि हालांकि बासी चावल को कभी भी फ्राई करने की कोशिश न करें, इससे कोई फायदा नहीं होगा.

पिछले दरवाजे से प्रवेश : जंग खाता आइरन फ्रेम

यह तो आइरन फ्रेम के भीतर से जंग खाया बनाए जाने का एक खास राजनीतिक पहलू भर है। इतना ही महत्वपूर्ण है, इस तरह की पिछले दरवाजे से भर्ती के जरिए, शासन तंत्र में निजी क्षेत्र की बढ़ती घुसपैठ के जरिए, शासन तंत्र की भूमिका के चरित्र का ही बदला जाना। जनतंत्र में शासन तंत्र से, समाज में विभिन्न वर्गों तथा उनके दावों से ऊपर, एक पंच की भूमिका अदा करने की अपेक्षा की जाती है। और जनतंत्र चूंकि जनता के बहुमत का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है।कहा जाता था कि भारत में ब्रिटिश हुकूमत को असली मजबूती, शीर्ष नौकरशाही के उसके %आइरन फ्रेम%% मिलती थी। स्वतंत्र भारत को यह आइरन फ्रेम विरासत में मिला था और मामूली परिवर्तनों के साथ, इसने अपनी ताकत को बनाए रखा। लेकिन, अब ऐसा लगता है कि यह आइरन फ्रेम तेजी से जंग खाता जा रहा है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आईएएस, आईएफएस, आईआरएस आदि शीर्ष पद संभालने वाले कॉडर पर टिकी इस व्यवस्था की सीमाओं को लेकर कई आलोचनाएं तो पहले भी होती रही थीं। लेकिन, पिछले ही दिनों सामने आए, आईएएस ट्रेनी पूजा खेडकर के फर्जीवाड़े से, इस आइरन फ्रेम में अंदर तक जंग लग जाने के गंभीर सवाल खड़े हो गए। इन सवालों को इसकी आशंकाओं ने और भी बढ़ा दिया था कि यह धोखाधड़ी पूजा खेडकर के मामले तक सीमित नहीं लगती है और जाति से लेकर विकलांगता तक के फर्जी दावों के बल पर, पूरी व्यवस्था को ठग कर चोरी से इस आइरन फ्रेम में घुसपैठ करने वालों की संख्या बीसियों में हो सकती है। बहरहाल, ठगी के इस धक्के से यह आइरन फ्रेम संभल भी नहीं पाया था कि पिछले दरवाजे से प्रवेश या लेटरल एंट्री का, इस पूरी व्यवस्था के ही पूरी तरह से झकझोर कर रख दिए जाने का प्रसंग सामने आ गया।

यह अगर संयोग है तब भी बहुत कुछ कहने वाला संयोग है कि स्वतंत्रता दिवस के फौरन बाद, 17 अगस्त को मोदी सरकार ने पूरे 22 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक तथा उप-सचिव जैसे उच्च पदों पर, पिछले दरवाजे से 45 नियुक्तियों के लिए विज्ञापन निकाला। ये नियुक्तियां हाथ के हाथ, 17 सितंबर तक हो जानी थीं। ये पद निजी क्षेत्र में सेवा का अनुभव रखने वालों के लिए सुरक्षित थे, जिनके लिए कोई सरकारी कर्मचारी एप्लाई नहीं कर सकता था। ये नियुक्तियां कांट्रैक्ट पर तीन साल के लिए होनी थीं, जिनका आगे दो साल विस्तार किया जा सकता था। हालांकि, सरकार की ओर से इन नियुक्तियों में पूरी पारदर्शिता का दावा करते हुए, इसकी दुहाई दी जा रही थी कि ये नियुक्तियां संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के जरिए ही की जाएंगी, जो कि शेष उच्च प्रशासनिक कॉडर की नियुक्ति के लिए जिम्मेदार है, प्रशासनिक सेवा की सामान्य भर्ती प्रक्रिया से भिन्न, ये नियुक्तियां सिर्फ और सिर्फ साक्षात्कार के आधार

पर की जा रही थीं।योग्यता के नाम पर सिर्फ कथित %काम का अनुभव% पर सारा जोर रहने और सिर्फ साक्षात्कार पर आधारित चयन प्रक्रिया को देखते हुए, अगर व्यापक रूप से इसकी आशंकाएं जतायी जा रही थीं तो यह हैरानी की बात नहीं है कि यह सत्ताधारियों के पसंदीदा लोगों की पिछले दरवाजे से उच्च नौकरशाही में घुसपैठ का जरिया साबित होगा। वर्तमान शासन के संदर्भ में इसे सत्ताधारी पार्टी के मातृ संगठन, आरएसएस के लोगों के नौकरशाही में प्रवेश के चोर दरवाजा खोले जाने के रूप में देखा जा रहा है। स्वाभाविक रूप से इसे इस तथ्य से भी जोड़कर देखा जा रहा है कि नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के चंद रोज बाद ही, सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने पर लगी लगभग पांच दशक पुरानी पाबंदी को हटा लिया गया था। यानी इन दो कदमों का संयुक्त प्रभाव यह होना था कि शीर्ष नौकरशाही पर आरएसएस का शिकंजा और कस जाने वाला था।

आरएसएस का शिकंजा कसना, सिर्फ नौकरशाही में एक संगठन का प्रभाव बढ़ने का ही मामला नहीं है। यह समूची जनतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ जाता है क्योंकि जनतांत्रिक व्यवस्था, सत्ताधारियों और शासन में एक भेद बने रहने का तकाजा करती है। जनतांत्रिक व्यवस्था में सत्ताधारी बदलते हैं, जबकि शासन से निरंतरता की अपेक्षा की जाती है और उससे सत्ताधारियों की मनमर्जी से नहीं बल्कि देश के कानून व संविधान से ही संचालित होने की उम्मीद की जाती है। हालांकि हमारे देश के आज के हालात के संदर्भ में यह बहुत दूर की कल्पना लगती है, फिर भी जनतंत्र उच्च नौकरशाही से इसकी अपेक्षा करता है कि देश के कानून तथा संविधान के तकाजों के आधार पर उसे, सत्ताधारियों के अवैध आदेशों का पालन करने से इंकार करने की स्थिति में होना चाहिए। उच्च नौकरशाही के माध्यम से शासन तंत्र पर आरएसएस का बढ़ता हुआ कब्जा, न सिर्फ उक्त अपेक्षाओं को नकारता है बल्कि जनतांत्रिक व्यवस्था में सत्ताधारियों के बदलने की स्थिति में, नयी राजनीतिक सत्ता के साथ शासन तंत्र के साथ अनुचित टकराव की स्थितियां भी पैदा कर सकता है। राजधानी-राज्य दिल्ली में निर्वाचित सरकार और नौकरशाही के बीच केंद्र सरकार द्वारा भड़काया गया अंतहीन द्वंद्व, इन खतरों की वास्तविकता को रेखांकित कर देता है।बहरहाल, यह तो आइरन फ्रेम के भीतर से जंग खाया बनाए जाने का एक खास राजनीतिक पहलू भर है। इतना ही महत्वपूर्ण है, इस तरह की पिछले दरवाजे से भर्ती के जरिए, शासन तंत्र में निजी क्षेत्र की बढ़ती घुसपैठ के जरिए, शासन तंत्र की भूमिका के चरित्र का ही बदला जाना। जनतंत्र में शासन तंत्र से, समाज में विभिन्न वर्गों तथा उनके दावों से ऊपर, एक पंच की भूमिका अदा करने की अपेक्षा की जाती है।

और जनतंत्र चूंकि जनता के बहुमत का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है, इस पंच से जनता के बहुमत यानी वंचितों के पक्ष में झुका हुआ होने की ही अपेक्षा की जाती है। लेकिन, पिछले दरवाजे से निजी क्षेत्र के खिलाड़ियों का शासन तंत्र में बढ़ता दखल, शासन की भूमिका के इस चरित्र को, निजी क्षेत्र के पक्ष में ज्यादा से ज्यादा झुकाने का ही काम करता है। इस लिहाज से, नौकरशाही में इन पिछले दरवाजे से भर्तियों की %अग्निवीरों% से तुलना, बिल्कुल ही अनुपयुक्त है। निजी क्षेत्र से आने वाले ये अफसरान, शासन में रहते हुए सहज रूप से निजी क्षेत्र के स्वार्थों को आगे तो बढ़ा ही रहे होंगे, इसके साथ ही उनका तीन या पांच साल की अवधि के लिए ही शासन को उपलब्ध होना, यही सुनिश्चित करेगा कि इस अवधि में भी वे, आगे के लिए निजी क्षेत्र में अपनी जगह सुरक्षित रखने की गरज से, इजारेदार पूंजी की सेवा करने का ही खास ध्यान रखें। यह राजनीतिक सत्ता को ही नहीं, समग्रता में शासन तंत्र को ही इजारेदार पूंजी के हक में झुकाने का काम करेगा।हैरानी की बात नहीं है कि उच्च नौकरशाही में पिछले दरवाजे से प्रवेश का यह आइडिया भी मोदी सरकार ने, अपनी पूर्ववर्ती यूपीए सरकार से ही उधार लिया है। वास्तव में नव-उदारवादी व्यवस्था के आने के बाद से ही, जो शासन तथा शासन तंत्र पर, आम जनता के दावे को खत्म करना चाहती है और इजारेदारों के दावे को ही मजबूत करना चाहती है, इसकी मांग की जाती रही है कि निजी क्षेत्र को नौकरशाही को %नये संस्कार% देने का मौका दिया जाना चाहिए। इसी के हिस्से के तौर पर शीर्ष नौकरशाही के नये जमाने की जरूरतों के अनुरूप न होने की आलोचनाएं की जाती रही हैं। नौकरशाहों के संदर्भ में कथित %डोमेन एक्सपर्ट्स% बनाम %जनरलिस्ट% का द्वैध खड़ा कर, निजी क्षेत्र से आने वालों को श्रेष्ठतर ठहराने की कोशिश की जाती है। लेकिन, सच्चाई यह है कि अगर डोमेन एक्सपर्ट्स को सीमित क्षेत्र विशेष की विशेषज्ञता से संपन्न मान भी लिया जाए तब भी, उनके जनता से संबंध रखने वाले पहलुओं के मामले शून्य बल्कि ऋणात्मक ही होने से कोई कैसे इंकार कर सकता है।

वास्तव में उक्त विभाजन इसलिए भी भारतीय संदर्भ में शुरू से ही झूठा है कि पिछले दशकों में सिविल सेवाओं में आने वालों में इंजीनियरिंग, डाक्टरी, वाणिज्य, मीडिया आदि विभिन्न क्षेत्रों का प्रशिक्षण प्राप्त लोगों का हिस्सा उल्लेखनीय रूप से बढ़ चुका है और साधारण डिग्रीधारियों का हिस्सा उसी अनुपात में पहले ही काफी घट चुका है। इसके बावजूद, निजी क्षेत्र से डोमेन एक्सपर्ट्स को लाए जाने की पुकारें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। उल्टे, यूपीए कि राज में जहां यह एक आइडिया भर था, जिसे प्रस्तावों से आगे ले जाने की किसी ने कोशिश तक नहीं की थी, मोदी राज ने इसे बाकायदा नौकरशाही के आइरन फ्रेम को, अफसरों की दो अलग-अलग श्रेणियां बनाने के जरिए, बीच से दो फाड़ करने का ही हथियार बना लिया है।

और सामाजिक संदर्भ को पूरी तरह से अनदेखा ही किए जाने के हिस्से के तौर पर, पिछले दरवाजे से प्रवेश की यह व्यवस्था, निजी क्षेत्र के मॉडल का ही अनुसरण करते हुए, सामाजिक आरक्षण की समूची व्यवस्था को ही अमान्य करती है। हैरानी की बात नहीं है कि खासतौर पर इस पहलू से, आम तौर पर विपक्ष ने ही नहीं बल्कि सत्ताधारी गठबंधन में शामिल लोक जनशक्ति पार्टी तथा जनता दल-यूनाइटेड जैसी सामाजिक न्याय का पक्षधर होने का दावा करने वाली पार्टियों ने भी, इन भर्तियों पर ऐतराज उठाया था। लोक जनशक्ति पार्टी के मुखिया और केंद्रीय मंत्री, चिराग पासवान ने खासतौर पर सार्वजनिक रूप से इन भर्तियों पर विरोध दर्ज कराते हुए, इसे कभी स्वीकार नहीं करने की बात कही थी। इस चौतरफा विरोध के बाद और खासतौर पर संविधान में प्रदत्त सामाजिक आरक्षण के प्रावधान को सरकारी नौकरियों में भी कमजोर किए जाने के तीखे आरोपों के सामने, मोदी सरकार को पिछले दरवाजे की इन भर्तियों के मामले में पांव पीछे खींचने पड़े हैं और प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से यह ऐलान करना पड़ा है

संपादकीय

पिछले दरवाजे से प्रवेश : जंग खाता आइरन फ्रेम

यह तो आइरन फ्रेम के भीतर से जंग खाया बनाए जाने का एक खास राजनीतिक पहलू भर है। इतना ही महत्वपूर्ण है, इस तरह की पिछले दरवाजे से भर्ती के जरिए, शासन तंत्र में निजी क्षेत्र की बढ़ती घुसपैठ के जरिए, शासन तंत्र की भूमिका के चरित्र का ही बदला जाना। जनतंत्र में शासन तंत्र से, समाज में विभिन्न वर्गों तथा उनके दावों से ऊपर, एक पंच की भूमिका अदा करने की अपेक्षा की जाती है। और जनतंत्र चूंकि जनता के बहुमत का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है।

कहा जाता था कि भारत में ब्रिटिश हुकूमत को असली मजबूती, शीर्ष नौकरशाही के उसके %आइरन फ्रेम%% मिलती थी। स्वतंत्र भारत को यह आइरन फ्रेम विरासत में मिला था और मामूली परिवर्तनों के साथ, इसने अपनी ताकत को बनाए रखा। लेकिन, अब ऐसा लगता है कि यह आइरन फ्रेम तेजी से जंग खाता जा रहा है।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आईएएस, आईएफएस, आईआरएस आदि शीर्ष पद संभालने वाले कॉडर पर टिकी इस व्यवस्था की सीमाओं को लेकर कई आलोचनाएं तो पहले भी होती रही थीं। लेकिन, पिछले ही दिनों सामने आए, आईएएस ट्रेनी पूजा खेडकर के फर्जीवाड़े से, इस आइरन फ्रेम में अंदर तक जंग लग जाने के गंभीर सवाल खड़े हो गए। इन सवालों को इसकी आशंकाओं ने और भी बढ़ा दिया था कि यह धोखाधड़ी पूजा खेडकर के मामले तक सीमित नहीं लगती है और जाति से लेकर विकलांगता तक के फर्जी दावों के बल पर, पूरी व्यवस्था को ठग कर चोरी से इस आइरन फ्रेम में घुसपैठ करने वालों की संख्या बीसियों में हो सकती है। बहरहाल, ठगी के इस धक्के से यह आइरन फ्रेम संभल भी नहीं पाया था कि पिछले दरवाजे से प्रवेश या लेटरल एंट्री का, इस पूरी व्यवस्था के ही पूरी तरह से झकझोर कर रख दिए जाने का प्रसंग सामने आ गया।यह अगर संयोग है तब भी बहुत कुछ कहने वाला संयोग है कि स्वतंत्रता दिवस के फौरन बाद, 17 अगस्त को मोदी सरकार ने पूरे 22 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक तथा उप-सचिव जैसे उच्च पदों पर, पिछले दरवाजे से 45 नियुक्तियों के लिए विज्ञापन निकाला। ये नियुक्तियां हाथ के हाथ, 17 सितंबर तक हो जानी थीं। ये पद निजी क्षेत्र में सेवा का अनुभव रखने वालों के लिए सुरक्षित थे, जिनके लिए कोई सरकारी कर्मचारी एप्लाई नहीं कर सकता था। ये नियुक्तियां कांट्रैक्ट पर तीन साल के लिए होनी थीं, जिनका आगे दो साल विस्तार किया जा सकता था। हालांकि, सरकार की ओर से इन नियुक्तियों में पूरी पारदर्शिता का दावा करते हुए, इसकी दुहाई दी जा रही थी कि ये नियुक्तियां संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के जरिए ही की जाएंगी, जो कि शेष उच्च प्रशासनिक कॉडर की नियुक्ति के लिए जिम्मेदार है, प्रशासनिक सेवा की सामान्य भर्ती प्रक्रिया से भिन्न, ये नियुक्तियां सिर्फ और सिर्फ साक्षात्कार के आधार पर की जा रही थीं।योग्यता के नाम पर सिर्फ कथित %काम का अनुभव% पर सारा जोर रहने और सिर्फ साक्षात्कार पर आधारित चयन प्रक्रिया को देखते हुए, अगर व्यापक रूप से इसकी आशंकाएं जतायी जा रही थीं तो यह हैरानी की बात नहीं है कि यह सत्ताधारियों के पसंदीदा लोगों की पिछले दरवाजे से उच्च नौकरशाही में घुसपैठ का जरिया साबित होगा। वर्तमान शासन के संदर्भ में इसे सत्ताधारी पार्टी के मातृ संगठन, आरएसएस के लोगों के नौकरशाही में प्रवेश के चोर दरवाजा खोले जाने के रूप में देखा जा रहा है। स्वाभाविक रूप से इसे इस तथ्य से भी जोड़कर देखा जा रहा है कि नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के चंद रोज बाद ही, सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने पर लगी लगभग पांच दशक पुरानी पाबंदी को हटा लिया गया था। यानी इन दो कदमों का संयुक्त प्रभाव यह होना था कि शीर्ष नौकरशाही पर आरएसएस का शिकंजा और कस जाने वाला था।आरएसएस का शिकंजा कसना, सिर्फ नौकरशाही में एक संगठन का प्रभाव बढ़ने का ही मामला नहीं है। यह समूची जनतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ जाता है क्योंकि जनतांत्रिक व्यवस्था, सत्ताधारियों और शासन में एक भेद बने रहने का तकाजा करती है। जनतांत्रिक व्यवस्था में सत्ताधारी बदलते हैं, जबकि शासन से निरंतरता की अपेक्षा की जाती है और उससे सत्ताधारियों की मनमर्जी से नहीं बल्कि देश के कानून व संविधान से ही संचालित होने की उम्मीद की जाती है।

देश में सुरक्षा का वातावरण नहीं है आखिर क्यों : डॉक्टरों के लिए सुरक्षा का विशेष इंतजाम जरुरी

कुल मिलाकर यदि वास्तविक हिंसा नहीं तो एक-दूसरे के बारे में हम हिंसक भाषा का उपयोग कर रहे हैं। इसे कैसे रोका जाए? यदि डॉक्टर के साथ हिंसा जारी रही तो फिर रोगियों का क्या होगा? कोलकाता की घटना के पीछे क्या तथ्य हैं यह पता नहीं लगा है। परंतु जो समाज को संचालित करते हैं और जिनका समाज पर दबदबा रहना चाहिए यदि वे ही ऐसी स्थिति में आ जायें कि वे असामाजिक तत्वों से डरें और अपना कर्तव्य निर्वहन न कर पायें तो पूरे समाज में अराजकता फैल जायेगी।

कोलकाता में एक महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या भी कर दी गई। यह अत्यधिक दुखद घटना है। इसके विरोध में पूरे देश के डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्यकर्मी आक्रोश प्रकट कर रहे हैं। डॉक्टरों के साथ यह पहली घटना नहीं है। डॉक्टर अब सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम मांग रहे हैं। उनकी मांग है कि उनकी सुरक्षा के लिए केन्द्र सरकार कानून बनाये। पूरे देश में इस समय असुरक्षा की भावना है। समाज का कोई भी ऐसा वर्ग नहीं जो अपने को असुरक्षित महसूस नहीं कर रहा हो। यहां तक कि वे भी अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं जिन पर दूसरों को सुरक्षा देने की जिम्मेदारी है। आखिर क्यों?

शायद इसलिए कि लोगों में अब कानून का भय खत्म हो गया है। प्रसिद्ध शासकीय अधिकारी एम.एन. बुच (जो अब नहीं हैं) बताते थे कि जब वे बैतूल में कलेक्टर थे तब किसी विषय को लेकर एकाएक बड़ी भीड़ इकठ्ठा हो गई। भीड़ ने आक्रामक रूप ले लिया। जिस स्थान पर भीड़ थी और अपना रोष प्रकट कर रही थी, उस स्थान पर पुलिस का एक ही सिपाही था। उसने भीड़ के लिए एक रेखा खींच दी और कहा कि जो इस रेखा को पार करेगा उसे सख्त कानून का सामना करना पड़ेगा। उसकी इस चेतावनी का असर हुआ और भीड़ आगे नहीं बढ़ी।

कानून और व्यवस्था लागू करने वाले अधिकारियों का ऐसा ही दबदबा हुआ करता था। अब तो आये दिन ऐसी खबरें मिलती हैं कि रेत खनन माफिया ने बड़े अधिकारी पर हमला किया जब उसने उनके विरूद्ध चोरी कर रेत ले जाने के अपराध पर कार्रवाई किया। अभी तक कई बड़े-बड़े अधिकारी खनन माफिया के शिकार हो चुके हैं।

अनेक कॉलेजों में और स्कूलों में आये दिन शिक्षकों पर हमले होते हैं। कुछ दिन पहले उज्जैन में सरेआम एक शिक्षक की हत्या कर दी गयी।

अभी हाल में भोपाल के एक कॉलेजों के संचालक पर दिन-दहाड़े हमला कर दिया गया। हमला करने वाले विद्यार्थी परिषद से संबंधित थे। विद्यार्थी परिषद इस समय के सत्ताधारी पार्टी से संबंधित है। रेलवे में यदि टीआई टिकट का पूछता है तो उस पर हमला कर दिया जाता है। अतिक्रमण कर अनेक लोग मकान बना लेते हें। जब अधिकारी उनको हटाने जाते हैं तो उन पर हमला कर दिया जाता है। बिजली का बिल नहीं देने पर बिजली बोर्ड के अधिकारी उस क्षेत्र की बिजली काटने जाते हैं तो उन्हें मारकर भगा दिया जाता है। बैंक का कर्ज वसूल करने के लिए यदि टीम जाती है तो उसे मोहल्ले में प्रवेश नहीं दिया जाता है। महिलाओं के साथ आए-दिन दुष्कर्म हो रहे हैं। जब अपराधी को गिरफ्तार करने की कोशिश की जाती है तो इसी तरह की प्रतिक्रिया होती है और प्रभावशाली व्यक्ति उस अपराधी की रक्षा में खड़े हो जाते हैं।

अभी हाल में भाजपा के एक विधायक ने सांसदों को गाली दी और कहा कि इन्हें संसद से बाहर कर दिया जाये। अभी तक उसके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई पता नहीं है। बिहार की राजधानी पटना में विरोधी दल के बड़े नेता इकठ्ठा हुए थे। भाजपा ने इस घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि पटना में चोरों का सम्मेलन हो रहा है।

कुल मिलाकर यदि वास्तविक हिंसा नहीं तो एक-दूसरे के बारे में हम हिंसक भाषा का उपयोग कर रहे हैं। इसे कैसे रोका जाए? यदि डॉक्टर के साथ हिंसा जारी रही तो फिर रोगियों का क्या होगा? कोलकाता की घटना के पीछे क्या तथ्य हैं यह पता नहीं लगा है। परंतु जो समाज को संचालित करते हैं और जिनका समाज पर दबदबा रहना चाहिए यदि वे ही ऐसी स्थिति में आ जायें कि वे असामाजिक तत्वों से डरें और अपना कर्तव्य निर्वहन न कर पायें तो पूरे समाज में अराजकता फैल जायेगी। ब्रिटेन और अमेरिका में न्याय की प्रक्रिया अत्यधिक द्रुत गति से चलती है। अभी कुछ दिन पहले वहां के एक काले नागरिक को गोरे पुलिस वाले ने मार डाला था। उसका अपराध द्रुत गति से तय हुआ और उसे आवश्यक सज़ा दी गई। हमारे देश में तो बरसों लग जाते हैं एक अपराधी को दंडित करने में। हमारे वर्तमान देश के मुख्य न्यायाधीष श्री चंद्रचूड़ इस संबंध में अनेक बार चिंता प्रकट कर चुके हैं। परंतु फिर भी स्थिति में कोई सुधार नहीं है। पूरे समाज की सुरक्षा आवश्यक है। यह कैसे संभव हो इस पर पूरे देश को विचार करना आवश्यक है।

जहां तक डॉक्टरों की सुरक्षा का सवाल है सर्वोच्च न्यायालय ने कुछ उपाय सुझाए हैं। आशा है कि इन पर अमल होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने टॉस्क फोर्स बनाई है जो डॉक्टरों को किस प्रकार की सुरक्षा दी जाये इसकी सिफारिश करे। इस समय जनप्रतिनिधियों चाहे सांसद हो, या विधायक, शासन द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाती है। प्रशासन द्वारा और भी महत्वपूर्ण व्यक्तियों को सुरक्षा दी जाती है। सुरक्षा में कभी-कभी एक दर्जन सुरक्षाकर्मी भी लगाये जाते हैं। कभी-कभी इनकी संख्या आवश्यकता से भी ज्यादा होती है। तो क्या हम देश भर के अस्पतालों में सुरक्षा का इंतजाम नहीं कर सकते?डाक्टरों की सुरक्षा इस समय एक महत्वपूर्ण विषय है जिस पर अधोपरांत विचार होना चाहिए, और उसके लिए पर्याप्त इंतजाम किया जाना चाहिए।

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है?

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिंक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्रा में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना।
- जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

हो सकती हैं ये बीमारियां

- यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।
- ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है
- जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसाब से डायट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लं समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिक निभाता है।

चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा – आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल – नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी – कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक – कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकाई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा – साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध – कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा – एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू – एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठंडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

साड़ी

बदलते फैशन के साथ साड़ी भी कई रूपों और अवतारों में आज प्रचलन में हैं। भारत के तो अलग-अलग हिस्सों में अलग प्रकार की साड़ियां और उन्हें पहनने के अलग ढंग देखने को मिलते हैं। चाहे कोई महिला किसी भी क्षेत्र से संबंध रखती हो, हर महिला का साड़ी पहनने का एक खास ढंग होता है।

विश्व में भारतीय महिलाओं को एक अलग पहचान दिलाने में साड़ी भी शामिल है। बदलते फैशन के साथ भी कई रूपों और अवतारों में आज प्रचलन में हैं। भारत के तो अलग-अलग हिस्सों में अलग प्रकार की साड़ियां और उन्हे पहनने के अलग ढंग देखने को मिलते हैं। इसके अलावा भी चाहे कोई महिला किसी भी क्षेत्र से संबंध रखती हो, हर महिला का साड़ी पहनने का अपना एक खास ढंग होता है।

छ: गज का बिना सिला कपड़ा बुनकरों और डिजाइनरों के लिए एक कैनवस की तरह होता है। साड़ी केवल एक परिधान नहीं है बल्कि यह एक पूरा ताना-बाना है। यानी एक ऐसा धागा जो अनेक सपनों का साक्षी है। जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। सदियों से अपने रूप, डिजाइन और कढ़ाई के लिए प्रसिद्ध है।

पारम्परिक परिधान साड़ी का अंदाज इन दिनों बड़ी तेजी से बदल रहा है। डिजाइनर पारम्परिक साड़ियों के साथ नए-नए प्रयोग करने में लगे हैं। आज साड़ी हॉट, सैक्सी और ग्लैमरस लुक दे रही है जिसमें नारी की खूबसूरती ज्यादा निखर कर सामने आती है। डिजाइन साड़ी पर हाथ की पेंटिंग, ब्लॉक प्रिंट या सीक्विंस स्वारोस्की, क्रिस्टल और धागे का काम कर रहे हैं। वे एब्स्ट्रैक्ट डिजाइनों पर जोर दे रहे हैं। भारी सिल्क, ऑरगेंजा, ब्रोकेड आदि की जगह जार्जेट और शिफॉन ने ले ली है। इन दिनों बहुत-सी आधुनिक और पारम्परिक साड़ियां डिजाइन में हैं जैसे बनारसी, कांजीवरम, पटोला, तनछुई, बालूचरी, जामदानी, टसर, बांधनी, कांथा, चंदेरी कॉटन, पैठनी, कोटा, इक्कत और वेंकटागिरी आदि साड़ियों का प्रचलन भी काफी बढ़ गया है। महिलाएं साड़ी को खूबसूरत और ऐलिगेंट परिधान मान कर इससे अपनी शोभा को बढ़ा रही हैं।

चोली-दामन का साथ तो सदियों से रहा है लेकिन आधुनिकता की बयार में इनके संबंध में नई चुलबुलाहट नजर आने लगी है। साड़ी एकमात्र पहनावा है जिसके साथ अन्य परिधान अपनी पहचान मिटाए बिना पूरे शबाब के साथ रंगत बिखेर सकते हैं। साड़ी चाहे जैसी भी हो चोली का अपना अलग ही अंदाज होता है। वैसे तो बिंदास चोली किसी के दिल को बेकरार कर सकती है लेकिन लहराते पल्लू का साथ मिल जाए तो आपको शायर बनने में देर नहीं लगेगी। हॉल्टर्स, बस्टीयर्स या फिर अल्ट्रॉमॉडर्न बैकलेस, आपको सिर्फ इतना ध्यान देना होगा कि चोली का स्टाइल ऐसा हो कि जो आप पर फबे, न कि महफिल में आपको उपहास का पात्र बना दे।

जहां तक साड़ी के पल्लू की बात है तो वह साड़ी के पहनने के अंदाज पर निर्भर करता है। इन सबके मिले-जुले प्रभाव से साड़ी एक ट्रैंड बन गई है। फैशन डिजाइनर्स का भी यही मानना है कि साड़ी न सिर्फ सैक्स और सोफिस्टिकेटेड दिखती है बल्कि किसी भी उम्र की महिला पर खूब फबती है। स्वरोस्की, क्रिस्टल, बीड्स, कलर्ड-स्टोन्स लेस व सिल्वर या गोल्डन इम्ब्रायडरी ने तो साड़ी का काया कल्प ही कर दिया। जहां तक फैब्रिक का सवाल है फ्लोविंग सिल्क, शिफॉन, जॉर्जेट व नैट के प्रयोग से साड़ी की विविधता में काफी फैलाव हुआ है और इसमें नयापन भी आया है।

साड़ी पहनने के लगभग सत्रह तरह के स्टाइल हैं। अवसर के अनुसार आप अलग-अलग ढंग से साड़ियों को बांध सकती हैं। ब्राइडल से लेकर आम गैस्ट तक के लिए साड़ियों को बांधने के लिए विभिन्न स्टाइल हैं। ब्राइडल साड़ी भारी होती है जिसके चलते उसे पारम्परिक लुक देते हुए आगे को पल्लू देकर बांधा जाता है जबकि मुमताज लुक अपनाने के लिए महिलाओं को कमर से नीचे दो टाइट-रैप देते हुए उसे नीचे से फिश कट की शेप दे दी जाती है।

यदि आपको किसी फंक्शन में जाना हो तो साड़ी के टिप को ही पिनअप करें व शेष को हाथों पर लहराने दें। यह न केवल आकर्षक ही लगता है बल्कि ग्रेसफुल लुक भी देता है। कॉटन, टिश्यू या स्टार्च साड़ी अच्छी तरह आयरन (प्रैस) की हुई होनी चाहिए।

बालों की देखभाल

बाल नि:संदेह रूप से सौंदर्य बढ़ाने में संजीवनी बूटी का कार्य करते हैं। बालों के बिना नारी की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कुछ स्त्रियों के बाल इतने खूबसूरत होते हैं कि हर स्टाइल, ईस्टर्न हो या वैस्टर्न, नूतन हो अथवा पुरातन, उन पर फबता है मगर बाल भी रख-रखाव व साज-संवार चाहते हैं।

थोड़ी-सी भी उपेक्षा से बाल सफेद होना, दोमुंहे होना आदि समस्याएं प्रारंभ हो जाती है। समय पर बालों की देखभाल और सुरक्षा के उपाय न केवल नारी के सौंदर्य को बढ़ाने में सहायक होते हैं बल्कि नारी की उम्र भी कई साल कम दिखाते हैं।

बालों की साफ-सफाई जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी होती है दिन में दो या तीन बार कंघी करना और तेल मालिश। समय-समय पर गर्म और ठंडे जल से सिर को रगड़ने से रोमछिद्र खुल जाने के कारण त्वचा में जमे विकारी तत्व शीघ्र बाहर आ जाते हैं। रक्त प्रवाह भी सामान्य हो जाता है जिससे बालों को पोषक तत्व और प्राण वायु ऑक्सीजन आसानी से उपलब्ध हो जाती है। इससे बाल हृष्ट-पुष्ट एवं निरोग हो जाते हैं।

बाल बढ़ाने के लिए

- दही को तांबे के बर्तन में इतनी देर रगड़ें कि वह हरा हो जाए। इसे लगाने से बालों का झड़ना रूक जाता है और बाल तेजी से बढ़ते हैं।
- 100 ग्राम नीम के पत्तों को 1 लीटर पानी में उबालें। इससे बाल धोकर नीम का तेल लगाएं। बाल शीघ्रता से उगते और बढ़ते हैं।
- पत्तागोभी के रस की मालिश अगर एक माह तक की जाए तो बाल झड़ना बंद हो जाते हैं।
- 50 ग्राम कलौंजी को एक लीटर पानी में उबालें। इसे पानी से बाल धोने से एक माह में बाल काफी लंबे हो जाते हैं।
- नीम और बेर के पत्तों को पानी में पीस कर सिर में लगाने से भी बाल झड़ने बंद हो जाते हैं।
- प्याज का रस और शहद बराबर मात्रा में मिलाकर लगाने से बाल झड़ने बंद हो जाते हैं।
- आम की गिरी 10 ग्राम लेकर आंवले के रस में पीस लें। इसे लगाने से बाल घुंघराले हो जाते हैं।
- सूखे आंवले के चूर्ण को नींबू के रस में मिलाकर लेप करने से बाल काले और मजबूत होते हैं।

भिंडी अनारदाना

सामग्री : 400 ग्राम भिंडी, 2 मध्यम आकार के प्याज, डेढ़ कप तेल, 2 चम्मच अनारदाना पाऊडर, 1 चम्मच नींबू का रस, 1 चम्मच हरा धनिया, आधा चम्मच हल्दी पाऊडर, नमक स्वादानुसार, आधा कप गरम मसाला पाऊडर, 1 चम्मच लाल मिर्च पाऊडर।

विधि : भिंडी को धोकर पोंछ लें। दोनों छोरों से काट लें। बीच में से एक चीरा लगाएं। प्याज काट लें। लाल मिर्च पाऊडर, धनिया पाऊडर, हल्दी पाऊडर, अनारदाना पाऊडर, गरम मसाला पाऊडर और नमक मिला लें। इसमें 4 चम्मच तेल डालकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। इस मसालें को भिंडी में भर लें। एक पैन में तेल गर्म करें। इसमें कटे हुए प्याज डालकर सुनहरा भूरा होने तक भूनें। इसमें भिंडी डालकर पका लें। इस पर नींबू का रस निचोड़ कर गर्मागर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 2566

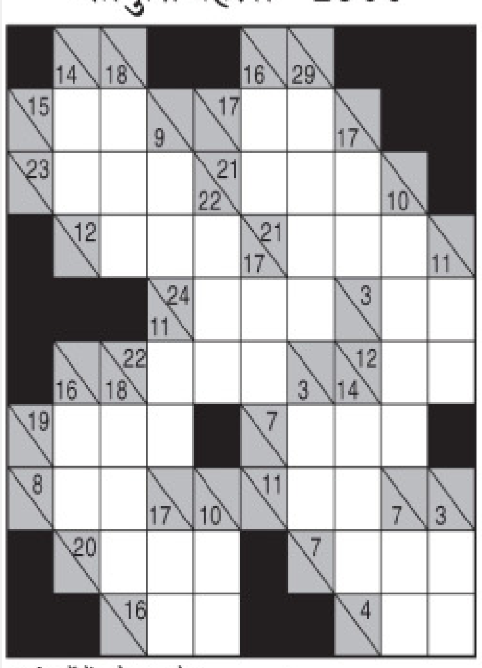

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

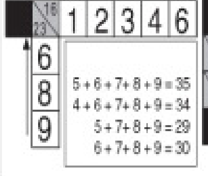

काकुरो - 2565 का हल

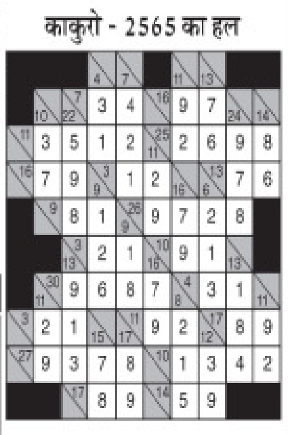

लॉफिंग ज़ोन

जज (शराबी से) - 'एक ही बैठक में तुम पूरी दो बोतल शराब पी गए. ऐसी भी क्या मजबूरी थी?'

शराबी (जज से) - 'मेरे सामने और कोई रास्ता नहीं था. दोनो बोतलों के ढक्कन गुम हो गए थे.'

☺ ☺ ☺

चुनाव का मौसम चल रहा था. लोग जिन्दाबाद के नारे लगा रहे थे. अचानक थोड़ी देर में वही लोग मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे. इस परिवर्तन ने पत्रकार का ध्यान खींचा. उसने नारा लगाने वाले एक व्यक्ति से पूछा- भाई साहब अभी तो आप लोग सब जिन्दाबाद के नारे लगा रहे थे अब मुर्दाबाद के नारे क्यों लगाने लगे.

व्यक्ति (पत्रकार से) - साहब जी उन्होंने जिन्दाबाद चिल्लाने के लिए सिर्फ पंद्रह मिनट के लिए पैसे दिये थे और अब सोलह मिनट हो गये हैं.

☺ ☺ ☺

मच्छरों की मनमानी से परेशान होकर एक महिला कैमिस्ट की दुकान पर गयी और बोली, 'आजकल मच्छर बहुत हो गये है, मच्छरों के काटने से मेरे बच्चे बहुत परेशान हैं, कोई दवाई दे दीजिए.' कैमिस्ट ने तेल की छोटी शीशी दे दी.

महिला ने तुरंत पूछा, 'यह बच्चों को लगानी है या मच्छरों को.'

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली - 2566

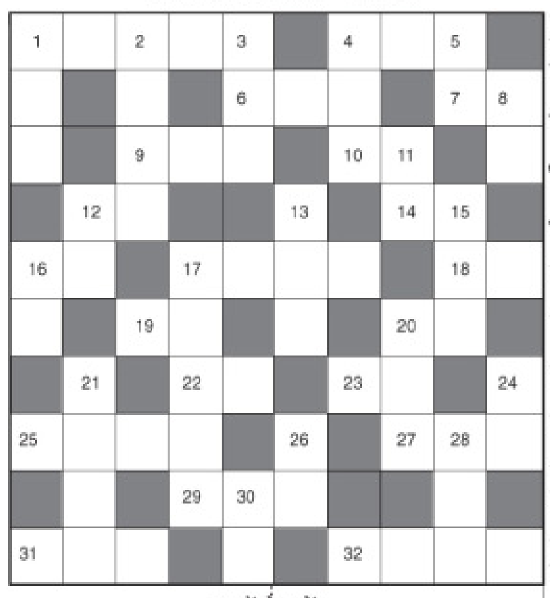

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक ?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी ?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरुख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लकी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नताञ्या सिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2565

सूडोकु -2566

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2565 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 2566

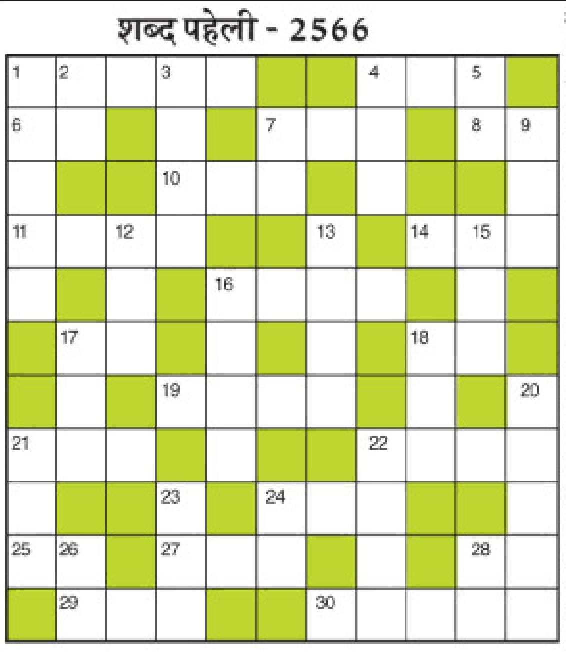

बाएँ से दाएँ

1. हाईकमान-5
4. बुशर्ट, शर्ट-3
6. लाख, गोंद-2
7. प्रतिज्ञा-3
8. मां का भाई-2
10. धनवान, रईस-3
11. मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14. जिज्ञासा, उत्साह-3
16. अनगिनत-4
17. वर्ष, बरस-2
18. लय, स्वर-2
19. गदर, बलवा-4
21. ईर्ष्या-3
22. गरूर, घमंड-4
24. राजा, सम्राट-3
25. पानी से सराबोर-2
27. व्यर्थ, फिजूल-3
28. चतुर्थ, चौथा-2
29. बहने का भाव-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. आरामदायी-5
2. एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3. सेवा शुल्क-4
4. अभिव्यक्ति-3
5. बचत, जोड़-2
7. वहम-2
9. स्वामी-3
12. प्रवेश-3
13. धरोहर, थाती-4
15. तरंग, हिलोर-3
16. निरंकुश, मुंहजोर-4
17. किनारा, तट
18. कामधेनू, सुगंध-3
20. नुकसानदेह-5
21. दुनिया, जग-3
22. कहासुनी-4
23. चयन-3
24. चट्टान, शिला (अंग्रेजी-2)
26. ईश्वर, भगवान-2
28. प्रेम, लगन-2

शब्द पहेली -2565 का हल

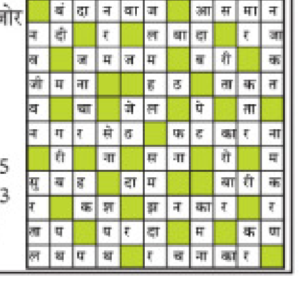

मंकी पाक्स को लेकर बाबतपुर एयरपोर्ट पर अलर्ट, विदेश से आने वाले यात्रियों की होगी जांच

एजेंसी

वाराणसी। दुनिया के कई देशों में मंकी पाक्स की बीमारी पांव पसार रही है। ऐसे में बाबतपुर स्थित लालबहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भी अलर्ट जारी किया गया है। खासतौर से विदेश से आने वाले यात्रियों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। एयरपोर्ट के कांफ्रेंस हाल में एटीएचओ अधिकारी डा. प्रतीक कुमार ने एयरपोर्ट कर्मियों संग मीटिंग की। इस दौरान मंकी पाक्स की बीमारी को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान बीमारी के मद्देनजर एयरपोर्ट पर अलर्ट जारी करने का निर्णय लिया गया। वहीं विदेश से आने वाले यात्रियों की बाकायदा जांच के निर्देश दिए गए। वाराणसी में अभी मंकी पाक्स का कोई केस नहीं मिला है। विदेश से वाराणसी आने वाले यात्रियों के जरिये संक्रमण फैलने का खतरा है। ऐसे में एयरपोर्ट प्रशासन अलर्ट हो गया है। स्वास्थ्य विभाग ने भी अस्पतालों में मंकी पाक्स के मरीजों के इलाज के लिए व्यवस्था की गई है।

पूर्व मंत्री बैजनाथ रावत उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति और जनजाति आयोग के अध्यक्ष बनाए गए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री, बाराबंकी के पूर्व सांसद और हैदरगढ़ विधानसभा से विधायक रहे बैजनाथ रावत को उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति और जनजाति आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। उत्तर प्रदेश शासन ने आयोग के अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष समेत 17 सदस्यों की सूची जारी की गई।गोरखपुर जनपद के चौरी चौरा निवासी पूर्व विधायक बेचन लाल और सोनभद्र के भाजपा जिला महामंत्री जीत सिंह खरवार को उपाध्यक्ष बनाया गया है।इसके अलावा मेरठ की हरेंद्र जाटव, सहारनपुर के महिपाल वाल्मीकि, बरेली के संजय सिंह, आगरा के दिनेश भारत, हमीरपुर के शिवनारायण सोनकर, औरैया के नीरज गौतम, लखनऊ से रमेश तूफानी, मेरठ के नरेंद्र सिंह खजूरी, आजमगढ़ के तीजाराम, मऊ के विनय राम, गोंडा की अनिता गौतम, कानपुर के रमेश चंद्र, भदोही के मिठाई लाल, बरेली के उमेश कठेरिया, लखनऊ के अजय कोरी, कौशांबी के जितेंद्र कुमार और अंबेडकर नगर की अनीता कमल को सदस्य नामित किया गया है।

नगर आयुक्त मृत सफाई मित्र के घर पहुंचे,परिवार को दी सांत्वना

वाराणसी। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा अपर नगर आयुक्त दुष्यन्त कुमार मौर्य के साथ करेंट लगने से मृत सफाई कर्मी के घर पहुंचे। सफाई मित्र सुद्धू भारती (28) की 17 अगस्त को सारनाथ क्षेत्र में सफाई करते समय करेंट की चपेट में आने से मृत्यु हो गयी थी। भारती नगर निगम में आउट सोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत थे। नगर आयुक्त ने मृतक के परिवारजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। इस दौरान नगर आयुक्त ने नगर निगम परिवार की ओर से आर्थिक सहायता राशि 1.56 लाख रुपये का चेक मृतक सफाई मित्र के पिता दीना को सौंपा। साथ ही परिवार के किसी एक सदस्य को आउटसोर्सिंग से सफाई मित्र के रूप में रखने का आश्वासन भी दिया।

सभी कार्यकर्ता मिलकर सदस्यता लक्ष्य को पूरा करें : ब्रजेश पाठक

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर की ओर से सदस्यता अभियान कार्यशाला का आयोजन सहकारिता भवन में किया गया। जिस का शुभारम्भ उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया। उन्होंने कहा कि हम सभी की सदस्यता शून्य हो चुकी है, हम सभी को स्वयं भी दोबारा सदस्य बनना है और नए लोगों को भी अभियान में जोड़कर भाजपा का सदस्य बनाना है। हम सब मिलकर संगठन के लक्ष्य को पूरा करेंगें और राष्ट्र निर्माण व अंत्योदय के उत्थान हेतु समर्पित भारतीय जनता पार्टी को और प्रभावशाली बनायें। राज्यसभा सांसद डॉक्टर दिनेश शर्मा ने कहा कि सदस्यता अभियान पुराने लोगों को दुबारा जोड़कर उनके मान सम्मान को बनाए रखने का और नए लोगों को पार्टी की विचारधारा और कार्यशैली से जोड़कर नेतृत्वकर्ता बनने का अवसर है।प्रदेश उपाध्यक्ष लखनऊ प्रभारी त्रयंबक त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित एक जन संगठन है। भारतीय जनता पार्टी अपनी संगठनात्मक संरचना में नवीन लोगों को शामिल करके सतत संगठनात्मक विस्तार करती रहती है। संगठन की सदस्यता विचारधारा की प्रक्रिया है इसलिए सदस्यता को इस बार भी सर्व स्पर्शी सर्वव्यापी और सर्वाग्रही बनाना है।

43वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर दो दिवसीय सैरा चित्र प्रदर्शनी का आयोजन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के 43वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर ललित कला एवं संगीत विभाग द्वारा दो दिवसीय सैरा चित्र प्रदर्शनी का आयोजन अमृता कला वीथिका में किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने दीप प्रज्वलन कर तथा कैनवस पर रंग, ब्रश द्वारा 43 लिखकर 43वें दीक्षांत समारोह का शुभारंभ किया। बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा कि ललित कला और संगीत विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा सैरा चित्र प्रदर्शन में अत्यंत ही मोहक प्राकृतिक दृश्यों को उकेरा गया है। प्रकृति की सुंदरता सभी को प्रभावित और आकर्षित करती हैं। हम सभी प्रकृति की गोद में पलते और बढ़ते हैं।

एनएमसी ने जारी किया राष्ट्रीय मेडिकल रजिस्टर पोर्टल, देश के सभी एलोपैथिक डॉक्टरों का होगा डेटाबेस

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, जेपी नड्डा ने एमबीबीएस डॉक्टरों के पंजीकरण के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर (एनएमआर) पोर्टल का उद्घाटन किया। एनएमआर भारत में सभी एलोपैथिक (एमबीबीएस) पंजीकृत डॉक्टरों के लिए एक व्यापक और गतिशील डेटाबेस होगा। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) को एनएमसी अधिनियम, 2019 की धारा 31 के तहत अनिवार्य किया गया है। इसमें कहा गया है कि एनएमसी का नैतिकता और चिकित्सा पंजीकरण बोर्ड (ईएमआरबी) इलेक्ट्रॉनिक रूप में लाइसेंस प्राप्त चिकित्सा व्यवसायी का नाम, पता और सभी मान्यता प्राप्त योग्यताओं वाले एक राष्ट्रीय रजिस्टर में पंजीकृत करेगा। एनएमआर की विशिष्टता यह है कि यह डॉक्टरों की आधार आईडी से जुड़ा हुआ है, जो उनकी प्रामाणिकता सुनिश्चित करता है। इस अवसर पर जेपी नड्डा ने कहा

कि प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण भारत को डिजिटल रूप से मजबूत बनाना है और यह तब हो सकता है जब स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र भी डिजिटल रूप से मजबूत हो। राष्ट्रीय स्वास्थ्य रजिस्टर इस दिशा में एक बहुप्रतीक्षित कदम है, जो डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगा और सुनिश्चित करेगा कि देश के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाए। उन्होंने आगे कहा कि पोर्टल पर पंजीकरण प्रक्रिया में निरंतर सुधार के साथ राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर को उन्नत और संवर्धित किया जाएगा। इसके साथ पैरामेडिक्स और अन्य स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए भी एक समान रजिस्टर लॉन्च करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि हम एक विशाल डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की योजना तैयार कर रहे हैं और डॉक्टरों की डिजिटल रजिस्ट्री बनाना इस पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। इस मौके पर प्रतापराव जाधव ने कहा कि सरकार सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के दृष्टिकोण के साथ काम कर रही है। एनएमआर का शुभारंभ लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाप्रभु वल्लभाचार्य का किया दर्शन

एजेंसी

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। अमित शाह शनिवार को चंपारण पहुंच कर महाप्रभु वल्लभाचार्य का दर्शन किया।चंपारण महाप्रभु वल्लभाचार्य की जन्मस्थली है। इससे पहले अमित शाह चंपारण के ग्राम नवागांव हेलिपैड पहुंचे। यहां उनका भव्य स्वागत किया गया। उनके साथ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी नवागांव पहुंचे। हेलिपैड पर सांसद रायपुर लोकसभा बृजमोहन अग्रवाल, विधायक इंद्र कुमार साहू और रोहित साहू, पूर्व सांसद महासमुंद चंदूलाल साहू, पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, नवागांव सरपंच भागवत साहू और संभाग आयुक्त महादेव कांवरे सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण ने केंद्रीय गृह मंत्री का स्वागत किया। यहां से वे महाप्रभु वल्लभाचार्य की जन्मस्थली चम्पारण के लिए रवाना हुए।

'मविआ' ने वापस लिया महाराष्ट्र बंद

एजेंसी

मुंबई। बदलापुर घटना के विरोध में बुलाया गया बंद आखिरकार महाविकास अघाड़ी (मविआ) ने वापस ले लिया है। हाई कोर्ट ने इस बंद पर रोक लगा दी थी। कोर्ट के इस फैसले के बाद शरद पवार ने बंद वापस लेने की अपील की। इसलिए महाविकास अघाड़ी के घटक दल कांग्रेस और शिवसेना ठाकरे गुट ने बंद वापस लेने की घोषणा की है। इस संबंध में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वह बंद वापस ले रहे हैं। ठाणे जिले के बदलापुर मे 2 मासूम छात्राओं पर हुए अत्याचार के विरोध में महाविकास अघाड़ी ने शनिवार (24 तारीख) को महाराष्ट्र बंद का आह्वान किया था।

महाविकास आघाडी के इस बंद के फैसले को वकील सुभाष झा और गुणरत्न सदावर्ते ने बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी। इस मामले की सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने मविआ द्वारा बुलाए गए बंद पर रोक लगा दी। हाई कोर्ट ने बंद पर रोक लगाने के बाद इस मामले पर ट्विटर (एक्स) पर अपनी राय रखते हुए एनसीपी (शरद पवार गुट) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि समय की कमी के चलते उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट मे अपील करना संभव नहीं है। पवार ने कहा कि

भारतीय न्यायपालिका संवैधानिक संस्था है। नतीजन संविधान का सम्मान करते हुए बंद वापस लिया जाना चाहिए। शरद पवार के सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपनी राय रखने के बाद उद्धव ठाकरे ने प्रेस कॉन्फ्रेस कर बंद वापस लेने की घोषणा की। इस बारे मे उद्धव ने कहा कि हमें हाई कोर्ट का फैसला स्वीकार नहीं है लेकिन हम अदालत का सम्मान करते हैं। वैसे भी यह समय फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट मे अपील करने का नहीं है। उद्धव ने सवाल पुछा कि क्या लोगों को अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं करनी चाहिए..? ठाकरे ने व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि अदालत को अपराधियों को सजा देने में भी ऐसी ही तेजी दिखानी चाहिए। वही ठाकरे ने बताया कि महाविकास अघाड़ी के नेता शनिवार को बंद की जगह मौन विरोध प्रदर्शन करेंगे। शिवसैनिक पूरे प्रदेश में काली पट्टी बांधकर और झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन करने वाले हैं। शनिवार सुबह 11 बजे शिव सेना भवन पर काली पट्टी बांधकर मौन विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। अगर कल का बंद वापस भी ले लिया जाए तो भी आंदोलन नहीं रुकेगा।

वर्ष 2040 में चंद्रमा की सतह पर उतरेगा कोई भारतीयः डॉ. जितेन्द्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने घोषणा की कि पंद्रह साल बाद यानी वर्ष 2040 में कोई भारतीय चंद्रमा की सतह पर उतरेगा। चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक लैंडिंग का उत्सव मनाते हुए भारत के पहले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था ऊंची उड़ान भरने के लिए तैयार है, जो अगले दशक में 44 बिलियन डॉलर होगी।

इस अवसर पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले छह दशकों में भारत ने न केवल अपने नागरिकों के जीवन को छुआ है, बल्कि चांद पर भी पहुंचा है। उन्होंने पिछले दशक में हुई महत्वपूर्ण प्रगति पर जोर दिया। इनमें सफल मंगल ऑर्बिटर मिशन, एस्ट्रोसैट, चंद्रयान-2 और चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण, आगामी आदित्य-एल1 सौर मिशन और एक्स-रे खगोल विज्ञान मिशन एक्सपोसैट शामिल हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत 55 साल पहले वर्ष 1969 में हुई थी, जब अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग ने चांद पर कदम रखा था।

उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय के अटूट समर्पण की सराहना की, जिसके परिणामस्वरूप भारत चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बन गया। उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने के बाद अंतरिक्ष स्टार्टअप में उल्लेखनीय वृद्धि का भी उल्लेख किया, जिनकी संख्या बढ़कर अब लगभग 300 हो गई है। उन्होंने वित्त मंत्री के अनुमान को दोहराते हुए कहा कि अगले दशक में भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 8 बिलियन डॉलर से बढ़ कर 44 बिलियन डॉलर हो जाएगी। डॉ. जितेंद्र सिंह ने अंतरिक्ष परिवहन, प्लेटफॉर्म और ग्राउंड स्टेशनों में भारत की संपूर्ण क्षमताओं पर प्रकाश डालते हुए अंतरिक्ष क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता के प्रमुख पहलुओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत के 2047 तक विकसित भारत की यात्रा में अतंरिक्ष क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

महाराष्ट्र बंद पर संजय राउत ने कहा, पीएम मोदी तक पहुंचानी है महिलाओं की आवाज

एजेंसी

मुंबई। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने बदलापुर के एक स्कूल में बच्चियों के साथ हुए दुष्कर्म मामले को लेकर शनिवार को महाराष्ट्र बंद का ऐलान किया है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र बंद की जानकारी देते हुए बताया कि हमने ये अपील इसलिए की है ताकि पीड़ित बच्चियों को इंसाफ दिलाया जा सके।

संजय राउत ने कहा, महा विकास अघाड़ी की तरफ से आज जो बंद का ऐलान किया गया है, वह कोई राजनीतिक कारणों से नहीं किया गया है बल्कि जो स्थिति इस राज्य में बनी हुई है, इसी कारण हमने बंद का ऐलान किया है। यहां छोटी बच्चियां, महिलाएं और मां-

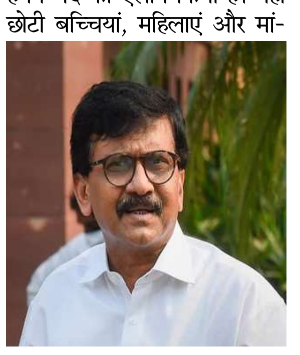

बहनें सुरक्षित नहीं है। लोकतंत्र में इस तरह के आंदोलन को मान्यता है। इसलिए हमने बंद का आह्वान किया है।

उन्होंने कहा, हमने यह तय किया है कि हमारी मांगे देश के प्रधानमंत्री तक पहुंचे, जो इस समय यूक्रेन और पोलैंड दौरे पर हैं। शायद वहां तक हमारी आवाज जाए। प्रधानमंत्री विदेश में घूम रहे हैं। यूक्रेन और पोलैंड की जो समस्याएं हैं, उन पर ध्यान दे रहे हैं। लेकिन, महाराष्ट्र में मां-बहनों और बच्चियों पर जो अत्याचार हो रहा है, शायद वह इन आवाजों को भी सुनें।

संजय राउत ने कहा, ऐसे मामलों पर कोर्ट का जो भी आदेश होता है उसे मानना पड़ता है। कोर्ट का सम्मान रखते हुए हम अपने आंदोलन को देर से शुरू करेंगे। शिवसेना (यूबीटी), राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार) और कांग्रेस के नेता इस बंद के दौरान सड़कों पर उतरेंगे। आज हम हाथ और मुंह पर काली पट्टी बांधकर विरोध जताएंगे। उद्धव ठाकरे खुद शिवसेना भवन के सामने आज आंदोलन में शामिल होंगे। राज्य में हमारी आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में एक गैरकानूनी सरकार चल रही है। वह हमारे बंद को असंवैधानिक बताते हैं। कोर्ट की ओर से भी हमारी ओर से बुलाए गए बंद पर सवाल उठा दिए जाते हैं। लेकिन, फिर भी हम कोर्ट का सम्मान करते हैं।

पुलिस महानिदेशक ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

एजेंसी

लखनऊ। पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन शनिवार को परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उत्तर प्रदेश आरक्षी भर्ती परीक्षा का दूसरा दिन शनिवार को प्रथम पाली का पेपर कड़ी सुरक्षा के बीच सम्पन्न हो रहा है। परीक्षा को नकल विहीन और शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए एसटीएफ, यूपी पुलिस की कई टीमें परीक्षा केंद्रों पर अपनी नजर बनाए हुए हैं। पुलिस महानिदेशक स्वयं परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर निरीक्षण कर रहे हैं। शनिवार को भी डीजीपी ने लखनऊ विश्वविद्यालय और नेशनल पीजी कॉलेज में बने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा को पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण सम्पन्न कराने के लिए आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

विनोद कुमार शुक्ल को साहित्य अकादमी का सर्वोच्च सम्मान

एजेंसी

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी ने अपने सर्वोच्च सम्मान महत्तर सदस्यता से हिंदी के प्रख्यात कवि एवं कथाकार विनोद कुमार शुक्ल को अलंकृत किया। स्वास्थ्य कारणों के चलते यह संक्षिप्त अलंकरण कार्यक्रम उनके रायपुर स्थित आवास पर किया गया। यह अलंकरण साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक और सचिव के. .श्रीनिवासराव द्वारा प्रदान किया गया। यह सम्मान सितंबर 2021 में घोषित किया गया था।अलंकरण प्राप्त करने के बाद विनोद कुमार शुक्ल ने कहा कि इस सम्मान को मेरे घर आ कर देने के लिए वे साहित्य अकादमी का आभार प्रकट करते हैं। उन्होंने कभी उम्मीद नहीं की थी कि इतना बड़ा सम्मान उन्हें प्राप्त होगा। अभी तक यह सदस्यता जिन महत्वपूर्ण लेखकों को मिली है, उनके बीच अपने को पाकर मैं बहुत खुश हूं। इस अवसर पर उन्होंने अपनी दो कविताओं का पाठ भी किया। साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि यह स्वयं को

गौरवान्वित महसूस होने का दुर्लभ अवसर है, क्योंकि शुक्ल जी को सम्मानित करके अकादमी भी अपने आप को सम्मानित कर रही है। शुक्ल जी का लेखन इतना व्यापक और उत्कृष्ट है कि आने वाली पीढ़ियां इससे हमेशा प्रोत्साहित होती रहेंगी। सचिव के. श्रीनिवासराव ने उनके सम्मान में प्रशस्ति पाठ करते हुए कहा कि विनोद कुमार शुक्ल कविता और गल्प का अद्भुत संयोग रचने वाले सर्जक हैं। उनकी रचनाएं किसी स्मृति के आख्यान सी मृदुल और झिलमिल करती हुई होती हैं, जिन्हें पढ़कर एक विलक्षण शांति को महसूस करने का सुख प्राप्त होता है। इस नाते विनोद कुमार शुक्ल हमारे समय के सर्वश्रेष्ठ लेखकों में शुमार किए जाते हैं। एक जनवरी 1937 को छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में जन्मे विनोद कुमार शुक्ल ने कृषि की पढ़ाई के दौरान प्रकृति के प्रति ऐसी आत्मीयता पाई है, जो आगे बढ़कर प्रकृति रक्षा और अंततः मनुष्य की प्रजाति की रक्षा में चिंतित हो जाती है। कविता-संग्रह लगभग जयहिंद से अपनी रचनात्मक यात्रा शुरू करने वाले शुक्ल ने वह आदमी चला गया, नया गरम कोट पहिनकर विचार की तरह, सब कुछ होना बचा रहेगा, अतिरिक्त नहीं, कविता से लंबी कविता, आकाश धरती को खटखटाता है, कभी के बाद अभी आदि प्रकाशित कविता-संग्रह और नौकर की कमीज, खिलेगा तो देखेंगे, दीवार में एक खिड़की रहती थी आदि उपन्यासों तथा हरी घास की छप्पर वाली झोपड़ी और बौना पहाड़, एक कहानी, घोड़ा और अन्य कहानियां जैसे कहानी-संग्रह द्वारा पद्य और गद्य का एक सर्वथा नया सौंदर्य-बोध निर्मित किया है, जिसके अंतःपुर में प्रवेश करने और रम जाने पर एक सात्विक-सा आस्वाद प्राप्त होता है।

44 घंटे की मशक्कत के बाद तालाब में डूबे युवक का मिला शव

एजेंसी

राजगढ़। कालीपीठ थाना क्षेत्र के ग्राम जोगीदाता स्थित तालाब में डूबे युवक का शव शनिवार सुबह 44 घंटे की मशक्कत के बाद 25 फीट अधिक गहरे पानी में मिला। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरु की।

पुलिस के अनुसार ग्राम शिकारपुर जिला शाहजहांपुर उप्र.निवासी राज (20) पुत्र रामचंद्र प्रजापति अपने दोस्तों के साथ ग्राम जोगीदाता स्थित मुरम के खदान में भरे पानी में नहाने गया था तभी वह गहरे पानी में डूब गया। सूचना पर पहुंची पुलिस की मौजूदगी में गोताखोरों के द्वारा लगातार उसकी तलाश की गई, जिसमें 44 घंटे की

मशक्कत के बाद युवक का शव 25 फीट से अधिक गहरे पानी में मिला। पुलिस ने मौके से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया।

बताया गया है कि युवक चार माह पहले ही अपने गांव से जोगीदाता स्थित संगम ऑर्गेनिक इंटरप्राइजेज पर काम करने के वास्ते आया था और वह समीपस्थ मुरम की खदान में भरे पानी में दोस्तों के साथ नहाने गया था तभी वह गहरे पानी में डूब गया, जिसकी मौत हो गई।

महू के पास निर्माणाधीन फार्म हाउस की छत गिरने से पांच मजदूरों की मौत

एजेंसी

इंदौर। इंदौर जिले की महू तहसील के अंतर्गत चोरल गाँव में निर्माणाधीन मकान की छत गिरने से पांच मजदूरों की दबने से मौत हो मौत हो गई। घटना गुरुवार देर रात हुई, लेकिन सुबह इसकी जानकारी लगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घटना को दुखद बताते हुये शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान से दो-दो लाख रुपये देने के निर्देश दिये। रेडक्रास के माध्यम से भी मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की सहायता दी जा रही है। इस तरह मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी।

इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ करा दिया था। सभी संबंधित अधिकारी एवं एसडीआरएफ के दल को मौके पर तुरंत ही भेजा। बताया गया है कि यहाँ एक निर्माणाधीन फार्म हाउस में कल स्लैब डाली गई थी एवं रात में यहाँ कार्यरत मज़दूर उसी के नीचे सो गए थे। स्लेब गिरने से उक्त मजदूरों की मृत्यु हो गई। घटना स्थल पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण हितिका वासल, एसडीओपी उमाकांत चौधरी, एसडीएम चरणजीत सिंह हुड्डा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे

एवं राहत तथा बचाव कार्य कराया। उन्होंने बताया कि मृतकों में पवन पांचाल (उम्र 35 साल) पुत्र भंवरलाल पांचाल निवासी बांसवाडा राजस्थान हाल मुकाम राऊ सागर कालोनी इन्दौर, हरिओम (उम्र 22 साल) पुत्र रमेश मालवी निवासी ग्राम उन्मोद जिला शाजापुर, अजय (उम्र 20 साल) पुत्र रमेश मालवी निवासी जिला शाजापुर, राजा (उम्र 22 साल) पुत्र शेरसिंह निवासी इन्दौर तथा गोपाल (काका-उम्र 45 साल) पुत्र बाबुलाल प्रजापति निवासी छोटा बांगड़दा इन्दौर शामिल है।

ला-दारचा मेले में महकी प्राकृतिक एवं पारंपरिक उत्पादों की खुशबू

एजेंसी

काजा। पर्यटन एवं धार्मिक स्थल काजा में आयोजित ला-दारचा मेले में जाइका वानिकी परियोजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार प्राकृतिक उत्पादों की खुशबू महकने लगी। तीन दिनों तक चलने वाले इस मेले में प्रदर्शनी एवं बिक्री के लिए जाइका वानिकी परियोजना के तीन स्टाल लगाए गए। जिसमें स्पीति की पारंपरिक गर्म वस्त्र, छरमा की चाय, छरमा का जूस, गलीचा, सूखे सेब समेत अन्य प्राकृतिक उत्पाद प्रमुख हैं। यहां पहुंचे सैलानियों से लेकर स्थानीय लोगों के लिए प्राकृतिक उत्पाद उनकी पहली पसंद बन गई। मेले के पहले दिन लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा जाइका वानिकी परियोजना से जुड़े विभिन्न स्वयं सहायता समूहों के स्टाल पर पहुंची, जहां पर उन्होंने उत्पादों की जमकर तारीफ की। उन्होंने क्षेत्र के लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए जाइका वानिकी परियोजना के प्रयासों की सराहना की।

अनुराधा राणा ने निकलम स्वयं सहायता समूह डंखर द्वारा तैयार किए पारंपरिक व्यंजनों का लुत्फ भी उठाया। जाइका वानिकी परियोजना से जुड़े निकलम स्वयं सहायता समूह डंखर, यातो जोम्सा सवयं सहायता समूह देमुल, किथलिंग स्वयं सहायता समूह क्यूलिंग, जोम्सा स्वयं सहायता समूह क्यूलिंग और सेमथुन स्वयं सहायता समूह लंगजा द्वारा निर्मित विभिन्न प्रकार के उत्पादों की अच्छी ब्रिकी हो रही है। इस अवसर पर वन मंडलाधिकारी वण्य प्राणी स्पीति मंदार उमेश जेवरे, सहायक अरण्यपाल चमन लाल ठाकुर, वन रक्षक कमल किशोर, विषय वस्तु विशेषज्ञ आशुतोष पाठक, क्षेत्रीय तकनीकी इकाई समन्वयक ताबो छोड़न बोद्ध, क्षेत्रीय तकनीकी इकाई समन्वयक काजा मीनाक्षी बोद्ध समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बारिश में जूतों का रखें ख्याल

बारिश के मौसम में अक्सर कई लोगों की यह शिकायत होती है उनके जूते जल्दी खराब हो जाते है। दरअसल इस मौसम की नमी और बारिश आपके जूतों को खराब कर देती है।इस पर विशेषज्ञों का कहना है कि निश्चित रूप से बारिश से जूतों को पूरी तरह नहीं बचाया जा सकता है, लेकिन उन्हें अधिक से अधिक सूखा रख कर आप अपने जूतों की उम्र बढ़ा सकते हैं। जानते हैं जूतों की संभाल के लिए कुछ उपाय।

- जूते को यदि लम्बे समय के लिए रखना हो, तो इसमें कागज डालकर रखें। इस तरह से वह मुड़ेगा नहीं। जूते को कपड़े के बैग में रखकर बक्से में रखें।
- जूते के पॉलिश से जूते में चमक तो आती ही है। यह इसे नमी से भी बचाती है। इसलिए जूतों की अच्छी तरह से पॉलिश कीजिए।
- यदि आपके जूते में फंगस लग गया है, तो उसे साबुन के पानी से अच्छी तरह रगड़कर धोइए और पंखे के नीचे सुखाइए।
- घर वापस आते ही जल्द से जल्द जूतों से कीचड़ साफ कीजिए। ब्रश से रगड़कर जूतों से कीचड़ निकालिए।
- बारिश में भीगने के बाद जूतों को तुरंत सुखाना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आपके पांव के पसीने और नमी के मिलने से जूते में दुर्गंध आ सकती है।

बारिश में सावधानी

बरसात का समय पैरों के लिये बहुत खतरनाक माना जाता है क्योंकि इस समय पैरों में बैक्टीरियल इन्फेक्शन होने के बहुत चांस होते हैं। इस समय पैर हमेशा गीले रहते हैं इसलिये बाहर से जब भी घर पर आएं तब अपने पैरों को अच्छे से साबुन से धोएं। इसके बाद पैरों को तौलिये से पोंछ कर उन पर तेल से हल्की मालिश करें। चमड़े के जूते पहनने से बचें क्योंकि इसमें संक्रमण होने के बहुत ज्यादा चांस होते हैं। इसके अपने पैरों को बचाने के लिये सहायक पैरों से मृत कोशिकाओं को हटाने के लिये कभी भी रेजर या ब्लेड का सहारा नहीं लेना चाहिये नहीं तो फुट इंफेक्श्शन या फिर तेज घाव हो सकता है। जब भी घर में रहें तो हमेशा पांव में जूते या चप्पल पहने। कभी भी नंगे पांव नहीं रहना चाहिये।

गर्भावस्था : देखभाल जरूरी

- गर्भावस्था में हलका-फुलका भोजन खाने से बच्चा तंदुरुस्त होता है।
- गर्भिणी स्त्री का वातावरण शांतिप्रिय होना चाहिए।
- माता-पिता का रंग काला है तो गर्भावस्था के पांचवें माह से नारी को दो नारंगी नित्य सेवन करना चाहिए। इससे बच्चा गोरा होगा।
- दो गोले नारियल का पानी नित्य सेवन करें।
- गर्भवती महिलाओं को विशेषकर अंगूर सेवन ज्यादा करना चाहिए।
- दही में बेसन मिलाकर उबटन की तरह मलें।
- सांस फूलने पर दही की कढ़ी में देसी घी डालकर कुछ दिन खाएं

आयुर्वेदिक उपचार

- गर्भकाल के दो मास पूरे होते ही तीसरे मास से लेकर आठवां मास पूरा होने तक के छह माहों की अवधि में प्रतिदिन 'सोम घृत' का सेवन नियमित रूप से अवश्य करना चाहिए।
- उचित आहार-विहार करना चाहिए और अपना आचार-विचार अच्छा रखना चाहिए, ताकि संतान अच्छे गुण, कर्म स्वभाव लेकर पैदा हो।
- दूसरा महीना शुरू होने पर दूध में 10 ग्राम शतावर का महीन पिसा हुआ चूर्ण और पिसी हुई मिश्री डालकर दूध को आग पर उबालकर औटाएं।
- गुनगुना रहे तब एक चम्मच शतावर चूर्ण खाते हुए घूंट-घूंट कर यह दूध पी लें। मंजन करके सोएं।
- तीसरे मास में दूध को ठंडा कर एक चम्मच शुद्ध घी और तीन चम्मच शहद घोलकर सुबह-शाम पीना चाहिए।
- इसी मास से सोम घृत का सेवन शुरूकर आठवां मास पूरा होने तक सेवन किया जाना चाहिए। यह सोम कल्याण घृत के नाम से आयुर्वेदिक दवाओं की दुकान पर मिलता है।
- सोम घृत का सेवन दूध या फलों के रस के साथ आठ माह तक जारी रखें, बीच में बंद न करें।

सांवली त्वचा हो तो करें खास मैकअप

आज के इस बदलते परिवेश में हर व्यक्ति चाहे वह लड़का हो या फिर लड़की सुंदर दिखने की चाहत रखते है।उसका रंग रूप भले जैसा भी हो, वह सजे संवरे। अगर आपका रंग गोरा है तो फिर आपको किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं होती लेकिन रंग अगर सांवला है तो कुछ मुश्किलें आती हैं। लेकिन इसके लिए अपने अंदर किसी भी प्रकार के काम्पलेक्स को न पालें। आपको बस यह आना चाहिए कि आप किस तरह का मेकअप प्रयोग करें जिससे आप अपने चेहरे की कमियों को छिपा सकें और खूबसूरती को उभारे सकें।

- सांवले रंग पर गुलाबी रंग के ब्लश ऑन का प्रयोग न करें। नेचुरल शेड्स ही आपके चेहरे पर फबेंगे। आई शैडो भी गुलाबी, हल्का नीला या जामनी शेड तो बिल्कुल न लगाएं। ब्राउन शेड्स, पीच आदि शेडस का प्रयोग करें।
- भूरा, रस्ट, हल्का फिरोजी आदि शेड्स सांवले रंग पर फबते हैं। फिर भी परिधान को अपने आगे रखकर देखें कि वह रंग आपके चेहरे के रंग पर सूट करता है कि नहीं।
- अगर आप फाउंडेशन का प्रयोग करती हैं तो अपनी त्वचा की रंगत के अनुरूप एक शेड हल्का फाउंडेशन प्रयोग में लाएं।
- लिपस्टिक के शेड्स भी ब्राउन, मैरून, मैट्स शेड्स लगाएं। सांवले रंग पर लाल, मेजेंट, आदि शेड्स बहुत चटकीले लगते हैं। स्वाभाविक शेड्स का ही चुनाव करें। लिप लाइनर भी लिपस्टिक से एक शेड गहरा लें।

त्वचा की सही से करें देखभाल

हर मौसम में त्वचा की देखभाल आवश्यक होती है पर गर्मियों में त्वचा विशेष देखभाल मांगती है। गर्म हवाएं, पसीना, धूल, धूप त्वचा को प्रभावित करती है और अगर इनसे त्वचा को सुरक्षा न दी जाए तो त्वचा संबंधी गम्भीर रोगों का सामना करना पड़ सकता है। गर्मियों में त्वचा को क्लीजिंग की आवश्यकता सबसे अधिक होती है। इसके साथ-साथ सबसे आवश्यक होता है त्वचा का सूर्य की अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाव जिसके लिए सबस जरूरी है सन-स न का प्रयोग। आइए जानें कि गर्मियों में त्वचा की देखभाल कैसे करें..

गर्मियों में चेहरे को तीन-चार बार किसी सौम्य फेस तथा वाष या साबुन से साफ करें। खासकर चेहरा तब अवश्य साफ करें जब बाहर से आ रहे हों, क्योंकि घर के बाहर पको धूल, गर्म हवा, गन्दगी आदि का सामना करना पड़ता है जो आपकी त्वचा पर बुरा प्रभाव डालते हैं। चटेरा साफ करने के लिए आप गुलाबजल, क्लीजिंगीम का भी प्रयोग कर सकते हैं।

गर्मियों में भी त्वचा को माइश्चराइजर की आवश्यकता होती है पर गर्मियों में आयल रहित माइश्चराइजर का प्रयोग करें।

त्वचा की टोंनिंग आपके चेहरे को साफ रखने में मददागर है। अगर आपकी त्वचा बहुत तैलीय है तो क्लीजिंग के पश्चात् त्वचा पर एस्टिरंजेंट का प्रयोग करें। रूखी त्वचा के लिए टोनर का प्रयोग करें।

त्वचा की स्बिंग के लिए बाजार में बहुत से स्बर उपलब्ध हैं। स्बिंग त्वचा के रोमछिद्रों की अच्छी तरह सवाई करती है व मृत त्वचा हटाती है।

स्बिंग के पश्चात् बर्फ का एक टुकड़ा लेकर चेहरे पर अच्छी तरह मलें। अगर स्बिंग के तुरन्त बाद आप धूप में चले जायेंगे तो आपको पिग्मेंटेशन का सामना करना पड़ सकता है। त्वचा के लिए एक अच्छा स्बर आप घर पर भी तैयार कर सकते हैं। आलिव आयल में चीनी मिलाकर हल्के हाथों से इसे चेहरे पर मलें और स्बिंग के पश्चात् चेहरे पर माइश्चराइजर का प्रयोग करें।

गर्मियों में त्वचा को बहुत अधिक स्टीम न दें। अगर त्वचा तैलीय है तो सप्ताह में एक बार त्वचा कतो भाप दें अन्यथा 15 दिन से पूर्व नहीं।

गर्मियों में फेस-मास्क का प्रयोग अधिक करें। ये त्वचा को ताजगी देंगे। खीरे या संतरे के फेस मास्क का प्रयोग करें।

गर्मियों मेंन त्वचा सनटैन व पिंग्मेंटेशन का शिकार हो जाती है। इसके लिए त्वचा पर दही लगाएं। यह त्वचा को ठंडक देगा व त्वचा को मुलायम बनायेगा।

धूप में जाने से 15 मिनट पूर्व सन-स न का प्रयोग करें। खुले अंगों जैसे गर्दन, कान, बाजू, हाथों, चेहरे पर इसका प्रयोग अवश्य करें। सनसीन का प्रभाव 4-5 घंटे से अधिक नहीं रहता। अगर आप यादा समय बाहर रह रहे हैं तो इसे पुन- लगा लें। घर पर आकर सनस न को अच्छी तरफ साफ कर लें।

रात को सोने से पूर्व त्वचा पर से सभी सौंदर्य प्रसाधनों को साफ करके सोएं, क्योंकि गर्मियों में त्वचा में इंफेक्शन होने की संभावना अधिक होती है।

सेलिब्रिटिज की अलग-अलग हेयर स्टायल

महिलाओं में हेयर स्टायल को लेकर काफी संशय की स्थिति बनी रहती है। कौन सा हेयर स्टायल अपनाए जो चेहरे के मुताबिक जमे इस पर हर लडव़ ी को चिंता रहती ही है।आखिर हो भी क्यों ना इन जुल्फों की कहानी है भी बहुत पुरानी है। 20 के दशक से आज तक कई सेलिब्रिटिज ने हर बार अपने-अपने दौर में हेयर स्टाइल को एक नई परिभाषा गढ़ा है। कुछ लोगों को बहुत पसंद आई और उन्होंने अपना ली। कुछ की चर्चा तो हुई पर उन्हें बहुत कम लोगों ने अपनाया।

बॉब कट (1920)

लड़कियों से लेकर हर उम्र की महिलाओं के बीच बॉब कट हेयर स्टाइल आज भी बहुत फेमस है। इसकी शुरूआत 1920 में हुई। स्पाइस गर्ल और डिजायनर विक्टोरिया बेकहम ने थोड़े फेरबदल के साथ इसे फिर से फैशन में फिर से ला दिया।

पिक्सी (1960)

साठ के दशक में ब्रिटिश मॉडल ट्विगी ने इस हेयर स्टाइल को मशहूर बनाया था। बाद में एना हैथवे ने फिल्म लेस मिसरेबल में फैनथिन के किरदार को निभाने के लिए यह हेयर स्टाइल अपनाई।

बी हाइव (1960)

याद करिए शर्मिला टैगोर की पुरानी फिल्में जिसमें उनकी हेयर स्टाइल बी हाइव होती थी। बी हाइव हेयर स्टाइल को सबके सामने लाई 1960 में मार्गेट विची हेल्ट। इसके बाद इस हेयर स्टाइल को आधुनिकता से जोड़कर पेश किया गया। शर्मिला ने 'एन ईवनिंग इन पेरिस' सहित कई फिल्मों में इस हेयर स्टाइल को हॉफ अप, हॉफ डाउन स्टाइल में अपनाया।

वेव्स कट (1970)

सत्तर के दशक में मशहूर हुए वेव्स कट को फराह फॉसेट ने अपने टीवी शो 'चार्लीज एंजेल' से मशहूर किया। अगर अब भी आपको कुछ याद नहीं आया तो धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित को याद करिए। अपने शुरूआती दिनों में माधुरी ने इसी हेयर स्टाइल को अपनाया था।

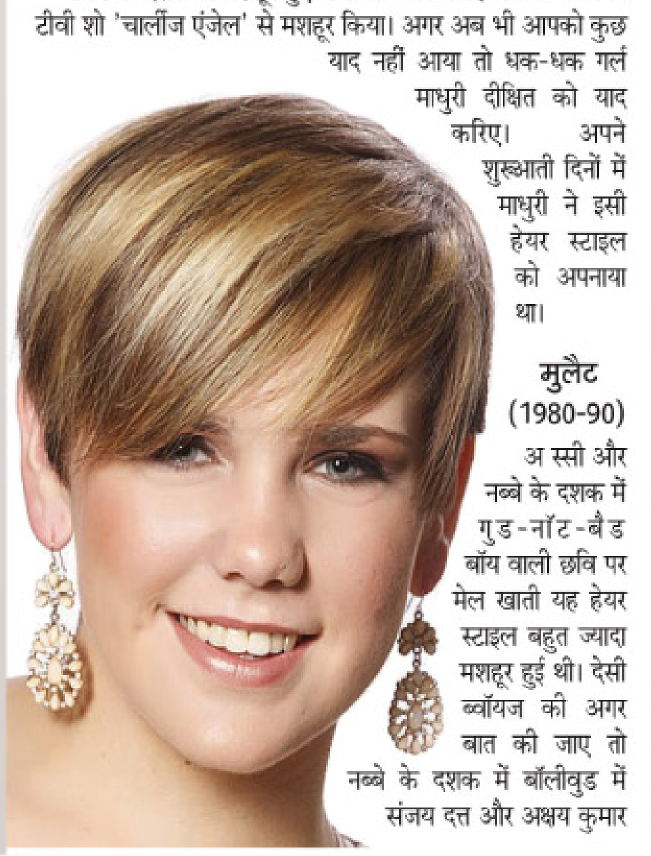

मुलैट (1980-90)

अ स्सी और नब्बे के दशक में गुड-नॉट-बैड बॉय वाली छवि पर मेल खाती यह हेयर स्टाइल बहुत ज्यादा मशहूर हुई थी। देसी ब्वॉयज की अगर बात की जाए तो नब्बे के दशक में बॉलीवुड में संजय दत्त और अक्षय कुमार ने यह स्टाइल अपनाई थी। इसके बाद तो गली-गली में लड़कों ने इस हेयर स्टाइल को अपनाया।

शैग (1990)

मेग रायन ने अपनी

फिल्म 'फ्रेंच किस' में यह हेयर स्टाइल बनाया था। उसके बाद फिल्म 'यू हैव गॉट मेल' में भी यही हेयर स्टाइल फॉलो किया। उस समय यह हेयर स्टाइल बहुत ज्यादा मशहूर हो गया था। फरहान खान द्वारा निर्देशित फिल्म 'लक्ष्य' (2004) में प्रीति जिंटा ने यही हेयर स्टाइल रखा था।

ट्रेडमार्क हैं ये हेयर स्टाइल

कई बार हेयर स्टाइल लोगों के व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाता है। फिल्मी हीरो-हीरोइंस के साथ तो ऐंसा खूब हुआ है।

अभी क्या है चलन में

स्लीक बन

इन दिनों स्लीक बन हेयर स्टाइल काफी मशहूर हो रही है। इसमें आगे से मांग निकालकर पीछे की तरफ पफ स्टाइल में बालों को बांधा जाता है। इस हेयर स्टाइल में आपने ऐंश्वर्या राय को जरूर देखा होगा।

शॉर्ट लेयर्स

खुले बालों को छोटे लेयर्स में सेट करके आप शॉर्ट लेयर्स हेयर स्टाइल को अपना सकते हैं। इस स्टाइल के लिए आपको बालों की काफी देखभाल करनी पड़ती है। दीपिका पादुकोण को अक्सर इस स्टाइल में देखा जाता है।

क्रेजी कर्ल

क्रेजी कर्ल में खुले बाल रखे जाते हैं और ऊपर की बजाय बालों को नीचे से टाइट कर्ल करते हैं। इसमें बालों की पोनी भी बनाई जा सकती हैं। कंगना रानौत इस हेयर स्टाइल में काफी जंचती हैं।

फ्रिज हेयर स्टाइल

भारत में साठ से सत्तर के दशक में साधना कट बहुत मशहूर हुआ था। इसमें माथे पर हल्के से साइड में बालों को निकाला जाता है। साधना कट हेपबर्न के फ्रिज से प्रेरित था जो उन्होंने फिल्म रोमन हॉलीडे (1953) में अपनाई थी।

राशेल हेयर स्टाइल

हेयर स्टाइलिस्ट क्रिस मैकमिलन ने जेनिफर एनिस्टन के मशहूर शो फैरंड्स में उनके किरदार राशेल ग्रीन के लिए बाउंसी और लेयर्ड हेयर स्टाइल तैयार की। एनिस्टन को यह स्टाइल पसंद न आई पर युवाओं ने इसे खूब सराहा।

खराब स्टाइल भी मशहूर

हेयर स्टाइल में अगर खराब स्टाइल की बात करें तो 'तेरे नाम' फिल्म के राधे भैया (सलमान खान) को याद करिए। छोटे- छोटे कटे बाल जो बीच की मांग निकाल कर काढ़े गए थे। उस समय बहुत से युवाओं ने इस हेयर स्टाइल में अपने बाल कटवाए थे।

विश्व कप क्वालीफायर के लिए युवा खिलाड़ी एस्टेवाओ ब्राजील की टीम में शामिल

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। युवा खिलाड़ी एस्टेवाओ को इक्वाडोर और पैराग्वे के खिलाफ होने वाले फीफा विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की टीम में शामिल किया गया है। ब्राजीली फुटबॉल परिसंघ ने उक्त जानकारी दी। 17 वर्षीय खिलाड़ी, जो अगले जुलाई में चेल्सी में शामिल होंगे, ने इस साल 19 ब्राज़ीलियाई सीरी ए खेलों में पाँच गोल और पाँच सहायता के साथ पाल्मेरास के लिए सकारात्मक प्रभाव डाला है। जैसी कि उम्मीद थी, मैनेजर डोरिवल जूनियर ने अपने 23 सदस्यीय दल में तीन रियल मैड्रिड फॉरवर्ड - विनीसियस जूनियर, रोड्रिगो और एंड्रिक को शामिल किया। स्टार फॉरवर्ड नेमार पिछले अक्टूबर में चोटिल हो गए थे, इसलिए वे खेल से दूर हैं। ब्राजील 6 सितंबर को क्यूरिटिबा में इक्वाडोर से और चार दिन बाद असुनसियन में पैराग्वे से भिड़ेगा। पाँच बार का विश्व चैंपियन ब्राजील वर्तमान में छह मैचों के बाद 10-टीम दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ज़ोन में छठे स्थान पर हैं।

ब्राजील की टीम:

गोलकीपर: एलिसन, बेंटो, एडर्सन।

डिफेंडर्स: डेनिलो, यान कूटो, गुइलहर्मे अराना, वेंडेल, बेराल्डो, मार्क्विनहोस, एडर मिलिटाओ, गेब्रियल मैगलहेस।

मिडफील्डर्र: आंद्रे, ब्रूनो गुइमारेस, गर्सन, जोआओ गोम्स, लुकास पाक्वेटा।

स्ट्राइकर; रोड्रिगो, एंड्रिक, विनीसियस जूनियर, एस्टेवाओ, लुइज़ हेनरिक, पेड्रो, सविन्हो।

सत्र के पहले मैच में लीवरकुसेन ने मोंचेनग्लैडबाक को 3-2 से हराया

बर्लिन। फ्लोरियन विर्ट्ज़ के अंतिम क्षणों में किये गए गोल की मदद से बायर लीवरकुसेन ने बोरूसिया मोंचेनग्लैडबाक को 3-2 से हराकर 62वें बुन्देसलीगा सत्र का आगाज किया। लीवरकुसेन ने मैच में शानदर शुरुआत की और 12वें मिनट में ग्रैनिट झाका ने 20 मीटर की दूरी से बेहतरीन गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

इसके बाद 38वें मिनट में विर्ट्ज़ बहुत नजदीक से गोल कर लीवरकुसेन को 2-0 की बढ़त दिला दी। मध्यांतर तक लीवरकुसेन की टीम 2-0 से आगे रही। मध्यांतर के बाद मोंचेनग्लैडबाक ने बेहतरीन वापसी की और मैच के 59वें मिनट में निको एल्वेदी और 85वें मिनट में टिम क्लीन्डिएन्स्ट ने गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। लीवरकुसेन ने जीत के लिए जोर लगाया और को इटाकुरा द्वारा अमीन आदिल को क्षेत्र में गिराए जाने पर उन्हें अंतिम समय में पेनल्टी दी गई, जिसे विर्ट्ज़ ने गोल में बदलकर लीवरकुसेन को 3-2 से जीत दिला दी।

ओलंपियन भावना जाट पर नाडा ने ठिकाना न बताने पर लगाया 16 महीने का प्रतिबंध

नई दिल्ली। भारतीय रेस वॉकर भावना जाट पर राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने ठहरने के स्थान की जानकारी न देने के कारण 16 महीने का प्रतिबंध लगा दिया है। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार, 16 महीने का प्रतिबंध 10 अगस्त, 2023 को उसके प्रारंभिक निलंबन की तारीख से शुरू होगा और 10 दिसंबर, 2024 को समाप्त होगा। हालांकि एंटी-डोपिंग अनुशासनात्मक पैनल ने 10 जुलाई, 2024 को नाडा नियमों के अनुच्छेद 2.4 के तहत भावना को निलंबित करने का निर्णय लिया था, लेकिन इसे गुरुवार को उनकी वेबसाइट पर सूचीबद्ध किया गया था। नाडा ने पिछले साल अगस्त में भावना को अनंतिम रूप से निलंबित कर दिया था, जिससे वह हंगरी के बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकी। हर साल, अपने खेल में उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाले कई भारतीय एथलीटों को नाडा द्वारा पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) के लिए चुना जाता है, जिसकी तिमाही समीक्षा की जाती है।आरटीपीमें शामिल सभी एथलीटों को तिमाही आधार पर अपना ठिकाना बताना आवश्यक है, जिसमें उनके आवास का पता, प्रशिक्षण स्थान, कार्य, प्रतियोगिताएं और अन्य प्रासंगिक जानकारी जैसे विवरण शामिल हैं। गैर-अनुपालन को फाइलिंग विफलता माना जाता है। इसके अतिरिक्त, इन एथलीटों को परीक्षण के लिए नाडा को 60 मिनट का समय स्लॉट प्रदान करना होगा, और ऐसा न करने पर, संभावित रूप से परीक्षण छूट सकता है।

अखिल भारतीय पुलिस खेलों में जूडो में रजत पदक जीतने वाले कुपवाड़ा पुलिस अधिकारी विश्व पुलिस और अग्निशमन खेलों के लिए चयनित

श्रीगनर। एक उल्लेखनीय उपलब्धि में कुपवाड़ा पुलिस के विशेष पुलिस अधिकारी एसपीओ फरहत गुलजार ने अखिल भारतीय पुलिस खेलों में जूडो में रजत पदक अर्जित करके जम्मू और कश्मीर पुलिस को बड़ा सम्मान दिलाया है। यह आयोजन जो गुवाहाटी में आयोजित किया गया था और असम पुलिस की मेजबानी में हुआ था। अखिल भारतीय पुलिस खेलों में एसपीओ फरहत गुलजार का उत्कृष्ट प्रदर्शन उनके समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रमाण है। राष्ट्रीय स्तर पर उनकी सफलता के परिणामस्वरूप एसपीओ गुलजार को फरवरी 2025 में कैलिफोर्निया यूएसए में आयोजित होने वाले विश्व पुलिस और अग्निशमन खेलों में भाग लेने के लिए चुना गया है।

नीरज डायमंड लीग में थ्रो 89.49 के साथ दूसरे स्थान पर रहे

एजेंसी

लुसाने। पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग में 89.49 थ्रो कर दूसरे स्थान पर रहे, उन्हें ब्रसेल्स में 14 सितंबर को होने वाले डायमंड लीग के फाइनल मुकाबले के लिए शीर्ष छह में बने रहना होगा।

स्विट्जरलैंड में लुसाने में डायमंड लीग 2024 की स्पर्धा में नीरज ने अपने अंतिम प्रयास में इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ 89.49 मीटर का थ्रो किया। उन्होंने डायमंड लीग एथलीट प्रतियोगिता में अपने स्वयं के पेरिस ओलिंपिक में फेंके 89.45 मीटर के थ्रो के रिकार्ड को तोड़ा।

नीरज चोपड़ा जहां अभी डायमंड लीग की प्वाइंट्स टेबल में 14 अंकों के साथ चौथे नंबर पर हैं तो वहीं एंडरसन पीटर्स ने लुसाने डायमंड लीग में 90.61 मीटर का थ्रो करने के साथ पहले स्थान पर खत्म किया और फाइनल के लिए अपनी जगह को भी बना लिया है। वहीं जैकिब वैल्डिच ने 16 अंकों के साथ हैं अंक टेबल में दूसरे नंबर पर हैं और उन्होंने भी अपनी जगह को पक्का कर लिया है। नीरज के अलावा जूलियन वेबर भी 14 अंकों पर हैं और फाइनल में पहुंचने की रेस

में वह भी बने हुए हैं। नीरज लुसाने डायमंड लीग में अपने पुराने फॉर्म में भी दिखाई नहीं दिए। भारतीय एथलीट का पहला थ्रो 82.10 मीटर, दूसरा 83.21 मीटर, तीसरा 83.31 मीटर, चौथा 82.34 मीटर, पांचवे थ्रो में 85.58 मीटर भाला फेंका। इसके बाद अपने आखिरी थ्रो में नीरज शानदार प्रदर्शन करते हुए 89.49 मीटर पहुंचे। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने 90.61 मीटर के शानदार थ्रो के साथ नया मीट रिकॉर्ड दर्ज करते हुए पहले स्थान पर रहे, जबकि जर्मनी के जूलियन वेबर 87.08 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर जगह बनाई। पीटर्स शुरू से ही शांत दिखे और अपने दूसरे प्रयास में 88.49 मीटर के साथ इसे बेहतर करने से पहले 86.36 मीटर के थ्रो के साथ शानदार शुरुआत की। वेबर अपने दूसरे प्रयास में 87.08 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए थे और बाकी स्पर्धा में यह उनका सर्वश्रेष्ठ रहा। लुसाने लीग में दूसरे स्थान पर रहने के बाद, नीरज वर्तमान में ओवरऑल स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर हैं और सितंबर में ब्रुसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की मजबूत स्थिति में हैं। उन्होंने वर्ष 2022 में डायमंड लीग खिताब जीता था। मुकाबले के बाद नीरज ने कहा, शुरुआत में बेहतर महसूस नहीं हो रहा था, लेकिन मैं अपने थ्रो से खुश हूं, खासकर अपने आखिरी प्रयास में दूसरे सर्वश्रेष्ठ थ्रो से। यह मुश्किल शुरुआत थी, लेकिन वापसी सच में अच्छी थी और मैंने जो जज्बा दिखाया उसका लुत्फ भी उठाया। उन्होंने कहा, भले ही मेरी शुरुआती थ्रो 80-83 मीटर के आसपास थी, लेकिन आखिरी दो प्रयासों में मैंने कड़ी मेहनत की और मजबूत प्रदर्शन किया। इस उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते समय, मानसिक रूप से मजबूत रहना और प्रतिस्पर्धी बने रहना बहुत ही अहम है।

कंधे की चोट के कारण जाबेउर ने अमेरिकी ओपन से नाम लिया वापस

एजेंसी

न्यूयॉर्क। ट्यूनीशिया की महिला टेनिस स्टार ओन्स जाबेउर ने कंधे की चोट के कारण इस वर्ष होने वाले अमेरिकी ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है।

अमेरिकी ओपन 2022 की उपविजेता जाबेउर ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा कि उनका कंधा ठीक नहीं हो पाया है जिससे कि वह फ्लशिंग मीडोज में खेल सके।

सोमवार से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में जाबेउर को 17वें नंबर की वरीयता दी जानी थी। यूएस टेनिस एसोसिएशन ने बताया है कि वरीयता पाने के लिए पात्र अगली सर्वोच्च खिलाड़ी एलिस मर्टेनस को 33वें नंबर की वरीयता दी जाएगी। जाबेउर हाल ही में चोटों से जूझ रही हैं, उन्होंने चोट के कारण वाशिंगटन में हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था और मॉन्ट्रियल में अपने एकमात्र मुकाबले में नाओमी ओसाका से हार गई थी।

मुशफिकुर और लिटन ने बंगलादेश की लड़खड़ाती पारी को संभाला

एजेंसी

रावलपिंडी। शादमन इस्लाम (93), मोमिनुल हक (50) के बाद मुशफिकुर रहीम नाबाद (55) और लिटन कुमार दास नाबाद (52) रनों की जुझारू पारियों के दम पर बंगलादेश ने पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट पर 316 रन बना लिये है।

बंगलादेश ने आज 27 रनों के कल के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। अभी टीम का स्कोर 31 रन हुआ था कि नसीम शाह ने जाकिर हसन (12) को आउट कर बंगलादेश को पहला झटका दिया। इसके बाद कप्तान नजमुल शान्तो (16) को खुर्रम शहजाद ने पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। शुरुआती झटको के बाद मोमिनुल हक ने शादमन इस्लाम के साथ पारी को संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिय 94 रनों की साझेदारी हुई। मोमिनुल हक(50) के आउट होने के बाद शाकिब अल हसन (15) के भी आउट होने के बाद बंगलादेश संकट में फंस गया था। ऐसे समय में मुशफिकुर रहीम और लिटन कुमार दास नाबाद ने फिर से पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच छठे

विकेट लिये 98 रनों की साझेदारी हो चुकी है। और आज दिन का खेल समाप्त होने पर मुशफिकुर रहीम नाबाद (55) और लिटन कुमार दास नाबाद (52) रन बनाकर क्रीज पर थे। दोनों बल्लेबाजों ने टीम को के स्कोर को पांच विकेट पर 316 रन पहुंचा दिया है। हालांकि बंगलादेश अभी भी पाकिस्तान के स्कोर से 132 रन पीछे है। पाकिस्तान की ओर से खुर्रम शहजाद ने दो विकेट लिये। नसीम शाह, मोहम्मद अली और सईम अयूब ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।इससे पहले पाकिस्तान मोहम्मद रिजवान नाबाद (171)और सऊद शकील (141) की शानदार शतकीय पारियों के दम पर टेस्ट मैंच में दूसरे दिन गुरुवार को छह विकेट पर 448 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी थी।

डब्ल्यूसीपीएल टी-20 विश्वकप तैयारियों का हिस्सा है: रॉड्रिग्स

एजेंसी

सैन फर्नांडो। पहली बार महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) खेलने जा रही भारतीय बल्लेबाज जेमिमाह रॉड्रिग्स ने कहा है कि यह टूर्नामेंट टी-20 विश्वकप के तैयारियों का हिस्सा हैं।

शुरु हुये इस टूर्नामेंट में वह हमवतन शिखा पांडे के साथ ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स (टीकेआर) टीम का हिस्सा हैं। अक्टॅबर में यूएई में होने वाला टी-20 विश्वकप रॉड्रिग्स का चौथ विश्वकप होगा। मीडिया से बातचीत में रॉड्रिग्स ने कहा, टी-20 विश्व कप से पहले मेरे पास यही कुछ मैच हैं। मैं कुछ नई चीजों पर लगातार अभ्यास कर रही थी और यहां मैं उन्हें आजमाने वाली हूं। क्योंकि अभ्यास और मैच में बहुत अंतर होता है। फ्रैंचाइजी क्रिकेट मुझे हमेशा उत्साहित करती है।

उन्होंने कहा, मुझे यात्रा करना और अलग-अलग टीमों के लिए खेलना पसंद है। मुझे नए लोगों से मिलना और नए क्रिकेटरों को जानना अच्छा लगता है। मुझे यह जानना अच्छा लगता है कि वे अलग-अलग परिस्थितियों में अपने शरीर और दिमाग को कैसे ढालती हैं और कैसे खेलती हैं। आप जब भी क्रिकेट खेलने

मैदान पर उतरते हो, परिस्थितियां बदली रहती हैं। उनके बारे में जानने की जरुरत है। दबाव के क्षणों में ये तैयारियां बहुत काम आती हैं। मैं इस टूर्नामेंट को विश्व कप की तैयारियों की तरह देख रही हूं। इसके साथ ही यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं टीकेआर की टीम को टूर्नामेंट में आगे बढ़ने में मदद भी करूं। कुल मिलाकर मैं यहां खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

पांचवें से तीसरे नंबर पर खेलने के सवाल पर रॉड्रिग्स ने कहा, मुझे लगता है कि हर बल्लेबाज का अपना एक अलग फॉर्मूला होता है। मेरे लिए परिस्थितियों को जल्दी से पढ़ना और उनके अनुसार शॉट खेलना अधिक महत्वपूर्ण है। यहां पिच धीमी होंगी, तो मुझे उसके अनुसार बल्लेबाजी करनी होगी। मैं इन चीजो को लेकर हमेशा से स्पष्ट रहना चाहती हूं ताकि मेरे दिमाग में भी एक स्पष्टता रहे।

ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप लखनऊ में

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों के 400 खिलाड़ी लखनऊ में 24 व 25 अगस्त को होने वाली डब्लूएमएसकेएफ ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप-2024 में पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

वर्ल्ड मॉडर्न शोतोकान कराटे फेडरेशन, इंडिया के तत्वाधान में वर्ल्ड मॉडर्न शोतोकान कराटे फेडरेशन, उत्तर प्रदेश के द्वारा दो दिवसीय चैंपियनशिप के मुकाबले चौक स्टेडियम के लालजी टंडन बहुउद्देश्यीय हाल में खेले जाएंगे।

चैंपियनशिप की पूर्व संध्या पर आज खिलाड़ियों का वजन भी किया गया। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन के सचिव संतोष कुमार ने बताया कि चैंपियनशिप में 78 स्वर्ण, 78 रजत व 156 कांस्य पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा होगी। चैंपियनशिप में बालक व बालिकाओ में कुमिते के 62 भार वर्ग व काता की 16 श्रेणियों सहित कुल 78 वर्गो के मुकाबले होंगे। इस चैंपियनशिप में मेजबान उत्तर प्रदेश, पंजाब, झारखंड, गोवा, उत्तराखंड और राजस्थान की टीम भाग लेगी।

सैनी ने सांगवान को बधाई दी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अन्डर 17 विश्व कुश्ती में स्वर्ण पदक जीतने पर नेहा सांगवान को बधाई दी है। श्री सैनी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि बलाली गांव की लाडली बेटी नेहा सांगवान ने 57 किलोग्राम में जॉर्डन की राजधानी अमाम में चल रहे अन्डर 17 विश्व कुश्ती में गोल्ड मेडल जीत के देश का नाम रोशन किया।उन्होंने सांगवान को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

17 करोड़ से अधिक दर्शकों ने लीनियर टीवी और डिजिटल मंच पर ओलंपिक देखा

एजेंसी

मुंबई। पेरिस ओलंपिक 2024 के वायकॉम 18 के प्रसारण ने भारत में डिजिटल और लीनियर प्लेटफॉर्म पर 17 करोड़ से अधिक रिकार्ड दर्शकों ने खेलों का आनंद लिया।

जियोसिनेमा और स्पोर्ट्स18 नेटवर्क पर मुफ़्त में उपलब्ध कवरेज को 1500 करोड़ मिनट से अधिक समय तक देखा गया। ओलंपिक के कार्यक्रम का प्रसारण अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु सहित कई भाषाओं में किया गया। पिछले ओलंपिक की तुलना में व्यापक कवरेज के जरिए विज्ञापन राजस्व में 2.6 गुना वृद्धि हुई। इस दौरान विशेषज्ञों द्वारा प्रसारण के दौरान दर्शकों को उस खेल से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी दी गई।

वायाकॉम 18 डिजिटल के मुख्य कार्यकारी किरण मणि ने कहा, पेरिस ओलंपिक 2024 इस बात का एक प्रमुख उदाहरण है कि कैसे भारतीय दर्शकों के बीच गैर-क्रिकेट खेल की लोकप्रियता बढ़ रही है। दर्शकों की संख्या और उत्साही विज्ञापनदाता भागीदारी दोनों ही इस बात की गवाह हैं। हमारा ओलंपिक कवरेज न केवल

एक विश्व स्तरीय उत्पादन था, बल्कि इसने दर्शकों को स्टूडियो विशेषज्ञों (पूर्व ओलंपियन) के साथ स्थानीय भाषाओं में कमेंट्री, आकर्षक कहानी तथा दो सप्ताह तक हर स्पर्धा के सीधे प्रसारण का आकर्षक और नॉन-लाइव कवरेज देखने की अनुमति दी

उन्होंने कहा, हमारा प्रयास खेल देखने के अनुभव में लगातार वृद्धि करना है, सभी स्क्रीन पर और लंबे समय तक खेल प्रशंसकों को जोड़े रखना है, जबकि विज्ञापनदाताओं को अपने उपभोक्ताओं तक सबसे प्रभावी ढंग से पहुँचने के रास्ते और अवसर प्रदान करना है।

भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 38 वर्षीय शिखर धवन ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर अपने संन्यास की घोषणा की। धवन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, मैं एक ऐसे मुकाम पर खड़ा हूं, जहां जब मैं पीछे देखता हूं, तो मुझे केवल यादें और एक नया जीवन दिखाई देता है। भारत के लिए खेलना हमेशा से मेरा सपना था और मुझे इसे जीने का मौका मिला। मैं इसके लिए बहुत से लोगों का शुक्रगुजार हूं। सबसे पहले, मेरा परिवार, मेरे बचपन के कोच और फिर मेरी टीम जिसके साथ मैंने इतने सालों तक खेला। मुझे एक नया परिवार, शोहरत और प्यार मिला। लेकिन कहा जाता है कि आगे बढ़ने के लिए आपको पन्ने पलटने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, मैं अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं। अपने क्रिकेट के सफर को

अलविदा कहते हुए, मेरे दिल में शांति है। मैंने अपने देश के लिए बहुत खेला है। मैं खुद से यही कहता हूं कि आपको अपने देश के लिए दोबारा नहीं खेलने पर दुखी होने की जरूरत नहीं है, बल्कि खुश रहें कि आपको ऐसा करने का मौका मिला। अपने शानदार करियर में, धवन ने सभी प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व किया, लेकिन वनडे उनका पसंदीदा प्रारुप था। 167 मैचों में, बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने शानदार प्रदर्शन किया और 44.1 की औसत से 6,793 रन बनाए, जिसमें 17 शतक और 39 अर्द्धशतक शामिल हैं। क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में, जहां उन्होंने मुरली विजय के साथ यादगार साझेदारियां कीं, धवन ने 34 मैचों में 40.6 की औसत से 2,315 रन बनाए। उनके टेस्ट करियर में सात शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं।

राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप: सूर्य शेखर ने बढ़त बनाई, 11 वर्षीय माधवेंद्र ने जीएम विग्नेश को पीछे छोड़ा

एजेंसी

गुरुग्राम। राष्ट्रीय चैम्पियनशिप जैसे मजबूत शतरंज टूर्नामेंट में लगातार सात गेम जीतना आसान नहीं है। लेकिन सूर्य शेखर गांगुली उस तरह की फॉर्म में हैं। चार राउंड शेष रहते हुए, उनके सात अंक हैं, जिससे उनकी बढ़त एक अंक की हो गई है।

कोलकाता के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी की 2016 में 2676 की सर्वोच्च रेटिंग से काफी गिरावट आई है - अब यह 2583 पर है - लेकिन वह आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल में अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सूर्य शेखर के बाद पांच खिलाड़ी गत विजेता एस.पी. सेथुरमन, दिप्तायन घोष, कार्तिक वेंकटरमन, अरोण्यक घोष और हिमाल गुसाईं छह अंकों के साथ हैं।

शीर्ष बोर्ड पर, शहर के साथी सायंतन दास के खिलाफ रुय लोपेज़ ओपनिंग के ब्लैक साइड से खेलते हुए, उन्होंने शुरुआत में ही बेहतर स्थिति हासिल कर ली और एक लाभप्रद नाइट-एंड-पॉन एंडिंग पर पहुँच गए। क्वीन की तरफ़ से उनके पास किए गए मोहरे ने उन्हें 64 चालों में जीतने में मदद की।

दूसरे बोर्ड पर, दीप सेनगुप्ता और अरोन्याक ने इंग्लिश ओपनिंग से 73-चालों में ड्रॉ खेला, जबकि तीसरे पर, सेथुरमन को क्वीन्स गैम्बिट डिक्लाइन्ड गेम में सी.आर.जी. कृष्णा को हराने के लिए केवल 32 चालों की आवश्यकता थी। इस दिन 11 वर्षीय माधवेन्द्र शर्मा ने एन.आर. विग्नेश को भी पीछे छोड़ा, जो उनसे 506 एलो अंक अधिक ग्रैंडमास्टर हैं।

महत्वपूर्ण परिणाम (सातवां राउंड)----

सायंतन दास (आरएसपीबी) 5.5 सूर्य शेखर गांगुली (पीएसपीबी) 7 से हारे।

दीप सेनगुप्ता (पीएसपीबी) 5.5 ने अरोण्यक घोष (आरएसपीबी) 6 से ड्रा किया।

एस.पी. सेथुरमन (पीएसपीबी) 6 ने सीआरजी कृष्णा (आरएसपीबी) 5 को हराया।

दीप्तयन घोष (आरएसपीबी) 6 ने एस. नितिन (आरएसपीबी) 5 को हराया।

नीलाश साहा (आरएसपीबी) 5 कार्तिक वेंकटरमन (एपी) 6 से हारे।

एम.आर. वेंकटेश (पीएसपीबी) 5 हिमाल गुसाईं (आरएसपीबी) 6 से हारे।

एम.आर. ललित बाबू (एपी) 5.5 ने स्वप्निल धोपड़े (महाराष्ट्र) 5.5 से ड्रा किया।

अभिजीत गुप्ता (पीएसपीबी) 5.5 ने दिनेश के. शर्मा (एलआईसी) 4.5 को हराया।

पी. इनियान (टीएन) 5 ने विग्नेश अद्वैत वेमुला (टीएस) 5 के साथ ड्रा खेला।

मित्रभा गुहा (आरएसपीबी) 5.5 ने शुभी गुप्ता (यूपी) 4.5 को हराया।

एन.आर. विग्नेश (आरएसपीबी) 5 ने माधवेंद्र शर्मा (एमपी) 5 के साथ ड्रा खेला।

पिंडली में खिंचाव के कारण स्कॉटलैंड टी20 सीरीज से बाहर हुए जोश हेजलवुड

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड पिछले सप्ताह प्रशिक्षण के दौरान पिंडली में खिंचाव के कारण अगले महीने स्कॉटलैंड के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज में नहीं खेल पाएंगे।

अपने आखिरी पांच टी20 मैच 2021 में खेलने वाले रिले मेरेडिथ को टीम में शामिल किया गया है। हेजलवुड की चोट को मामूली बताया गया है और उम्मीद है कि वह सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 और वनडे मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे, हालांकि चयनकर्ता व्यस्त घरेलू गर्मियों से पहले सतर्क रुख अपना सकते हैं जिसमें भारत के खिलाफ पांच टेस्ट शामिल हैं। मेरेडिथ इंग्लिश सीज़न के दौरान व्हाइट-बॉल क्रिकेट में समरसेट के लिए खेले हैं। उन्होंने टी20 ब्लास्ट में 22.78 की औसत से 14 विकेट लिए और तीन वन-डे कप खेलों में छह विकेट लिए, जिसमें लॉर्ड्स में मिडलसेक्स के खिलाफ 27 रन देकर 4 विकेट शामिल हैं, जहाँ समरसेट फ़ाइनल में पहुँच गया है। उन्होंने तीन साल पहले न्यूज़ीलैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलते हुए आठ टी20आई विकेट लिए हैं।

हेजलवुड दूसरे तेज गेंदबाज हैं जिन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि स्पेंसर जॉनसन को हंड्रेड में खेलते हुए साइड स्ट्रेन हुआ था।

स्कॉटलैंड सीरीज़ के लिए तेज गेंदबाजी में अब मेरेडिथ, जेवियर बार्टलेट, सीन एबॉट और नाथन एलिस के साथ-साथ ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन, आरोन हार्डी और मार्कस स्टोइनिस और संभावित कप्तान मिशेल मार्श शामिल होंगे। स्पिन की जिम्मेदारी एडम ज़म्पा और अनकैप्ड कूपर कोनोली संभालेंगे।

ऑस्ट्रेलिया सोमवार को स्कॉटलैंड के लिए उड़ान भरेगा, जिसका पहला टी20 मैच 4 सितंबर को एडिनबर्ग में होगा।

स्कॉटलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम इस प्रकार है-

मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), रिले मेरेडिथ, मार्कस स्टोइनिस, एडम ज़म्पा।

आयशा टाकिया

हुई ट्रोल तो डिलीट किया इंस्टाग्राम, लोगों की खरीखोटी की वजह से लिया बड़ा फैसला?

आयशा टाकिया इन दिनों अपने नए अवतार को लेकर सुर्खियों में हैं. अपनी खूबसूरती से लोगों को दीवाना बनाने एक्ट्रेस ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए थे, जिसके बाद से सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें खूब ट्रोल किया गया था. ट्रोलिंग के बाद आयशा ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट ही डिलीट कर दिया है.आयशा टाकिया भले इन दिनों फिल्मों से दूर हो, लेकिन सोशल मीडिया के जरिए वह अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं. हाल ही में उन्होंने अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें और कुछ वीडियो शेयर किए थे, जिसको देखकर यूजर्स ने कयास लगाया था कि उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी फिर कराई है. उनका नया रूप सोशल मीडिया पर लोगों को पसंद नहीं आया, जिसके बाद लोग उन्हें खरीखोटी सुनाने लगे थे.

ट्रोलिंग से बचने के लिए उठाया कदम ?

अब शुक्रवार की सुबह एक्ट्रेस के फैंस तब हैरान रह गए जब उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आयशा का इंस्टाग्राम प्रोफाइल नहीं मिला. एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम से अपना प्रोफाइल हटाने से पहले कोई बयान भी जारी नहीं किया. अब नेटीजंस का मानना है कि उन्होंने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि

उन्हें ऑनलाइन नफरत और आलोचना मिल रही थीं.

क्या था लेटेस्ट पोस्ट

आयशा टाकिया ने पिछले दिनों अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की थी जिसमें वह कार में सेल्फी लेती दिखीं. आयशा ने ट्रेडिशनल लुक अपनाया था. उन्होंने ब्लू और गोल्डन कलर की सिल्क साड़ी पहनी थी और गोल्डज्वेलरी से अपने लुक को पूरा किया था.

इंस्टा पर थे 2 मिलियन फॉलोअर्स

इंस्टाग्राम पर आयशा टाकिया आजमी के नाम से उनका अकाउंट था. इस पर 2 मिलियन फॉलोअर्स थे. आयशा खुद भी 7773 लोगों को फॉलो कर रही थीं और उन्होंने 1290 पोस्ट्स शेयर किए थे.

ट्रोल्स को सुना चुकी है खरीखरी

आपको बता दें कि ये पहली बार नहीं है जब आयशा को लोगों ने ट्रोल किया हो. इससे पहले इसी साल फरवरी में आयशा तब ट्रोल हुई थीं जब उन्हें एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था. उन्हें देखने के बाद लोगों का दावा था कि उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी करवाया है. इस ट्रोलिंग से तंग आकर आयशा ने लंबा-चौड़ा नोट लिखकर ट्रोल्स को मुंहतोड़ जवाब देते हुए कहा था कि देश में लोगों को उनकी शक्ल-सूरत की आलोचना करने के अलावा कोई और अहम मुद्दा नहीं है.

ऐश्वर्या राय

ने मजबूरी में किया था शाहरुख-दीपिका की हैप्पी न्यू ईयर को रिजेक्ट, अभिषेक बच्चन थे वजह

ऐश्वर्या राय बॉलीवुड की वो एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने कई सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में अपने नाम की है. बॉलीवुड में एक दौर में उनका ऐसा जलवा था कि हर डायरेक्टर को वह पहली पसंद हुआ करती थीं. लेकिन कुछ ऐसी बेहद सफल फिल्में भी हैं, जो उन्हें ऑफर तो हुई लेकिन उन्होंने फिल्म को करने से साफ इनकार कर दिया और कुछ फिल्में ऐसी भी रहीं, जिन्हें वो करना चाहती थीं लेकिन किसी न किसी मजबूरी के कारण फिल्ममेकर्स को मना करना पड़ा. साल 2014 में रिलीज हुई कॉमेडी एक्शन फिल्म 'हैप्पी न्यू ईयर' उन्हें ऑफर हुई थी पर उन्होंने फिल्म को अभिषेक बच्चन की वजह से मना कर दिया था. क्या था वो कारण एक्ट्रेस ने खुद खुलासा किया था.अभिषेक बच्चन के साथ तो एक्ट्रेस ने कई फिल्में की है, तो फिर उन्होंने फराह खान के निर्देशन में बनी फिल्म 'हैप्पी न्यू ईयर' को करने से इनकार क्यों किया? इस सवाल का जवाब एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान दिया था. उन्होंने फिल्म को छोड़ने की वजह अभिषेक बच्चन को बताया था. उन्होंने क्या कहा था चलिए आपको बताते हैं...

अभिषेक की वजह से छोड़ी फिल्म

एक्ट्रेस ने एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में इस फिल्म के ऑफर के बारे में बताया था. उन्होंने कहा था, 'हां मुझे फिल्म ऑफर हुई थी और इसमें काम करती तो यह एक मजेदार ट्रिप जैसा होता. काफी मजा आता, लेकिन यह मेरे और अभिषेक बच्चन के लिए काम नहीं करती. ऐसा इसलिए क्योंकि फिल्म में हमारी जोड़ी साथ नहीं होती.' ऐश्वर्या राय ने कहा था, 'फिल्म में शाहरुख के ऑपोजिट दीपिका पादुकोण हैं. फिल्म में एक ही फीमेल लीड है और अभिषेक के ऑपोजिट कोई नहीं तो मेरे और अभिषेक के लिए बहुत अजीब हो जाता कि मैं फिल्म में रहती और अभिषेक के भी फिल्म में रहते हुए मेरी जोड़ी किसी और के साथ बनती. इसलिए मैंने फिल्म की कहानी सुनने के बाद इसे रिजेक्ट कर दिया.'

मल्टीस्टारर फिल्म है 'हैप्पी न्यू ईयर'

फिल्म में शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और अभिषेक बच्चन के अलावा विवान शाह, सोनू सूद और बोमन ईरानी थे.

इम्तियाज अली ने खो दी थी रणबीर कपूर की इस फिल्म की स्क्रिप्ट, लिखनी पड़ी थी दोबारा

'रॉकस्टार' साल 2011 में रिलीज हुई थी. फिल्म को फैन्स ने खूब पसंद किया था. इस फिल्म को इम्तियाज अली ने डायरेक्ट किया है. फिल्म 'रॉकस्टार' को हाल ही में एक बार फिर से रि-रिलीज किया गया और फिल्म ने दमदार कमाई की. ऐसे में फिल्म के डायरेक्टर इम्तियाज अली ने फिल्म के बारे में चौंकाने वाला खुलासा किया है. उन्होंने बताया कि उन्होंने इस फिल्म की स्क्रिप्ट खो दी थी और रणबीर कपूर ने उन्हें 'रॉकस्टार' की कहानी सुनाई थी.इम्तियाज और रणबीर पहले से एक दूसरे को जानते थे. इम्तियाज की 'लव आज कल', जिसमें रणबीर के पापा ऋषि कपूर और दीपिका पादुकोण थीं. उनका कहना है, इस वजह से हम पहले से एक दूसरे को जानते थे, लेकिन हम कभी मिले नहीं थे. इम्तियाज ने रणबीर के साथ अपनी पहली मुलाकात के बारे में बताते हुए कहा कि हम एक स्क्रीनिंग पर मिले और फिर हमने दोबारा मिलने का फैसला किया.

इम्तियाज ने खो दी थी 'रॉकस्टार' की स्क्रिप्ट

इम्तियाज अली ने कहा, मैं रणबीर से दोबारा मिला और उन्हें एक स्क्रिप्ट के बारे में बता रहा था. जिस पर मैं उनके साथ एक फिल्म बनाना चाहता था. हालांकि ये 'रॉकस्टार' नहीं दूसरी फिल्म की स्क्रिप्ट थी. उन्होंने बताया कि तभी रणबीर ने अचानक से कहा कि सर आपके पास कोई दूसरी फिल्म है. रणबीर 'रॉकस्टार' के बारे में बात कर रहे थे. इम्तियाज ने कभी रणबीर को इसके बारे में नहीं बताया था. वो कहते हैं, ऐसे में मैंने उनसे पूछा कि उन्हें इसके बारे में कैसे पता चला तो उन्होंने कहा कि उनके एक दोस्त ने इस बारे में बताया है. फिर रणबीर ने 'रॉकस्टार' की पूरी कहानी सुनाई. जब वह मुझे कहानी सुना रहे थे तो मैं बस यही सोच रहा था कि अगर यह बंदा मेरी फिल्म करेगा तो कैसा रहेगा? इसी दौरान मैंने उनसे पूछा कि आपको यह कहानी अच्छी लगी है और क्या आप ये फिल्म करोगे? इस पर उन्होंने कहा कि हां, मैं ये फिल्म जरूर करूंगा. इम्तियाज ने फिर बताया कि उन्होंने 'रॉकस्टार' की स्क्रिप्ट खो दी थी और उन्हें रणबीर के लिए फिर से लिखना पड़ा.

1 करोड़ से ज्यादा की शानदार कमाई

इम्तियाज अली ने यह भी बताया कि जब 'रॉकस्टार' पहली बार रिलीज हुई थी तो बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था, लेकिन जब ये फिर से दोबारा रिलीज हुई तो लोगों ने इसे खूब पसंद किया.

अनुपमा से भी बड़ा ब्रांड साबित हो रहा ये बॉलीवुड सुपरस्टार, अमिताभ बच्चन के KBC का हाल हुआ बेहाल

साल 2024 के 33वें हफ्ते की टीआरपी आ गई है और इस हफ्ते भी 2.4 की रेटिंग के साथ स्टार प्लस का सीरियल अनुपमा नंबर वन पर बरकरार है. लेकिन देखा जाए तो रुपाली गांगुली को रितेश देशमुख का शुक्रिया अदा करना चाहिए, क्योंकि उनके बिग बॉस का रुपाली गांगुली के शो से कोई मुकाबला नहीं है. वरना रितेश के शो को मिली रेटिंग की बाढ़ में रुपाली का 'अनुपमा' दूर कहीं बह जाता. रितेश का 'बिग बॉस' मराठी भाषा की कैटेगरी में आने की वजह से उनके शो को मिली रेटिंग का 'अनुपमा' के स्थान पर कोई असर नहीं हुआ है.दरअसल रितेश देशमुख के बिग बॉस मराठी के सीजन 5 की रेटिंग 3.9 आई है. ये रेटिंग अनुपमा से 1.5 पॉइंट ज्यादा है. दिन ब दिन बढ़ती जा रही इस शो की रेटिंग देखते हुए ये कहना गलत नहीं होगा कि सलमान खान के बाद रितेश बिग बॉस का दूसरा सबसे बड़ा चेहरा बन गए हैं. अनुपमा के बाद हमेशा की तरह सीरियल 'झनक' ने टीआरपी रिपोर्ट का नंबर दो का स्थान अपने नाम किया है. नंबर तीन पर 'गुम है किसी के प्यार में', चौथे नंबर पर 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' और पांचवे नंबर पर 'उड़ने की आशा' बना हुआ है.

जानें क्या है केबीसी का हाल ?

पिछले हफ्ते अमिताभ बच्चन के 'कौन बनेगा करोड़पति' का भी नया सीजन शुरू हो गया था. उनके क्विज रियलिटी शो की ओपनिंग टीआरपी 0.8 है. सोनी टीवी पर ऑन एयर होने वाले बाकी शो के मुकाबले ये एक अच्छी रेटिंग है. एक समय था जब इस शो की रेटिंग 2 से भी ज्यादा होती थी. लेकिन अब ज्यादातर लोग इसे सोनी लिव के ऐप पर देखना पसंद करते हैं और इसलिए टीवी पर 0.8 की रेटिंग मिलना भी इस शो के लिए अच्छी रेटिंग है. अमिताभ बच्चन के केबीसी की वजह से उनके टाइम स्लॉट पर ऑन एयर होने वाला श्रीमद रामायण सोनी सब टीवी पर शिफ्ट किया गया था, नए चैनल पर शिफ्ट होने के बाद इस शो की टीआरपी 0.5 से सीधे 0.8 बन गई है.

गिर गई लाफ्टर शेफ की रेटिंग, जाकिर का भी हुआ बुरा हाल

इस हफ्ते भारती सिंह के 'लाफ्टर शेफ' की रेटिंग भी बुरी तरह से गिर गई है. दरअसल रोहित शेट्टी के 'खतरों के खिलाड़ी' के ऑन एयर होने के बाद, इस कुकिंग रियलिटी शो को वीक डेज के स्लॉट पर शिफ्ट किया गया था. टाइम स्लॉट में आए हुए इस बदलाव की वजह से 'लाफ्टर शेफ' की रेटिंग 1.9 से सीधे 1.5 पर आ गई है.